



रोसायेनमाः ॥ श्रीसरयोतिनमोः ॥ पूर्वकालमासिहनाद ॥ पर्वतकोनिकटमा ॥ एकदेसथियो ॥ तेसदेसको ॥
 नाउभन्याश्रीकरठपरिभनि ॥ प्रधानभयाकोथियो ॥ तेसदेसमा ॥ रत्नदत्तभन्याकोथियो ॥ तेसवनियांकास्त्रीको ॥ नाउभ
 न्यागर्भावतिथियो ॥ ईतरस्त्रीपुरुषभैः श्रानन्दसित ॥ वस्याकाथिया ॥ कोहियेकदिनमा ॥ स्त्रीपुरुषलेमतोगन्या ॥ हेगर्भा
 वति ॥ हामिवनिजां जातभईकन ॥ वेपारगरिरस्याकसो होला ॥ वनिजां जातभईकनवसिरहन्त्या जोयेकेन ॥ गुरुवमवेपार ॥
 गर्नजान्छुं ॥ तद्यरसम्यति कोवहुतै ॥ सत्पारगरिरस्यास ॥ वनिजां लेअनेकदर्वलिकन ॥ वेपारगर्नगयो ॥ स्त्रीलेआकाशामि
 ले ॥ जोआग्नाभयाकोथियो ॥ सोमानिकनरहि ॥ योवनियाजादार ॥ कोहिसमयमा ॥ आर्केदेसको ॥ वनिजाभेद्योर ॥ भलाकु
 सारिगन्या ॥ दसआठमैराभयाकी ॥ वाटमाभेटभसाकावनिजांलाई ॥ रत्नदत्तवनिजांले ॥ सोधनिगन्या ॥ हेवनिजां
 सगि ॥ तिमिघरजांकोकि ॥ जान्याभयामेरोथरधर्चसक्यहो ॥ स्त्रीजातलेक्यावाईरहिहो ॥ तत्कारनधर्चगर्नकरा ॥ ये
 करत्तघरलेजाईदेउभन्या ॥ तसवनियालेजांछु रत्नल्याउभन्योर ॥ रत्नदत्तकेउमाग्योर ॥ येकरत्तलिनकन ॥ आप्रराघ
 रफको ॥ बाहांदेभिवर्षवस्यावकि ॥ रत्नदत्तवनिजांपनि ॥ आफनाघरग्यायो ॥ दूर्चारादिनस्त्रीपुरुषभैः ॥ श्रान
 दसगवस्याकाथिया ॥ येकदिनमारत्नदत्तले ॥ आकास्त्रीकेउसोध्यो ॥ हेगर्भावति ॥ तंकनदिईपठायाको ॥ रत्न
 आईपुगेयाकिपुगेन ॥ त्याहेरुभन्योर ॥ गर्भावतिलेउत्तरादिनलागि ॥ हेस्यामिलेदिईपठायाको ॥ रत्नमेलेदेयाको
 वनिकेन ॥ कस्काहातमादिई ॥ त्यायो ॥ जउनादिनदेधि ॥ तिमिगयायो ॥ बांहांदेभिकोहिमानिसपनिआकोकेनभा

नि॥ तव गर्भा वतिको कुरो सनिक न॥ मा हा को थ सन॥ रिस गरि जस्का हात॥ रत्न दिई पठा को थि॥ ते सुका घर मा॥ र
 त्न दत्त गयो र भन्यो॥ हे वनि जां संगि मैले दिई पठा को॥ मेरि स्त्री कनक्या न॥ ति मो थ मये लो हो का भनि॥
 रुग रौ न्या॥ वां हां देखि जस ले॥ रत्न ना सो त्या यो थो॥ स्ववनि जां ले भं॥ हे संगि रत्न दत्त॥ जौ ना दिन
 मादे राग्ग्रा ई पु ग्या थ्या॥ त से दिन त भ्रा॥ स्त्री का हात दि जा थ्या भन्यो र॥ क जि जा गर्त ला ग्यो॥ वां हां प
 कि रत्न दत्त भं॥ हे वनि जां त ई ले मैले॥ पा हा रुग रा गरे र क्या हुं॥ य स दे स मा॥ न्या उ धारि राजा
 हुन॥ राजा ले विचारि दे ला॥ दर्वा मा जा उ भनि दर्वा र मा ग या॥ ये ला स म य मा॥ जौ रत्न दत्त उ न्या
 वनि जा चा डो गरि॥ अधि वा टो ग यो र॥ वा टो हिन न्या व टु वा ज ना॥ र ला ई डा को र भन्यो॥ हे ई ए मैले॥ ये क
 रत्न दत्त वा को छ ज्यु व यो रत्न ति मि हं मि॥ ति नै ज ना वारि ले उ ला॥ ति मि दु ई ज ना सा कि भई दे उ भन्यो र॥ ति दु
 ई प नि लो ग यार॥ सा कि भ जां भन्या॥ उ प्रा न॥ राजा को सा भा मा ग या र॥ आफ ना आफ ना॥ क रा व तां त स वै
 क ह्या॥ ज ले रत्न दत्त वा को थि यो॥ त स वनि जां ले भन्यो॥ मैले रत्न दि दा ई दु ई र सा कि रा धि दि जां थ्यां॥ ति ति
 ह रु छे उ सो थि हे र भन्यो॥ वां हां प छि॥ राजा ले॥ आ ग्या ग न्या॥ हे वनि जा उ स्का ता॥ बल दि दा दु ई ज ना॥ सा
 कि रा धि दि या को र हे छ॥ त से को कुरो स हि॥ ते रा सा दि प्रति॥ को हि रहे न छन॥ त स अर्थ ले उ स ले जि त्यो॥ त
 ई ले हा रि स भ नि॥ सा कि नि दि यो॥ सा कि भं॥ हे मा हा रा ज॥ रत्न दि दा ह मि ले दे ध्या यो भ नि॥ सा कि ले भन्यो र

वः स
॥२॥

॥ लो कुरासु निर ॥ ते लका स हिले ॥ रत्न दवा उ न्या लाई जि ता या ॥ रत्न दि ई पठा उ न्या ॥ लाई ह रा या ॥ वां हां दे वि ॥
फेरि क भं क ॥ हे पंच हो सु नर ॥ लो रत्न दि दा हां मिले दे व्या थ्यं ॥ स नै र स्वा चो हो भ नि ग या ॥ वां हां दे वि ॥ र
त्न दत्त रु दै र ग्या फ ना घ र जा दा ॥ वाल ख गो ठाला ह रु वे ला र स्वा क न ॥ उ स ठा उ मा ये क थु म को र हे क ॥ ने
स थु म का मा ॥ दु ग रे र जो अ ची ॥ थु म का मा पु ग थ्या ॥ सो र जा हां थ्या ॥ वा हा दे वि ॥ प कि को का जि हुं थ्यो
वां हां प कि को स र्दा र हुं थ्यो ॥ वां हां प कि को गो रु ग हुं थ्यो ॥ वां हां प कि को क ट बाल हुं थ्यो ॥ वां हां प कि को ॥
के टा सि पा हि हुं थ्यो ॥ य ला त र हां सि त ॥ वे ला र स्वा क न ॥ त ला स म य मा ॥ रत्न दत्त व नि आं ॥ रुं दे रुं दे ग्या उ दा
दे व्या रा ॥ थु म का मा वे ल न्या ॥ गो ठाला ह रु ले भ न्यो ॥ हे महा पुरु ष ॥ का कार न ले रुं दे रुं दे ॥ आ यो भ नि तो थ्या
रा ॥ रत्न दत्त भं क ॥ हे वाल ख गो ठाला ॥ मं हं क सु न ॥ मा हा आ च र्य्य भ यो ॥ मे ले ये क थु मो ल को ॥ रत्न यो व नि
आं को हा त मे रा घ र मा ॥ पु न्या ई दि मा भ नि ॥ रत्न दि ई हा ल्या थ्यो ॥ सो रत्न मे रा ली का हां मा न दि से रा ॥ आ पु र ले ॥
द वा ई रा मे क ॥ रुं मि दु र्ग को रु ग रा भ यो र ॥ स जा को स भा मा ग जां थ्यं ॥ रा जा ले अ न्या ग न्या र ॥ उ त्प ला ई जि ता ई
प ठा या ॥ त स अ र्च ले रुं दे म आ जां न न्यो ॥ वां हां प कि ॥ रत्न दत्त को कुरासु नि ॥ गो ठाला ह रु भं क ॥ हे महा
पुरु ष ॥ ते कुरा को न्या हा मि कि मि दि उ ला ॥ ति मि रु रु दु ष न मा न्या ॥ भ नि गो ठाला ह रु भं क न व नि आं र
सा हि ले रुं द व भ न्यो ॥ रुं हा उ न्या ॥ गो ठाला ह रु ले सो थ्यो ॥ हे व नि आ ति मि ले ॥ दि ई प ठा या को ॥ रत्न क

रत्नः
॥२॥

लोपियो० तल्लै वनाई त्याव र० हां भिलाई देवा उ० भनिका चो माटा दियार० यकारति रपठाया० माटा के
त्यावरदियो० येकातिर राख्यो० वाहां पछि नकी बनिना० लाई डाकार लोधा० हे वनिजांति मिले० त्या या को रत्न ज
लोभियो० तल्लै काचो माटा के० वनाई त्याव भनी० काचो माटा दियार० येकातिर पठाया० काचो माटा को रत्न वनाई
ईदियार० रका जगगा माराया० बांहां देखि० साकि हत लाई सोध्या० हे साकि होति मिह रुले० रत्न दिदा देखा थ्युं
न० जस्तो दिदा देखा थ्यो० तल्लै काचो माटा के० रत्न वनाई त्याव भनी० काचो माटा दियार० येकातिर पठाया० रगेये
वाहा देखि० साकि हुन्या ले० मन माफि कि गर्न लाग्यो० हरि हरि भनू न लाग्यो० मैले रत्न भन्या यत्नो हुं छ०
जान्या को पनि कै न० देखा को पनि कै न० लोभ जाय स्यार० अवम फासि माय न्या० अब कसो गरु भनी० मन
ताउ न लाग्यो० वाहा देखि० समरि कन तुल्या उ न लाग्यो० मवाल बमा० आमा ले रो टि प्या का० ठा उ मा ग
रो टि घान माग्यार० आमा ले दिये न तर० मैले रि सुखे कन पल० फेरि दिवार मा हातारिले० रत्न जस्तो कन पल
रिदियो भनि० मलाई वई गरि थिन० रत्न भन्या कि न पट० जस्तो होला भनि० मन मा चिता यार० कपट तुल
रले गस्यार दियो० कपट तुल्या या को० लिप्यार मि नो राख्यो० वाहा देखि० अब को साकि लाई० डाके र भन ले
हे साकि ति मिले रत्न दिदा० जस्तो देखा थ्यो० तल्लै काचो माटा के० रत्न वनाई त्याव भनी० काचो माटा दि
यो० तल्ला समग्र मा० साकि हुन्या ले० मन मा दुख मानि कन० सिव सिव भन लाग्यो० रत्न भन्या को०

वः ३॥

भनि जान्या को पनि छे न॥ सुन्या को पनि छे न॥ देव्या को पनि छे न॥ अबरन क सो गरि॥ तुल्या उभ नि॥
 चिता उन लाग्यो॥ वाहा देखि॥ सन मोर॥ म बाल ब छ दा मा॥ वावा ले पा ल्या को॥ परे वा से ले मारि दिजा
 ले रन न मोर॥ परे वा सारि दियो भनि॥ म लाई भे ग न्या ध्यां॥ रन भ न्या को त परे वा॥ न लो हो लो भनि ठा न
 र वा र क वना य र॥ ले ग यो र दियो॥ माटा का परे वा वना ई॥ ल्या या को॥ लि म र ये का ति रु रा ध्या॥ वाहा प छि॥ च
 ना लाई डा के र॥ गा ई को गो ठा ला॥ के टा ह रु ले भ न्यो॥ हे मा हा धु र व हो॥ त म्मा र सा छि॥ के र रु ठो र हे छ॥ प नि
 ले रन दि या को॥ रहे न छे॥ देव्या को प नि रहे न छे॥ स य नि जा ले प नि॥ रन द न्त जा को॥ परन दि या को॥ रहे न छे
 ल द न्त व नि जा ले॥ रन दि ई हा ल्या को॥ सा चो रहे छे॥ ते ले प नि रन॥ ल्या या॥ को सा चो रहे छे॥ रन द
 को छ र मा॥ रन न दि ई ते ले लो भ॥ गरि द वा ई रा ध्या को॥ रहे छे॥ त र्कार न रन द न्त को॥ रन प को ई दि न व
 भ न्या र॥ रन प को ई दि यो॥ वा हा उ प्रा न॥ रन द न्त उ सि भ ई॥ आ फ ना छ र आ यो र॥ राजा ले छि न न स का
 को॥ यो वा ल व गो ठा ला॥ ह रु ले छि नि धि यो॥ यं न र भ नि त न को॥ वर्ता उ गरि॥ आ फ ना छ र ग या॥ तां हां उ
 न॥ गो ठा ला ह रु ले॥ न्या छि न्या को सु न्या र॥ राजा हो ज दे उ॥ आ च र्य मा न्या॥ क ता को रा छ रि ले छि न्या भा
 नि॥ राजा रि सा मार भं छ॥ आ च र्य करो॥ गा ई च हा न्या॥ के टा के टि को ये लो यु छि॥ त र के टा के टि ले त॥ त क न्या के न
 नि व ल्या का ठा उ मा॥ के हि हो ला हे रु भ नि॥ यो छि क व ना ई हे दा मा॥ श्री राजा वि र वि क मा जि त को॥ सि

निस्कोरा॥ आचर्यमान्या॥ तव राजा भोज देउ भंरु॥ सोसिधासनका प्रभावले॥ ईगो ठाला केटा हलले न्याकि न्याकन भ
 ससिधानला ३॥ अनेक सिद्ध राजा जागरि॥ गितवा जित्रमगल॥ किर्तन नाच ईत्यादि सब॥ वाजा बजायेर॥ वैस दिन हरा रा
 जाराजे प्रजा बाहुल्ये गरि॥ तेस सिंघासनमा॥ चक्र भन न्यावेला मा॥ तेस सिंघासन बाट॥ येक पुत्रिका निकसेर भनला गि
 ॥ हे भोज देव राजा॥ मयेक कोहि देस को॥ महिमा कहंरु॥ पाकुरान सुनि॥ सिंघासनमा॥ वस्तु हुने भन्दा॥ राजा भोज दे
 उले॥ आचर्यमान्या॥ कथा भन भन्थे रा॥ तव पुत्रिका॥ कथा भनला गि॥ येक कोहि देस मानयेक घर नाम देसमा॥ रा
 पिंगल भन्थे को॥ बनि जायियो॥ तस्कि पुत्रियेक थियो॥ तस्को नाम मदन नावति थियो॥ अतिरुप वंति थिई॥ तवरन थि
 लभंरु॥ जोयो ईदर सरिदा मदेला॥ उमो जाई रे कोरि॥ दिउला भनि राख्यो थो॥ बां हां देखि॥ श्री विक्रमाजित
 जाले सुन्यार॥ अनेक कोटि दवा लिये रग्यार ईदर माहा ल्यार॥ ईदर माहा भरिये नर॥ राज्य पनि वेयेर॥ दामले भरि
 रा॥ मदन नावति बिबांगन्या॥ द्वाहा देखि॥ मदन नावति लाई॥ राजा विक्रमाजित ले भन्थो॥ हे मदन नावति॥ तेरा निमुति
 रा॥ जेपनि वेचिसका॥ अब कसो गन्या लोभनि॥ श्री विक्रमाजित राजाले॥ आग्या गर्दा॥ ताना को वचन सुनि॥
 बनि बिनिगकीन॥ हे प्रभु माहाराज॥ धंदा फिकिन मान॥ मेरा वावा माहा पाविष्ट हुनाले अघर्म गन्या॥
 वाया को काकुरा छ॥ हे स्वा मि माहाराज॥ मकेहि कार्य गन्या लाई यनि॥ अतिसिपालु कुं॥ तिमि कि कि
 तिमिले मलाई॥ कयासमा नुल्याई देउ भनि॥ मदन नावति ले भन्दा॥ श्री राजा विक्रमाजित ले॥ आग्या गर्दा कु
 दवति मकस॥ के दावा दल्याई देउ भन्थे रा॥ श्री राजा विक्रमाजित ले॥ कस बो ज्ञन गमा॥ कया सल्या द्यार॥ मदन

क. म.
४॥

ना
साईदिया म दवतिले ॥ व्यागो का तो रलुगा बुनिन ॥ लुगा क लो भन्या ॥ लमा इ हा त ३४ ॥ राज भन्या हा त १२ ॥
रा बुनिक न ॥ के टु ज का वो का भिन्न हा लि दि ई न ॥ हे प्रभु मा हा राज ॥ यो क परा लि न ह स ॥ यो क परा को हि
क न च हा उ न ह स भ नि न ॥ श्री रा जा वि क्र मा जि न ले ॥ क परा लि य र ग या ॥ वा हा दे धि ॥ ये क को हि रा जा क
मा ग म र ॥ हा न्या या ई स ध्या ॥ हे हा न्या मा हा रा जा को ॥ क्वा वे ला क भिन्न जा ॥ नु पा ई क कि पा ई दे न भ नि ॥ तो ध्या
आ भं क ॥ हे मा हा पुरु ष ॥ म सो धि उ न रा दे उ ला ॥ भ नि रा जा व स्या का ठा उ मा ग या र ॥ हा न्या ले विं ति ग यो ॥
हा रा जा ॥ यो का मा म क म हा पुरु ष या ई र हे क ॥ भिन्न दा कुं कि नु दा कुं भ नि विं ति ग दा ॥ रा जा ले हा कि ल्या भ नि न
ग न्या ॥ हा न्या ले वि क्र मा जि त रा जा ला ई ॥ रा को र रा जा के उ ॥ पु न्या ई दि यो ॥ त व वि क्र मा जि त ले भ न्या ॥ हे मा हा रा ज ॥ म
उ स क था न क रा क ॥ त पा ई ला ई च हा उ ला भ नि ॥ ल्या या था लि नु ह व स ॥ भ नि च हा या ॥ वा हा दे धि ॥ च हा या को क
रा ॥ रा जा ले हे न्या र भ न्न ला गो ॥ हे मा हा पुरु ष यो क रा ॥ का हा पा ई ल्या यो ॥ ये तो व लु क ई ले ॥ प नि दे यो को धि ये न ॥ यो
लो क परा क लो व न्यो हो भ नि ॥ रा जी सो ध्या र ॥ वा हा दे धि ॥ वि क्र मा जि त त जा ले ॥ भ न्न ला गो ॥ हे मा हा रा ज ॥ यो क व
रा त मे रि ली ले ॥ व न्या को हो भ नि क लो ॥ वा हा दे धि ॥ रा जा ले भ न्या ॥ हे हा न्या का म त ये तो ॥ र लो श्री क लो हो ला ॥
भ नि रा जा ले भ न्या ॥ हा न्या विं ति ग क ॥ हे मा हा रा ज ॥ र लो श्री न रा मो त ह वै न ॥ ति मि ला ई लु हा उ दि हो लि ॥ त पा ई ॥
ले ली तु ल्या व नु नो गो क ॥ विं ति ग यो ॥ ये ति क रा ग न्या व हि ॥ रा जा भ न्या ॥ हे मा हा पुरु ष ॥ यो दु र्य ले उ र ॥ ग्रा व
भ नि

घर जाउ भनि विदादि मोर ॥ दर्वे लिई कनः विक्रमाजित ॥ राजा आकर ना धर आया ॥ मदना वतिसग भेट गयो ॥
 ल्याया को दर्वे सवै सो पिदि या ॥ बाहा देधि ॥ विक्रमाजित ले भन ला गयो ॥ हे मदना वति ॥ आजु राजा ले आच ॥ कु
 राग त्या ॥ ये लोक परा मेले ॥ कैले यनि देवे नया ॥ कपरात ये सो क ॥ यकिं स्वास्ति कति ॥ सुन्दरि हो भैया ॥ दाया ले
 भयो ॥ हे मास राजा को परा वना उया ॥ स्वास्ति लाई ॥ हनु रले श्री तुल्या वउ नु ह वर ॥ भनि विंति गयो ॥ अब
 सो होला भनि आगिर श्री छे उ ॥ बाहा देधि ॥ मद वति भंछे ॥ हे स्वामि प्रभु ॥ अबति मोर मेरो विकेडा ॥ हुन्या वेला
 कस्य गरु भनि ॥ दुवै रुंदे रुंदे ॥ कुरा गरु न ला गयो ॥ हे स्वामि मेरा कारण मा ॥ तथा ई कोरा ज्ये यनि विकेडा ॥ ममे स्ति
 यि निरह्या ॥ अब मलाई लिन ॥ ज्ये ई ले आई पुग्छ ॥ अब कस्य गरु भनि ॥ रुंदे रुंदे भन लागि ॥ हे स्वामि प्रभु मे
 वचन मान्या ॥ तथा ई कोर मेरो विकेडा रुंदे न ॥ मलाई राजा ले लेग सा यनि ॥ दिन ४ संभोगा ॥ गरु राजा लाई दिन्या
 मघा मूला भनि ॥ तिमिले लह्या नि को भेस गरि ॥ हात मा चुरा लिधेर ॥ वज्र मा वेचन आ व भनि ॥ येति कुरा गर
 दा ॥ दवा रूट अनेक ॥ लोक लिई पर आया ॥ मदना वतिलाई ॥ दवा र मा लेग यो ॥ बाहा देधि ॥ श्री राजा विक्रमा
 महा दुष्मानि कर बस्या ॥ बाहा देधि ॥ मन मा चिता या ॥ अब ये सै बस्या देधि हुन्या छे न ॥ भनिस हर मा गयो ॥ दे
 माग यार त्या मि को ॥ पोसा क किन्यो ॥ बांहां भन्य मदना वति ॥ लाई दवा र मा लेग यो ॥ राजा भंछे न ॥ हे मदना व
 तलाई मेले ॥ श्री तुल्या जा ॥ तैले धर्म न छो ड्या स ॥ अर्का को कुरे न सुन्या स ॥ भनि अहायो ॥ मदना वति विं

वः स
॥५॥

हे माहाराज मेरा जो भन ॥ सरिर त धाँई को भयो ॥ अरु उ प्रा न्न ॥ चार दिन सम ॥ भोग गर्नु माफ हवस ॥ जाहं देधि ॥ त
मो ॥ मनो गग गर्नु हवस ॥ भनि विंति गरिर ॥ मद ना वति को कुरा सुनि ॥ राजा ले वटि हो भन्यो ॥ एक ह मे लि मारा
ना वति ॥ लाई राख्या को रु वे लि मा ॥ अने क दर्वे अने क रतन ॥ राख्या को रहे छ ॥ चेत्ता चाक र्शि सहि म गरि ॥ मद ना वति
मा वति ॥ जाहं देधि ॥ मद वना ति ले ॥ आफ ना चाक र्ताई ॥ भनि हे चाक र्ता ॥ मेरा हात मा चुरा रो छैन ॥ चुरा वे च न्या ला
म छे उ डा कि ल्या व ॥ भनि अरु राया को यि सो ॥ व हां देधि भो लि पत्त ॥ स्वा मि रू प गरि ॥ श्री राजा विक्र मा जित ले ॥ हात म
लिय र दो का न मा ॥ चुरा वे च रा ग या ॥ चुरा ले उ र भनि कराई ॥ हि र्दा मा ॥ मद ना क ति के ॥ चा क र्नि हे रु ले दे ध्या र भ त्मा
रा वे च न्या वे पारि ॥ तो चुरा हं मारा जिले लि न्या छैन ॥ आ उ भ नि डा कि ल्या या र ॥ रा नि के उ पु न्या ई दि यो ॥ रा नि
चुरा वे च न्या वे पारि लाई ॥ को ठा मा ले र ॥ अने क दर्वे ॥ अने क रतन देई क न भनि ॥ हे स्वा मि अ व मे रा कुरा सु नु ह व स ॥ र
व ले मे क छो डा कि नि रा व र ॥ भरे रा ति छो डा लि ये र ॥ मो रा ल म्भु आ म्भु र व स ॥ म र म पि आ उ ला र ॥ हां मि दु ई ज ना भा गि जा
उ भ नि म तो ग न्या ॥ श्री राजा विक्र मा जित लाई ॥ वा हि र थ ठाई दि या ॥ श्री राजा विक्र मा जित ले ॥ प नि द्यो रा हि य र ॥ आ
ल मु नि ना य र व स्या ॥ मद ना व ति लाई न सि आ उ न्या ॥ ता क परे न र ठे रै वे र ला ग्यो र ॥ राजा ले द्यो रा लाई ॥ पा टि का था
मु मा वा धि रा ख्यो र ॥ मद ना व ति आ व लि भ नि ॥ व स्या व स्यै रा जाला ई ॥ नि द्या ला ग्यो र भित्ता को ॥ अ द्या आ ला गि

राम
॥५॥

सुन्या॥ वाहा देखि॥ कोहि ये कं चोन्ना यो रहे न्यो॥ पाटि मा घोडा वा धिरा॥ राजा सुन्या को देखि चोर भं हु॥ धन २ मेरो भाग
भयो॥ राजा का घर मा भन्या॥ माहा कठिन हुन्या धियो॥ अब यहि घोडा चोरिले जाउ भनि॥ याम मा वा धिरा व्याको॥ घोडा
को यो र चस्यो॥ तसै बेला मा॥ मदन बाबली ले भनि॥ म्याल वात डोरि बसालि रा॥ डोरि स मा ति रा॥ सुर गर बेलि च्या यो रा॥
चोर चहिर स्या का घोरा मा बल्लु गरै रा॥ तसे चोर ले घोडा द गुरां ये र ले गयो॥ तव चोर भं हु॥ हे रानि मेरा भा ग्ये ले॥ तो
लाई पा जा॥ अब तं र मस्त्री पुरुष भै कन॥ पर स्य पर स्य गरि॥ वसो ला भनि चोर ले भन्दा॥ रानि ले भं न ला गि॥ हरि हरि॥
अब क सो होला॥ मे ले तरा जा हु न भनि ठान्या थ्यां॥ राजा भन्या रहे न हु न॥ य सो पा पि चोर को हा त मा य न्या॥ अब क
सो होला भनि॥ मन मा चिंत ना गर्न ला गिन॥ तस्त स मय मा हि दी॥ बाट मा अरु चोर २ ले दे व्या र भन्या॥ हे संगि हे र हे र त्यो
चोर हो कि भं दा॥ अर्को ले निश्च ये चोर हो भनि रा॥ धे ले ठ ह रा म रा॥ मनो ग न्या॥ हे संगि ते र ला ई मा रे रा॥ हा मि र ले ले जा उ॥
भनि भन्यो रा॥ ह व स ले भ नि॥ २ चोर जा ई प चो रा॥ ये क चो र ला ई घोडा देखि बसा या रा॥ अ्या कु १ घोडा च त्पार॥ रानि स मे त
ले ग या॥ वां हां देखि॥ २ चोर को रं रा प चो रा॥ ये क भं हु रानि म लिं हु॥ घोडा त ले॥ अर्को भं हु घोडा त ले॥ रानि म लि उ॥
ला॥ भनि ई न २ को व डो रु रा गर्न ला ग्या रा॥ रानि भन छि न॥ हे मा नि ल हो॥ ति मि २ कान रु ग रा ग र्छ उ॥ रु ग रा नु ग रा
ति मि २ को रु ग रा ग र्छा॥ म ला ई ति र्छा ला ग्यो॥ पा नि बान दे उ॥ ति र्छा ले म र्छ ला ग्या॥ मे रा र दा ग र भ न्या॥ ति २ चोर ले भं
त भा गि जा लि स भन्दा॥ रानि भं छि न॥ उ सो भ न्या हं मि ति नै॥ ज ना जा उ भ न्या॥ चो र ले प नि ह व स भ नि॥ ३ ज ना पा नि बो

वः स
॥६॥

नगया ॥ ई सार देव्या ॥ पानि त्रिक न लायार ॥ पानि त्रिक दार चोर लाई ॥ ई सार मा छ वेटि दिया ॥ वा हा दे वि ॥ रा नि
ले भं न ला गि न ॥ हे पा पिष्ट चोर हो ॥ ति मि १ ले प्र गं मं कुरा ग गौ ॥ अ व न हि व स भ नि ॥ आ पुर द्यो मा च रि ॥ चि ना
न ला गि रा ॥ अ व ली को रूप ग रि ज्ञा त स के न ॥ सो अर्थ ले म र्द को रूप ॥ ग रि ज्ञा न प यो भ नि ॥ म र्द को भे क ग रि रा ॥
द्यो डा मा च हि ग या ॥ ना दार मे क ॥ व स्र पुर भ न्या को दे स मा पु ग या ॥ ते स दे स मा ॥ वा घ ले टे रे मा नि स या मार ॥ स ह
र वा रा ग रि दि या को रहे छ ॥ वा घ प नि वा टो मा व सि ॥ वा ट हि न न्या व दु या ॥ ला ई या डो रहे छ ॥ त स दे स का रा ज
ले प नि ॥ आ प्रा दे स का मा नि स ॥ वा टु लो ग रि भ न्या ॥ हे घं च हो ज स्ते र खा घा ॥ ला ई मा नु स क ला ॥ उ स्ता ई मे रि छे
रि वी घा हा ग रि दे उ ला ॥ भ नि रा ध्या को रहे छ ॥ वां हां दे वि ॥ म र्द को भे क ग रि प्रा उ न्या ॥ वा घ भ या को वा टो मा ई छ ॥
न्यो मा नि स ॥ द्यो डा मा च हि आ या को दे वि ॥ वा घ ले जा ई ला ग्यो र ॥ ते से ले तर बा र ले हा नि रा ॥ वा घ ला ई मा न्यो रा ॥ स
ह र भि त्र य ल्यो ॥ स ह र का मा नि स ले सो ध्या ॥ हे मा हा पुरु ष ॥ त्रि मि का हा वा ट आ यो ॥ ते स या द मा डे रे मा नि स या यो ॥
न्यो वा ट त्रि मि क लो ग रि प्रा यो ॥ भ नि स ह की मा नि स ह ल ले सो ध्या ॥ न व ल्यो मा हा पुरु ष भं क ॥ हे लो क हो ते स या घ ला ई ॥
मे ले मारि आ ज्ञां भ नि क ल्यो रा ॥ लो ग रु ह मा हां धु सि भ ये र ॥ रा जा छे उ क हं न ग या ॥ हे म हां रा ज त मा पु त्रा प ले ॥ ह म्मा
भा ग्ये ले ॥ एक को हि दे स वा ट ॥ मा हा पुरु ष आ य रा ॥ ह म्मा दे स मा डु ध्य दि न्या ॥ वा घ ला ई मारि दि यो ॥ भ नि क ह्यार ॥
रा जा प नि ॥ ह र्क मा न भे क न ॥ म हा पुरु ष ला ई डा क न प ठा ई दि यार ॥ म हा पुरु ष प्रा यो ॥ क लो भ न्या ते ज प ले स ये

रु जो व न

रामः
॥६॥

गुरुभयाको देख्यो रा॥ राजा भंडन हे मंत्रियो महापुरुषको॥ कसो ते जरहेछु हेरा॥ तेस महापुरुषलाई मेरि छोडि वि
वाहा गरि दिन्छु भन्यो रा॥ मंत्रि तिगछु॥ हे महाराज हृमि मै जां॥ ति नै लाई दिन जाग्यो छ॥ भनि विंति गयो॥ तव आग्रि रा
निलाई डाक्यो र भन्यो॥ हेरा निहा म्मा भाग्ये ले॥ एक महापुरुषलाई रहेछ॥ कसो भन्या महाग्यानिक॥ बुद्धि चंतः ते
जवंत॥ भाग्ये मानि॥ अति सुंदर॥ केवल काम देवका॥ मुर्ति हो भन्या जसो छ॥ तनको रूपको वर्नाउ॥ को गर्न सकला
येसो येक महापुरुषलाई रहेछ॥ तनै लाई हृमि मै जां दिउ भन्या॥ रानि ले पति हवस भनिन॥ विवाहाको सरा जा मग
नै लाग्यो॥ येक वेत्तल गन गुराई॥ कन विवाहा गरि दिया॥ अस्त्री पुरुष भै बस्या॥ ताहाउ घाना॥ येक दुई दिन पछि॥ एक
दिन मै जां ले॥ आघ्रा महा ताहि छेउ भंडन॥ हे महाराज रिज्यु॥ तम्मा जुवाइ ता॥ लोग न्या रहे न छन॥ स्वास्मि को सो भा
उ रहेछ॥ लोग न्या को कर्म त केहि रहे न छ॥ भनि वडा विरह ले॥ तदै दुष्यका कुरा लवैव तांत कहि॥ येति छोडि का कु
हा सुनि॥ माता भंडन॥ हे छोडि तं धं न्या न मान॥ मते रावावा छेउ सुध्याउला॥ फि किन मा न भनि॥ घाति जा मा
दि ईन॥ तव रानि ले राजा छेउ विंति गछु न॥ हे स्वामि॥ तम्मा छोडि मछेउ ग्याई रुन लागि॥ मै ले कान रुन छे स भा
न्यो रा॥ तव भंडन लागि॥ मेरा पुरुष त लोग न्या रहे न छ॥ स्वास्मि को सो भावरहे न छ॥ अनिरुदै कुरा गर्न लागि॥ अचक
सो गन्या हो भनि रानि ले भन्या॥ राजा भंडन॥ सुप लागि रह॥ मजुवाइ लाई सोधुला भन्यो॥ तव राजा ले जुवाइ लाई डाके
र सुध्यामा॥ हे राजकुमार॥ तपाई सु का लागे द॥ क मरा क्या कार न ले छोडाउ देनो॥ श्रीयो हो कि भन्यो रा॥ तव जुवा
ई विंति गछु॥ हे ससुज्यु॥ ल नुह वस॥ मधिर्य जात्रा गद्या दे विवर्ष॥ स मस्त्री सग॥ संभोग गर्नु॥ चहाया को

व.स.
१॥

यो॥ तस्कारन ले श्री लाई॥ न कुया को हो भनि विंति गन्यो॥ बाहा देखि॥ जु बाई संग कुरा भया को॥ व तां त राजा ले रा
कै ऊ क ह्या॥ रानि ले ग्रा क्रा क्रा रि लाई भनि रा॥ वुं राई रा धिन्ना॥ बाहा देखि॥ राज कु मार भंछ॥ हे छार मा व ह्या हा न्या
दु बाल के टा ह रु लाई श्रु रा या॥ ह म्मा दे स मा को हि दे सि पर्दे सि॥ ग्रा मा को म के उ त्या व भ न्या॥ त व दान्या क ट बाल के
टा ह रु बा ट मा॥ ग म्मा र व म्या का थि या॥ त व ये क दिन मा॥ ई दार मा घु ये टि दि या को चो रा॥ ग्रा मा रा॥ बा ट मा व त्या
का चो कि ह रु ले भ न्या॥ हे म हा प रु ष स न॥ ह म्मा रा ज्ञा ले को हि दे सि पर्दे सि॥ ग्रा मा डा कि ल्या ब भ नि॥ ग्रा मा भ या
को छ॥ हि ड द र्वा र ज्ञा उ भ नि॥ को ट बाल ह रु ले॥ चो र लाई डा कि ल्या या रा॥ क ट बाल विंति ग र्छ॥ हे राज कु मार॥ त म्मा
ग्रा मा भ या को थि यो रा॥ ई २ पर्दे सि ग्रा उ दार ह्या छ न रा॥ डा कि ल्या न्युं भ न्यो र द र्शन ग न्यो॥ त व राज कु मार भ न्छ न॥ हे
पर्दे सि ति मि हे रु को हो॥ कानि मि ले ति मि २ ग्रा यो भ न्या॥ पर्दे सि ह रु विंति ग र्छ॥ हे म हा राज॥ हा मि स वे व तां त विंति
ग र्छु स न्नु ह व स॥ ये क दिन मा चो र ले स्वा स्ति १ घो डा १॥ चो रि ल्या उ डो रहे छु र॥ हा मि ले भे टि उ रा॥ ल्यो चो र ले ल्या या को
स्वा स्ति १ घो डा १॥ प नि षो सि ल्या यां थ्यें॥ त यां ई का स ह मा छु कि॥ जो जि दि नु ह व स भ नि विंति ग न्यो॥ राजा व ठि या हां मि यो
ज ग रि दे उ ला भ न्यो रा॥ एक यो क मा वा स दि र्शा य्मा॥ बा हा देखि॥ क ट बाल ले न्युं की पर्दे सि॥ डा कि ल्या यो रा॥ राज कु मा
र स ग भे ट ग त यो॥ त व राज कु मार भ न्छ॥ हे पर्दे सि ति मि काना॥ जां हां ग्रा यो भ नि सो जा॥ पर्दे सि भ न्छ॥ हे म हां राज॥
मे ले स्वा स्ति॥ घो डा १॥ मे ले चो रि ल्या या थ्यां॥ बा ट मा चो रा॥ भे द्या र॥ घो डा परिण स्वा स्ति परिण॥ चो र २ बो सि ले त

रामः
॥१॥

यो र॥ स्वास्ति भोजन नञ्चायां॥ हज्जर लेपनि विचार गरिदिनु हस॥ भनि विंति गन्यो॥ राजकुमार लेपनि बढि या हो॥ हा मि बो जि
देउ ला भनि॥ येक चोक मा वास दि राया॥ तव कटु बाल विंति गर्क॥ हे राजकुमार॥ पर्दे सिल्या उदे वंदि माना राये
आ ता॥ हा मि पर्दे सिल्या उनु मा फग न हय स॥ भनि विंति गन्या॥ राजकुमार भन्छ॥ हे कटु बाल भव्य॥ वंदि माना मा॥
हां लैन॥ जा उर पर्दे सि योजि ल्या उ॥ भनि ग्व हा या॥ फेरि योजन गया॥ एक महा पुरुष॥ ग्या उदा दे घ्या र॥ डा कि ल्या
यो र॥ राजकुमार॥ सग भेट गर यो॥ तव राजकुमार भन्छ॥ हे मा हा पुरुष॥ तिमि का हा वाद आ यो॥ का हा जा छु उ को
हो॥ भनि सो जा॥ पर्दे सि भन्छ॥ हे राजकुमार॥ मव ता त क ह नु सु न हय स॥ को हि ये क दिन मा पा टि का॥ थाम्मा घोडा
यां यो र॥ पाटि मा सु ति र स्यां थ्या॥ यो र ले घोडा चोरि लै गये छ॥ मवि उ म्या पछि॥ हे दा घोडा दे सि न रा॥ घोडा कुरु ना दे स
मा लै गयो हो भनि॥ खवर्ग नु ग्या जां थ्या॥ भव त मा दे स मा म्या ई पु ग्या भन्दा॥ यो व ता त म द ना व ति ले सु ति रा॥ मे रा स्या मि ई
ने हु न भनि॥ मन मा ठा न्यो र॥ महा हर्ष मान भ ई क न॥ ग्या फु सि त र ह न्या॥ मानि स ह त थ पा य रा॥ र कां त मा सो छ न ला शि
हे स्वा मि प्र भु म ला इ॥ चिं ड्छे को कि चि-धे न भनि सो धि रा॥ तव श्री राजा विक्र मा जि ते ले॥ ति मि को हो म जा न्दो न भन्यो र॥
रु प धा रि म द ना व ति ले ति मि श्री हु भनि॥ अ धि को व तां त स वै क रा क हि क न॥ वे स पो सा कः ला व नु दि ई॥ वे स ह ति यार् प नि
दिं क न॥ म्या फु ले क न्या दान लि र्ग रा भ्या को॥ मे या ला ई डा के र भ न्यो॥ हे रा नि मे क रा क रा स रा॥ यो पर्दे सि पुरुष॥ श्री राजा विक्र
मा जि त हु न॥ ई न का नि मि त्ये मे ले॥ अ ने क ना ना नु जि ग रि म्या या कि हुं॥ अ व ते ले मे ले ई नै ला ई मा नुं॥ ई नि का खी हा मि रा॥
भ न्युं॥ अ व सु ख सि त भो ग वि ला स ग रि र हु ला॥ अ रु का क रा प छि ला नु छे न भनि॥ महा भ्रां न रु ग रि व द्धा भ म्या थ्यां

वः स
॥८॥

येत्ता प रा क र्मि श्री रा जा वि क्र मा जित का सिंघा स न पा ति मि ले व लु जे ग्यो हे न भ नि ॥ भोज दे व रा जा ला ई भ नि ॥ पु त्रिका
उ दी भ या ॥ ई वि प्र य म पु त्रिका क था ॥ १ ॥ फेरि नृ को पु त्रिका नि स्के र भ न्न ला गि ॥ हे भोज दे व रा जा ॥ म प रा पु र्व का कु रा कह
हु ॥ सु नु ह व स ॥ रा जा भोज दे व ले ॥ आ ज मे सो आ व र्थ ॥ क या भ यो भ नि ॥ वि ष्या त मा नि रह दा ॥ पु त्रिका ले क हं न ला गि ॥
हे रा जा भोज दे व ॥ म क था क हं हु सु न भ रि रा ॥ क हं न ला गि ॥ त व मे क दि न मा ॥ श्री रा जा वि क्र मा जित ले ॥ सा भां ला ई व ष्या
मा ॥ ये क वां स्म रा आ यो रा ॥ रा जा का जि पं च ला ई ॥ आ सि र्वा द ग यो रा ॥ वां स्म रा ले विं ति ग यो ॥ हे मा हा रा ज ॥ ये त्प न्सा र मा
डु मि ह रु स दे दु ष्य पां उ छ न ॥ सु मि ह रु स दे सु खे पां उ छ न ॥ क या का र रा ले ये सो भ यो भ नि ॥ वां स्म रा विं ति ग र्क ॥ श्री रा जा वि
क्र मा जित आ ग्या ग र्क न ॥ हे वां स्म रा य तो कु रा क या ग यो भ न्सा रा ॥ सु भा गि ला ई ॥ भा ग्ये दि नु स क न्या हुं ॥ भ नि रा जा ले भ
या ॥ फेरि वां स्म रा विं ति ग र्क ॥ हे मा हा रा ज ॥ ते स्मा म्भ हं का र न ग र्नु ह व स ॥ सु भा गि ला ई भा ग्ये दि न्या त ॥ भा वि को क र्म हो ॥ ति
मि कां हां दि न स को ला ॥ भ नि विं ति ग यो ॥ त व श्री रा जा वि क्र मा जित ले ॥ म स कुं ला भ न्सा रा ॥ आ क्रा रा नि र मं त्रि ला ई ॥ डा के र
रा जा आ ग्या ग र्क न ॥ हे मं त्रि ति मि ह रु ले म्भ थि ॥ म ला ई ज तो ग रि मा र्द थ्यो त लै ग रि ॥ यो वां स्म रा ला ई मा न्या ग र ॥
म न म्भ्रा उ न्या ल स म्भ ॥ ये स वां स्म न ला ई ॥ रा जा भ नि मा नु प यो भ नि ॥ रा जा ले आ क्रा रा ज्ये को म्भ थि प ति ग रि ॥ वां स्म न
ला ई रा ज्ये सौं पि ॥ आ फु वां स्म न को भे क ग रि ॥ दे सान्तर ना दा भ या ॥ यां हां उ प्रा न्न ॥ कां ति पुर भ न्या को न ग रि मा पु ग्या ॥ ते
स का नि पुर न ग र को ॥ रा जा को छो रि र मं त्रि को छो रि ई न र ज ना को ॥ महा प्र ति ग रि व स्या का थि या ॥ ई न र क न्या ले म्भ र्को मं त्रि
को ॥ छो रा सि त व रु त प्र ति ग रि ॥ व स्या का थि या ॥ त व ये क दि न मे जा ले भ नि ॥ हे मं त्रि पु त्र ॥ अ व मे रा वा वा म हां ता रि ले ॥ मे

रामः
॥८॥

राधिकागारिदिनलाग्यो॥अवतिमोरमेरोबिछोडहनलाग्यो॥अवतिमिरमभागिजाउभनिरा॥मंत्रिपुत्रलेहवस
भन्योर२जनाकोमतोमिल्योरा॥मेजांभन्हेहेमंत्रिपुत्र॥तिमिअधिभयापनि॥येत्येसकाढोकावाहिरयेकपाटिह
तसेपाटिमाहनुभनि॥भाकागन्यारा॥आप्राआप्राघरगया॥रातपन्यापदि॥भाकागन्याकापाटिमा॥जाउभनिघ
रवाटहिआ॥उप्रा॥श्रीराजाविक्रमाजितपनि॥उसेपाटिमापुन्यारातपन्योरा॥अवसहरमित्रकानजाउभनि॥त
सेपाटिमावासगन्यो॥रात्रिमामेजांपनिमंत्रिकोकोरिपनि॥उसेपाटिमान्यापारा॥मंत्रिकोकोराहोभनिठानिरा॥मेजां
ले॥श्रीराजाविक्रमाजितलाई॥पाउलागनुभयोकिभनिबोलापारा॥राजालेआजांभन्यो॥फेरिराजाभन्दा॥तिमि॥
हरपनिआईपुग्योभनिलुध्यापारा॥मेजांभन्हे॥हेमंत्रिपुत्र॥अवहांमि२लाईसिदुरहालनहवस॥भनिविंतिगरि
नवश्रीराजाविक्रमाजितले॥पनिवठियाहोभनि॥सिदुरहालाग्या॥भाग्येभवतुभनि॥रानिलाईसिदुरहाल्या
॥अनुभवतुभनि॥मंत्रिकाकोरिलाईसिदुरहाल्या॥सिदुरहाल्यापदि॥रातविस्वायोरा॥श्रीराजाविक्रमाजित॥
भन्दाहे॥कन्याहो॥तिमिहरलेमलाईकोभनिथान्यो॥मरसोदुष्टलेकहिरहाकोजागि॥गन्निगन्निहिदेरमा
गिधान्या॥येसासिततिमिहेरुकातन्याउछु॥आप्रा२घरजाउभनिराजालेभन्दा॥मंत्रिकोकोरिभागिगई॥चां
हांदेधि॥राजकन्याविंतिगछे॥हेस्वामितिमिकसेभयापनि॥तमोस्त्रीभजां॥मेराकर्मलेपन्यापदि॥अकीलाईदोहेन
जातमोईआहसोमतोगेगईहवस॥भनिरमेजांमात्रेवसि॥चांहांदेधि॥तसेजांकावावलेचाहपायोरा॥आप्रा
कोरिलाई॥डाकनपठाघोरआईनरा॥कोरिआईनभनि॥रिसलेसहरवाहिरनिकालिदिथोरा॥अहिसहकीवाहिर

वः स
॥७॥

बल्या ॥ वां हों देधि ॥ कोहि एक दिन मा ॥ तमै जां को वावु ले ॥ सिकार बेला जान कन ॥ सिवाहि शरा गर्रा पठाया ॥ तोस मा ॥
चा रा ॥ श्री राजा विक्रमाजित ले लुन्यो रा ॥ आफरा गनिलाई भन्यो ॥ हेरानि तेरा वावु सिकार बेला न जानु न ग रे ॥ मप निजां कुं ॥
मलाई घोडा ॥ तेरा वावु छे उं जाई मा गिल्या उभन्यो रा ॥ रा निविंति गई ॥ हे स्वा मि प्रभु ॥ मक सो गरि वावा का हजुर माजा ॥
उं ॥ जान सक दे न भन्या ॥ तव श्री राजा विक्रमाजित ॥ आग्या गई न ॥ हेरानि तेरा ग्या देधि ॥ न कन हन्या दिपरा ॥ मघहि
मकु भन्या रा ॥ तव रानि हन्या का दर ले ॥ आफरा वावा का हजुर मा ग ई र विंति गरि ॥ हे वावा ज्यु मये क विंति गई ॥
सुनु ह व स भन्या ॥ राजा ले का भं छे स भन्यो रा ॥ मे जां विंति गई ॥ हे वावा ज्यु ॥ मेरा स्वा मित पां ई पा उर व व र जां कुं ॥
ग रे ॥ तस्कार न घोडा ॥ कृपा ह व स भनि विंति ग दी ॥ राजा ले मा हा को ध सित ॥ रिस ले भन ला ग्या ॥ हे पा पिष्ट
ला जन भया वि ॥ गाल पा न्या मेरा दर्वा र मा ॥ जनि आ भनि धे गरि ध पा या ॥ मंत्रि विंति गई ॥ हे महा ज मे जां लाई
न ध पा उ ॥ ह मो घोडा ॥ वह ला या को छ ॥ तेहि देई पठा उ भन्यो ॥ घोडा क सो छ भन्या ॥ बरि प रि प र्वा ल लाई रा ग्या को
छ ॥ कुनु वा धनु क मे ले स क छे न ॥ घां स दि द प नि प र्वा ल का छे उ मा ॥ रा धि का ठ ले घु वे टि दि न प र्क ॥ पा नि दि द प
नि प र्वा ल वा त दि न प र्क ॥ ये लो वह ला या को ॥ घोडा दि उ भनि ॥ विंति ग न्यो रा ॥ मंत्रि व च न स नि ॥ राजा ले मे जां
लाई डा कि क न ॥ आफरा दे स को मा नि स ॥ शरा गरि क न ॥ व न्या हा घोडा लाई स मा ते रा ॥ मे जां लाई सों दि दि द्या ॥ मे जां
ले घो रा लि ये रा ॥ श्री राजा विक्रमाजित ॥ छे उ ल्या य र ॥ विंति ग र्छि न ॥ हे स्वा मि प्रभु मे ले ॥ घोडा ल्या मां लि नु ह वा ॥
स भ नि रा ॥ श्री राजा विक्रमाजित ले आग्या गई ॥ हेरानि म भन्या कु छ ले ग लि र ह्यां कुं ॥ मेरा सरि र मा व ल छे ॥ मघोः

तै भ नि
राम
॥७॥

रामाथिचर्हसकदिन॥तिमिरुहलेमलार्इ॥घोडासाचढाईदेउभन्योरा॥सवेजनामिलिकन॥श्रीविक्रमाजितलार्इ॥
 घोरासाचहाया॥घांहांदेधि॥श्रीराजविक्रमाजितले॥घोरादोरायरा॥राजाकाशुधिरलागिकन॥वडांजंगलमापुग्या
 रा॥वनकोम॥जतिथियो॥सवेकोकानकाथि॥कोरिदिया॥आकुयेकातिरजाईवस्य॥घांहांदेधि॥कानकाटेरहायाको
 मगलार्इ॥राजाहललेसिकारबेलैर॥मारिकन॥आफना॥घरगया॥घांहांदेधि॥श्रीराजविक्रमाजितले॥अलिकवेगि
 रह्यार॥आश्रीरानिलेफिकिगरिभनलागित॥मेरास्वामिसिकारबेलनगयाका॥अरुसममआयाकोहेन॥क्याभयो
 कस्यभयोभंभनि॥फिकिगर्नलागित॥अवधरि॥१॥मा॥मेरास्वामिआयेनभन्या॥मेलेआपहत्यागरि॥आरात्याग
 गरिमहुभनि॥मनमाचितायर॥रहंदा॥राजाविक्रमाजित॥आईपुग्यार॥रानिविंतिगर्किन॥हेस्वामिप्रभुतिमिला
 ईक्याभयोरा॥पहुहुनुभयो॥तिमिआयेनरा॥मलार्इवहुतेफिकिलग्यो॥वहुतेसुतीमानिकनरह्याभन्या॥श्रीरा
 जाविक्रमाजित॥आग्यांगर्किन॥हेरानिवाटमाहिदी॥बिलंवभयोरातवप्रवेरभयो॥अवघोरापनितेरावावाहेउपु
 न्यार्इ॥आवभनिराजालेभन्या॥रानिलेहवसभनिरा॥घोरालार्इवाआडोयाउफांरेगरिलगिन॥आफ्रावावाहजुरमा॥
 विंतिगरिन॥हेवुवाज्युघोराहिनुरुवसभनिरा॥आफ्रावुवाज्युलेआचर्यमात्या॥योघोरातिपरधिरुवापारुध्यो॥रा
 निकर्किघरआयो॥हेस्वामिघोरापुन्यार्इआनां॥भनिविंतिगरि॥फेरि॥श्रीराजाविक्रमाजित॥आग्यांगर्किन॥हेरानि
 मयेस्वोगरिहुहुगलिरह्याहु॥तेरावुवाज्युसितजार्इ॥हुहुनिदोगरावनलार्इ॥येकहजारमगकोकानमागित्याभन्यो
 लेया३

कः स

१०॥

रा। रानिले हवस भनि र। आ प्रवा बुवा न्यु को ह नुर मा। ग ई र विंति गरि। हे बुवा न्यु। मेरा स्वा मिला ई औ म धि ग नी नि मि ते। र क ह॥
जा र म ग को कान चा हि यो र। विंति गर्न म्ना जां क पा गर्न हवस भनि। सा जा ले मं त्रि ला ई डा के र भ न्यो। हे मं त्रि ज ति म ग मा
रित्या मा को क॥ सवे म ग को कान काटे र। मे जां ला ई दि ई पठा उ भ नि अ हा यो। मं त्रि ले रा जा को आ ग्या मा ति क न॥ मे जां
ला ई डा किल ग्यो र। मं त्रि ले सवे म ग को कान हे न ला ग्यो र। ये क म ग को कान प नि र हे न छ। मं त्रि भ न्यु॥ हे मे जां ये निः
को म ग को कान यो न्दा॥ ये क गो टा प नि पा ई न॥ न भ मा को व लु का हा यो नि दि उ॥ त म्ना स्वा मि के उ जा ये र। र हे न छ भ॥
न भ न्यो र। मे जां फ कि म्ना ई र। आ प्रवा स्वा मि के उ॥ वि स्तार जो भ मा को कुरा क हि॥ हे स्वा मि प्र भु के न भ नि दि ये न॥ भ निः
त दे ह दे विंति गरि र। श्री रा जा वि क मा जित न्ना ग्यां ग ह्नु न॥ हे रा नि न क्पा न ह्नु स न रो॥ मे ले ते रा बा वा को॥ व्या प रा
क र्म छ भ नि हे न्दा को हो॥ यो म ग को कान ये क ह जा र छ॥ ते रा बु वा न्यु ला ई ले जा ई दे भ न्यो र। रा नि का हा त मा दि ई क
ठा मा रानि ले प नि॥ आ प्रवा बुवा न्यु के उ॥ ग ये र विंति गरि र॥ हे बुवा न्यु त पा ई को॥ जु वा ई ले दि प ठा मा को॥ यो म ग को
कान लि नु ह व स भ नि रा यि र। त भा का लो ग यां च रा जा॥ आ च र्य मा न्या॥ त व रा जा भ न्यु॥ हे स भा प नि लो ग हो॥ हे र हे र ये लो
प रा क र्म ग न्या म नु ये न ह ये न॥ के ब ल दे उ ता हो ला॥ अ व ह मि ह रु॥ ते स हा पु रु ष के उ जा उ न्यो र। रा जा स हि त स व पां
च ह रु॥ श्री रा जा वि क मा जित के उ ग यो॥ रा जा लु ध्या उ छ न॥ हे मा हा पु रु ष नि मि को ह उ॥ का हा वा ट् म्ना यो॥ म ला ई वि
स्तार क ह नु ह व स भ न्यो र॥ त व मा हा पु रु ष भ न्यु॥ हे मा हा रा ज म भ न्या॥ श्री रा जा वि क मा जित ह॥ नि मि के उ आ उ न भ नि
स्वा मा को हो भ नि॥ श्री रा जा वि क मा जिते भ न्दा॥ भे द न आ उ न्या रा जा भ न्यु॥ हे म हा रा ज धं ने र मे रो भा ग्ये ले ति मि त्रः
ले

रा मः
॥१०॥

वजा
लानुवा ईपां ज्ञां भनि॥ माहा हर्ष मानव सि भयारा॥ बहु तस्या दर्भो बगया॥ अनेक जरि जडा वको पोसा के॥ अनेक गहना॥ हा
ल तरवारा॥ हाति घोरा॥ समेत सिरपा उदिया॥ अनेक ज्ञा ज्ञानाच॥ गित मंगल॥ वाजि ववा जाये रा॥ सिद्ध राजा जागरिक
न॥ श्री राजा विक्रमाजित लाई॥ आक्रा दर्वार त्याया॥ वां हां देखि॥ अलिक दिन पदि॥ श्री राजा विक्रमाजित ले॥ आक्रा स्वसः
तडे उवि दामा गि॥ आक्रा रानि समेत लिई॥ आक्रा राने माया योरा॥ आक्रा सिंध्यासन माव सिरहं दा॥ मंत्रि हत ले दर्शन गर्न
आयो॥ श्री राजाले॥ मंत्रि सग भला कुसारि गर्नु भयो॥ सवे पांच हत सग पनि॥ भला कुसारि गर्नु भयो॥ वां हां पदि मंत्रि सहित
सवे पांच॥ हत ले विंति गया॥ हे माहाराजा॥ आई पुगु भयो भनि॥ सवे पांच लोग हत ले दर्शन गयो॥ वां हां देखि॥ आक्रा ले
मस वासन लाई॥ राजे सोधि गथाया॥ उ सवासन लाई॥ कुसल हो कि भनि॥ राजाले सोधारा॥ वासन विंति गर्ह॥ हे म
हाराज मेरो विंति सुसुहवस॥ जे ले देखित पां ई देसांतरा॥ पाउला गुरु भयो थो॥ त ई ले देखि मते गि भयो॥ मये सो अभागिर
त्याहु॥ त पां ई भाग्य मानि हुना ले॥ देसांतर गथाका॥ पनि आई पुगु भयो॥ अ वयोरा जे कास स्या रगारि॥ रछा गर्नु हवस॥
भनि॥ वासन ले विंति गयोरा॥ राजा पनि हवस भन्योरा॥ वासन लाई॥ राजाले अनेक दर्वे दिषर विदा दिया॥ वां हां देखि
॥ श्री राजा विक्रमाजित ले॥ अधिको जस्तो गरि॥ संसार को प्रतिपाल गर्नु हुं थो॥ त ले गरि विराज मान भया को थियो
॥ भनि॥ पुत्रिका अन्ध॥ हे भोज देव राजा॥ ये सो पराक्रम मया माझे॥ ये स सिंध्यासन माव हतुं हुं॥ ए सो पराक्रम गर्नु न
सक्या॥ ए स सिंध्यास माव हतुं देन भनि॥ पुत्रिका उडि गई॥ ईति दुति ये पुत्रिका कथा हा॥ २॥ केरि भोज देव राजाले॥ सि
ंध्यासन माचरुं लाग्यारा॥ पुत्रिका निस्कोर भन्ने॥ हे भोज देव राजा॥ मेरा कुरान सुनिकन॥ ए स सिंध्यासन माति नि॥

वः ११

लेव सुहुदेन ॥ मयेकः कथा कहं कु सुसुहवस ॥ कोहि येक देसमा ॥ श्रीराजा विक्रमाजितले ॥ सवे पसु पंक्ति कोभाभा जान
या ॥ एकदिन ॥ श्रीराजा विक्रमाजितरा ॥ आक्रा रा नि २ ग्या न न सित वस्या काथिया ॥ तवेला मा भंगे रा भंगे रि ॥ २ राजा
वस्या काठा उमा ॥ आयेः र वस्या रा ॥ भंगे रा के उ भंगे रि ले भनि ॥ हे प्रभुति मि र म बुढा बुढि भजौं ॥ मेले के हि येक सुव
म्व उपकार सुन्या को क ॥ वहुं कु सुमा वति भन्या को फुल लाया देधि ॥ बुढा भयापनि ॥ बुढि भयापनि ॥ वा रुवर्ष को
रुवा हुं क भनि ॥ भंगे रि ले भंगे रा के उ ॥ कहदा सुन्या रा ॥ श्रीराजा विक्रमाजितले ॥ बुधोर सुसु कहसा ॥ राजा हासा के ॥ रा नि
ले दे भिन रा ॥ सुध्या उ न ला गी रा ॥ हे मा हा रा जा ॥ मेले आचर्य माया ॥ का कार न ले ॥ हा सु भयो भनि सोधि न रा ॥ राजा भ
॥ हे रा नि उ दे क ला ग्यो कुरा सुन्या रा ॥ महा स्या ॥ हे रयो भंगे रि ले ॥ भंगे रा लाई कहि ॥ वृद्ध भया को ॥ बुढा बुढि त ह नि तं स्या
रि ॥ हुन्या कुरे मेले सुन्या को क ॥ अ वति मि रा ॥ म त ह नि तं स्या रि हों भनि ॥ भंगे राः भंगे रि ले ॥ ये सो कुरा ग दी सुन्या रा ॥ महा
स्या भनि ॥ व तां तरा नि के उ भन्यो रा ॥ रा नि वि ति गरि न ॥ हे मा हा रा जा ॥ ते सो उपकार गरि हुन्या भया त ॥ म ला ई १२ वर्ष कि
क न्या ॥ तु त्या ई दि नु ह व स भनि ॥ अ ना ह्न प सि न रा ॥ भ व ला गि न ॥ हे मा हा रा जा ॥ ये सो व स स न्या र मा हु ये हो ॥ त पा ई ज
सा रा जा स न्या मा के न ॥ ये सो व डार हों ॥ ति मि ज सा रा जा ले स न्या र मा यो ज्य ॥ व हु कु सु मा व ति के ॥ उ ल पा उ न्या के ॥ त
त स्का र न व हु कु सु मा व ति के ॥ फु ल त्या ये र मे रा र क्षा गर्नु भ या ग रा ॥ मे ले भ न्या को कुरो न गर्नु भ या ॥ मे ले अ व ह न्या ग
रि प्रा न त्या ग गरि सु नु क ॥ नि अ म म नु क भ नि अ ना ह्न प सि न रा ॥ वा हा दे धि ॥ राजा से के हि भ न्न स के न रा ॥ व डो सु र्ता मा नि

रामः ११

वत्साकाधिया ॥ तत्तैसमयमा ॥ आफ्राहोरा ॥ विक्रमकेसरिआसरा ॥ आफ्रावावाजुलेसुतीमासिरह्याकोदेधि ॥ मंत्रिकेउसुध्या
उछ ॥ हेमंत्रिआजु ॥ वावाजुलाईकादुष्यपयोरा ॥ फिक्रिमानिरह्याछन ॥ योकारनमलाई ॥ विलारकहभन्योरा ॥ मंत्रिभक्तन
हेविक्रमकेसरिराजकुमार ॥ मृतिअजोग्येकुरासुनिकन ॥ फिक्रिमानिरह्याछन ॥ आकुरोभन्या ॥ त्रिमोसानिभाले ॥ वहुक
सुमावतिकोफुलल्याईदेउभनित ॥ नल्याईदिमाभैलेप्रानन्यागरगर्नुछ ॥ भनिसुनाहमपसिरहिछ ॥ तस्कारनलेमहारा
जालेसुतीमानिरह्याछन ॥ भनिमंत्रिलेकह्योरा ॥ तवविक्रमकेसरिलेभन्यो ॥ हेमंत्रिवहुकुसुमावतिकोफुलकाहा ॥
॥ छ ॥ मलिनजाकुभन्दा ॥ मंत्रिविंतिगर्छ ॥ हेराजकुमारविक्रमकेसरि ॥ तमावावादेउजायेरा ॥ सोधनुहवसभन्दा ॥ म
त्रिकोकरासुनि ॥ विक्रमकेसरिआफ्रावावाका ॥ हजुरजाईविंतिगर्छ ॥ हेवावाजुवहुकसुमावति ॥ फुलमलिनजा
कुविदाकृपाहवस ॥ भनिविंतिगर्छ ॥ तवश्रीराजाविक्रमाजितआग्यागर्छन ॥ हेपुत्रविक्रमकेसरि ॥ तदाहांवा
टल्याउलास ॥ येसवधिविमातछेन ॥ तंल्याउनुसकैनस ॥ वहुकुसुमावतिकोफुलभन्याकोत ॥ पमुंद्रकातिरमात्रे
हंछ ॥ तकसोगरिल्याबलासभन्योरा ॥ विक्रमकेसरिविंतिगर्छ ॥ हेयिताकसैभयापनिमजांकु ॥ मलाईविदाकुषुह
वसभन्दा ॥ राजाभक्तन ॥ हेपुत्रविक्रमकेसरि ॥ तईलेसुवस्यजांकुभन्या ॥ तेराभाईलाईरा ॥ सानिमालाईडाकिल्याभ
न्योरा ॥ वावाकोवचनमानिकन ॥ सानिमालाईराभाईलाईडाकिल्यायो ॥ वाहादेधि ॥ श्रीराजाविक्रमाजितले ॥ होरा
लाईविदादियोरा ॥ भन्ताग्यो ॥ हेपुत्रतिमिश्रवालव्यहउ ॥ वाटमाहिर्दासह्यारगरिजलगरिगया ॥ भनिविदादि
या ॥ राजकुमारशपनिजांदा ॥ वडादुर्गमनवनमाग्यारा ॥ विक्रमकेसरिभन्दा ॥ हेभाईतर ॥ मदेकैवाटेनजाउ ॥ तयेका

वः ल
॥१२॥

वाट जा ॥ मये का वाट जा कु ॥ पछि फर्क दा तं अधि भयापनि ॥ मनु अधि भयापनि ॥ यहि ठाउ मा पर्व नु भनि भाषा राखा रा ॥
क भाई येक वाट गयो ॥ एक भाई ये का तिर ला ग्या ॥ या हा देखि ॥ विक्रम के सरि जा दा ॥ वडा सुधार जंगल मा पुग्या ॥ क तो व
न भन्या मनुष्य ना मा ॥ पसु पंछि के हि सव पनि न सुनि न्या ॥ ये ला वन मा पुग्या रा ॥ तत व न्यो ॥ यहि डेर गरि व स्यो ॥ विक्रम
के सरिले ॥ रात्रि बिषये मा दुष्य गरि व स्या मा ॥ राक्षे सिन्धु मोर भनि ॥ हे महा पुरुष ॥ मेरा कु रा सुत्र ह वस ॥ ते स ह व मा कु न्दाई
राष्या को मनुष्ये ॥ मेरो छोरा हो त पाई ले ॥ त्रिकिदिनु ह व स भनि रा ॥ विक्रम के सरि भन्छ ॥ हे श्री जन ति मि को हो ॥ देव क न्या
हो कि मनुष्ये क न्या हो कि ॥ राक्षे सि क न्या हो स कि ॥ मे ले चि कि न भ नि सो ध्या रा ॥ राक्षे सि भन्छ ॥ हे महा पुरुष ॥ म देव क न्या
पनि होई न ॥ म नुष्ये क न्या पनि होई न ॥ म भन्या राक्षे सि हुं भ नि क हिरा ॥ राक्षे सि को व व न सु नि मा त्रे ॥ विक्रम के सरिले ह त
प त गरि ॥ य व दा र भई तार प व व ड ले ॥ राक्षे सि लाई गो डा का टि दि यो रा ॥ राक्षे सि ले महा सु धार स व गरि क राई ॥ गो डा को क
ठ पा उ छो डे रा ॥ राक्षे सि भा गिरा ॥ विक्रम के सरिले क ठ पा उ लि ये र हि यो ॥ जा दा र भोज पुर भन्या को स हर मा ग्या रा ॥ स हर
भिन्न जा दा ॥ येक घर मा महा उ न्या त स व गरि ह दा र ह्या कु न्य ॥ यो रो या को स व ॥ विक्रम के सरिले सु न्यो रा ॥ घर भिन्न जा ये
र सो ध्या ॥ हे व ड्ड बु डि या ति मि ह त ॥ का कार न ले ये तो विला प गरि रु न्छो ॥ भ नि सो ध्या रा ॥ बु डि या भ न्छ ॥ हे महा पुरुष ॥ ति
मि को हो का हां वा ट न्या यो ॥ भ नि सो धि न रा ॥ विक्रम के सरि भन्छ न ॥ हे बु डि या म भ न्या प दे सि हुं ॥ ति मि ह त रो या को सु न्यो रा ॥ का
कार न ले रो या भ नि ॥ सु ध्या उन न्या जां भ न्यो रा ॥ बु डि या भ न्छे ॥ हे महा पुरुष ॥ मेरो दु ष्य क ह कु सु त्र ह व स ॥ ये स दे स को ति
क ट मा येक वन छ ॥ ते स व न मा राक्षे स छ ॥ ते स राक्षे स लाई ॥ ह मारा जा ले घर हि पा लो लाई ॥ राष्या को छ ॥ वा व ल पा

रामः
॥१२॥

थि २ को भात ॥ रांगो जे रा ५ ॥ मानिस गोटा ॥ येति दिन दिने ॥ सग जाम गनु पछ ॥ आनु हा मो पा लो क ॥ हा मिश ॥ जना ॥ ज
ना ले मनु पछ भनि रोक्छे ॥ भनिक हिरा ॥ बुढि या का कु रा तु नि क न ॥ विक्रम के सरि भन्छ ॥ हे बुढि या चर्को को हिसा तो जान
हुन्छ कि हुदै न भनिसो ध्या रा ॥ बुढि या भन्छ ॥ हे महा पुरुष ॥ म न्या ठा उ मा को जाला ॥ जि उ को मा मा सवे ला ई क भतिर
विक्रम के सरि भन्छ ॥ हे बुढि या ति नि रु रु के हि कि कि मा न प दे न ॥ ति सो सा टो म जा न्छु भनि त पार भयो ॥ रा त भ या प
छि ॥ सवे सग जाम लि ये र आ कु ला टो ग यो रा ॥ रा शे स ज्ञा न्या ठा उ मा पु ग्यार ॥ सग जाम वो कि ले जा न्या रु रु ला ई फ की ई
प ठा या ॥ प्रा पु ये के व स्या ॥ या हां दे धि ॥ रा शे स ज्ञा यो रा ॥ च डारि स मि त भ न्यो ॥ हे पा पि छु म नु छे ॥ आ नु ति मि रु रु का हा
गे र त्या यो ॥ म ला ई भो के रा धि स ॥ अ व त क न धां कु भ न्यो रा ॥ विक्रम के सरि भन्छ ॥ हे पा पि छु रा शे स ॥ तं स ग नु दे ग ॥
कु भ न्यो रा ॥ नु दे ग र्ग न ला ग्या ॥ नु दे ग रि रा क्ष स मा न्या रा ॥ फ र्कि आ यो र ध र्व टि ला ई रा के र भ न्यो ॥ हे ध र्व टि ॥ रा क्ष स ला
ई मे ले मा रि आ जां भ नि क त्या रा ॥ ध र्व टि ले आ च र्य्य मा नि भ न्न ला ग्यो ॥ ध न्ये १ ति मि व ड पु रु ष र त्या छे ॥ र स दे
स को मा नि स ठे रे या यो ॥ पो व डो रा शे स क न मा रि दि नु भ यो ॥ अ व त मो म न का र द्या पु र्न रु व स भ नि ॥ बुढि मा ले
आ सि र्वा द दि या ॥ ता हां उ प्रा न्त ॥ ते हि कु रा ॥ रा जाले सु न्या रा ॥ विक्रम के सरि ला ई रा कि न्या या रा ॥ रा जा भ न्छु न ॥ हे म
हा पुरु ष ॥ ध न्ये २ त मो पु रु षा र्थ ॥ त मो पु रु षा र्थ दे धि ॥ म व हु ते मु ति भ न्नां ॥ अ व नि मि ला ई सि र्वा उ दि न्छु भ न्या
रा ॥ आ क्ता छे रि वि वा हा ग रि दि या ॥ रा हां दे धि ॥ अ लि क दि न न हि व स्या प छि ॥ अ क्ती रा नि छे उ ॥ विक्रम के स

वः स
॥१३॥

रिभन्धे॥ हेरानि मेरा बुवा जू लाई दुख पयो हो॥ बहु कुसुमावति को कुल लिन आयां च्यां॥ सुवम जाकु॥ मलाई विहा
देउ भन्या र॥ तनि विंति गहे॥ हे प्रभु तयो कुल लावन कथिन ह॥ सको ला क्यो भनिरत र॥ हे प्रभु तयो रो मरा कम देया
त बहु कुसुमावति॥ कुल लाउ न सक न होला॥ पाउ लागु हव स॥ फर्कि आउ दा मा॥ मलाई भेट गर्नु पाउ लागु होला
भनि॥ विंति गरि विहा दिई॥ वाहा देखि॥ विक्रम के सरि गया॥ वन बने हिआ॥ कोहि वरा सहर मा पुग्यार॥ दर्वा र को नजि
क मा देरा गयो र॥ वास वस्या का थिया॥ वाहा देखि॥ तस दे स को रा जा को हो रिले॥ आ ल वाट हे रि र स्या कि थिई॥ विक्र
म के सरि लाई देखि॥ विक्रम के सरिले यनि देख्यो र॥ को पर स्य पर देखा देव भयो र॥ मै जां ले मन मा चिता ये र॥ भन
ला गि॥ धने॥ य सो सुन्दर महा पुरुष॥ संसार छि मा यनि हवे न॥ ते ला पुरुष सग वसि॥ आरा म कि डा गरि॥ सुख
सित वसु पाया॥ धने मेरो भाग्य भनि॥ मन मा चि ये र॥ विक्रम के सरि लाई डा कन॥ आ प्रा स धि रु लाई प ठा ई र॥ स
विह र ग ई र भन्धे॥ हे महा पुरुष॥ ह मि मै जां ले डा के पु ठा या को ह॥ पाउ लागु हव स भनिरा॥ विक्रम के सरिले हव स
भन्यो र॥ स धि सहित दर्वा र गयो र॥ स धि ले मै जां सग भेट गरा ई दिआ॥ वाहा देखि॥ मै जां भन्धे॥ हे महा पुरुष॥ त मो रूप
जो भन देखि॥ मेरो मन आनन्द भयो र॥ डा कन प ठां जां थ्यां॥ अवति मि मेरा सा मि भयो॥ मत मुखी भजां भनि॥ सव गरि स
क्या पछि भन्धे॥ अब त पाई को म पर वरु त॥ कया दया राव्या जानु होला भनि॥ वडा धि ति गरि॥ स्त्री पुरुष भया॥ मै जां ले॥
विक्रम के सरि लाई॥ गु प्र गरि को ठा मा हा लिराव्या र॥ सुख भोग्ये ग थ्या॥ वाहा देखि॥ एक दिन मै जां को मुख॥ सु ध्या

रामः
॥१३॥

ते देव्योर ॥ विक्रम के सरिले भन्कुन ॥ हेरानि मन्त्र तेरो मुख अध्यारो ॥ कमा कारन ले मलिन भईत्य ॥ मलाई दुख पन्या को ल मन्त्रि
 सर कि ॥ तलाई क्वा दुख भयो ॥ यो बिसार मलाई कहनु पर्छ भन्यो रा ॥ मै जां विंति गर्छ ॥ हेरानि मिलाई ॥ दुख पन्या ॥
 को पनिसुनि न ॥ आज म मलिन भयाको ॥ कारन क्वा हो भन्या ॥ हमा बुवा ज्यु ले श्री की राजा लाई कर्ति नु पर्थ्यो ॥ आज
 फेरि कर्मा हुन्या जन ॥ भरे म्मा ॥ पुग्छ भनिसुन्यो रा ॥ तत्कारन ले मलिन भई र ह्या ॥ भनिसवै विसार विंति गरि न र
 विक्रम के सरि भन्कु ॥ हेरानि तेरा बुवा ज्यु सग ॥ मलाई भेट गराई दे भन्यो रा ॥ मै जां ले म्मा प्रावावा को हजर मा ॥ जाई विं
 ति गरि ॥ हे बुवा ज्यु ॥ महे उर क पदे सि ॥ महा पुरुष म्मा ई रहे छ ॥ उस पदे सिले तपाई सित ॥ भेट गर्छु भनि विंति गर्छ ॥ तपाई
 ले दर्शन दिन हवस भनि विंति गर्दा ॥ राजा ले ॥ म्मा प्रा कोरि को कुरा सुनि ॥ पदे सिलाई दाक न पठा यार भेट गन्यो रा ॥ राजा
 म्मा प्रा गर्छु न ॥ हे पदे सि महा पुरुष ॥ तिमि क्वा कारन ले भेट गर्छु भनि म्मा यो भन्या ॥ विक्रम के सरि भन्कु ॥ हे महा राज नि
 मिले कर्नति रा ॥ नउरा उनु हवस ॥ तिमि के उ कर्लिन म्मा उन्या ॥ राजा सित जु छे गरु लारा ॥ मारि हटाई दिउ ला ॥ फि किन मा
 नु हवस ॥ मलाई ॥ म्मा लघो रा मात्रे ॥ वक सनु हवस भन्या ॥ राजा ले म्मा प्रा त वेला मा जायेर ॥ म्मा लघो रा ॥ रोजि दिदा ॥
 म्मा प्रा राज क्वा सव सि पाहिलाई ॥ म्मा प्रा हात हति पार हि मर म्मा व भनि ॥ म्मा रा गरि वाटु लो गरि दिदा रा ॥ विक्रम के स
 रि पति जो भया क्वा ॥ सि पाहिलि त पार भई र ह्या ॥ बा हा दे भि ॥ कर लिन म्मा उन्या जन ले भन्यो ॥ हे राजा ह म्मा सदा को क
 र्छु ॥ कर्न दिदां ति मि सित जु छे गरि ॥ त म्मा दे स मा वस्तु ह म्मा सा मर्थ्य भनि ॥ ह म्मा राजा का हु कु मर छ ॥ भनि जन ले भन्यो

वः स
॥४॥

ग

रा॥जन का कु रा सु नि॥वि क्र म के सरि व डा च हं का र गरि॥रि स सि त भ न्द॥हे ड त हो ति मि ह र ला ई क दि दे नो॥ति मि ह र ति
त नु ड ग र्नु ड भ नि॥दु त ह र ला ई क ट र प ठा दार॥दु त ह र ग दार आ फ़रा त जा के उ विं ति ग न्या॥हे म हा ज॥जो ना का ज मा
प ठा दार यो सो का ज भ ये न ठ डि यो॥ह मि ला ई य नि कु टि प ठा ये विं ति ग न्यो रा॥दु त का कु रा सु नि रा जा रि ला द र॥आ फ़रा त ज का सि या हि स व
रा त गरि क न॥मं त्रि स र्क र॥क ट बाल स हि त॥नु ड ग र्नु ड प ठा दार हि मा॥वि क्र म के सरि ले प मि॥आ फ़र ल ख र जो भ या को
भे ला॥गरि त दार भै र स्या को धि या॥नु ड ग र्नु आ उ न्या ह र ज व॥स ह र का ठा का मा आ ई पु ग्या॥त व वि क्र म के सरि ले
घो ज मा च हे र॥स ह र वा हि र नि स्कि न॥तार प त्र व ड ले हा न्दा व ड न से ना मा न्या रा॥वै रि भा ग्यो र ध या ई ल ग्यो र भ न्यो॥
न सो रि हा मि के उ॥क र्ने जां यो॥त से गरि हा मि ला ई क र्ति कुं भ न्या॥आ फ़रा दे स को र जा ई ग रा॥क र्ति नुं हें न भ न्या॥न मे
क्षे त्र भ ड ग र्नु॥मे रा सा म र्थ हं भ नि ह प का ई प ठा दार॥वै रि ले प नि क र्ति कुं॥भ नि विं ति ग र्नु आ यो रा॥वि क्र म के सरि ला
ई॥अ ने क जा त्रा गरि स ह र मा ला मा॥मा हा आ न न सि त सु ख भो ग गरि व स्या॥वा हा दे धि॥अ लि क दि न व स्या प दि
वि क्र म के सरि भ न्द॥हे रा नि म त म रा वु द्वा ज्य का॥का ज मा आ आं यो॥म त जा न्दु भ नि वि दा मा ग्यो रा॥रा नि विं ति ग र्दि
रा॥हे प्र भु स्वा मि पा उ ला ग्नु ह व स॥फं की आ उ दा मा त्रे॥जां हां पा उ ला ग्नु हो ला॥भ नि विं ति ग रि न॥वा हा दे धि॥हि मा र
ज बा दि प भ न्या को॥दे स मा पु ग्यो र स ह र का॥हे उ मा वा स गरि व स्या का धि या॥उ ता स म ये मा॥रा जा का द र्वा र मा व नि
दे स मा प नि॥म हा आ द्यो र स व ग रि रो मा को स व॥वि क्र म के सरि ले सु न्यो रा॥क्या भ यो भ नि सु ध्या उ दा॥ए क स्वा क्षि वा हि र आ
ये र भ न्द ला गि॥हे म हा पु रु ष॥ति मि कां हां वा ट आ यो भ नि सो धि र॥वि क्र म के सरि भ न्द॥हे प र स्त्री म भ न्या प र्दे सि डं भ न्यो

रमः
॥४॥

नवस्थासि लेसवव तांतकहनलागि॥ हे पंदसि॥ हसदेसको राजाको रेंतेहि॥ धिजे॥ सोमेजां नानुमया भनि क हिरकुराः॥
गरिरोयाको हो भनिरा॥ विक्रमके सरिले सुध्या उद्धन॥ हे परस्त्रीससदेसमा॥ मनुष्ये काको भये मा नु भनियो ध्या पार॥ लोग
ले भननलागि॥ हे माहापुरुष॥ हसदेसको मज्जी त काक भन्या॥ मयाको मानिसलाई॥ माटि दिनु धनि छैन॥ सत्कार गर्त
भाव गर्नु धनि छैन॥ मोलनु धनि छैन॥ दक्षिण मसान मात गे रा॥ मुदी रा धि म्मा उनु पर्छ॥ तक्षे सभा पार॥ मयाको मुदी राक्ष
ले भक्षे गरिरह्याको॥ मोलि पल्लु लोग हस॥ गयर हेर्नु पर्छ॥ तस्कार नले लोग हस इराई र ह्या कुन॥ भनिक ह्योर मा कुन
सुनि कुन॥ विक्रमके सरिले॥ म्मा कुलाई वाहिन्या सरा जा मलिकन॥ कठ पाउ लाई कुन थड लिघेर॥ विक्रम सरि मसान माग
ये र वस्था॥ वाहा देखि॥ मेजांको मुदी ल्यायाको॥ विक्रमके सरिले हे रिरह्या॥ तस्मे जां लाई मसान ना॥ लाई कुन ले गले छाडि
गया॥ उप्रान्त॥ म्मा धारा त मावडा सुधोर सव गरि कुन॥ म्माका सवाट म्मा घेर॥ मुदी का मुध्या जिग मेर पत्यो॥ विक्रमके सरि
ले हे म्मा बहि॥ गंगा चवर ले हाको र मुदी जाग्यो॥ जमुमा चवर ले हाको र॥ जाग्याको मुदी पनि मयो॥ वाहा देखि॥ विक्रमके सरि
लेष ड्रि को र जाई पदी॥ राक्षस ले देख्यो र॥ चवर छोडि र भाग्यो॥ वाहा देखि॥ विक्रमके सरिले चवर॥ लिसे र गंगा चवर ले
हांको र मेजां जागि॥ फेरि जमुना चवर ले हांको र मरि॥ घेति गरि हे म्मा पछि॥ मसान मा बोकि भये र वस्था का थिया॥ लोग
हस ले हेर्नु म्मा उदा॥ विक्रमके सरि लाई देख्यो रा॥ सुध्या उनु लाग्यो॥ हे माहापुरुष॥ तिमि जां हांका नव स्यो॥ म्मा प्राउ म्मार हे छ
को म्मा को भो भनिसो ध्या रा॥ विक्रमके सरि भन्यो॥ हे लोग हो म्मा उदा त म्मा यो थ्यो॥ म्मा धारा त मा भयं कर राक्षे सि म्मा पाको थियो मे

वः १५

लेख पाई पठा जाँ॥ प्रवति मिह रुजा उर त मारा जा के उ सुध्या ई हेर॥ रत्न मै जाला ई मै ले जगा व न स क्य॥ मला ई दि न्या क र कि छे
न॥ जा उ सुध्या ई म्मा उ भ न्यो र॥ हे न म्मा उ न्या ह रु ग म्मा र॥ म्मा क्रा रा जा के उ विस्तार विंति ग म्मा र॥ राजा महा वृत्ति भ म्मा र भ न्न ला
ग्मा॥ हे पां च हो मै जाला ई जगा व न स क्य॥ प्रवत्य दि उ ला भ नि॥ राजा ले भ नि प ठा म्मा॥ पां च ह रु ग म्मा र॥ विक्रम के सरि छे उ भ न्न ला
ग्मा॥ हे महा वृत्ति॥ मै जाला ई जगा व न स क्य॥ प्रवत्य दि उ ला भ नि॥ मा हा रा जा को म र्जि भ म्मा को छ॥ भ नि पां च ह रु ले भ न्यो र
॥ विक्रम के सरि ले मै जाला ई॥ गं गा च व र ले हा क्य र जगा म्मा॥ मै जाला ई अ ने क सि डु र जा ना ना व ग रि॥ द र्वा र म्मा ल्या यो र॥ विक्रम
के सरि ला ई क च्या दान विवा हा ग रि दि म्मा र॥ म्मा ली पु रु ष भे म्मा त न्द सि त व स्या॥ वा हा दे वि॥ ४॥ ५॥ महि ना प छि॥ विक्रम के सरि ले म्मा
क्रा रा मि के उ भ न्द हे रा नि॥ म त मे रा वा वा को का म म्मा जाला थ्या॥ क्य का म भ न्या॥ व रु कु सु मा व ति को फु ल लिन जा न्दु भ न्यो र ग रि
विंति ग र्छि न॥ हे स्वां मि म्मा न्या कि ला ई॥ जगा उ न्या ति मि ह उ॥ अ व म ला ई कां हा क्य रि जा न्दु रु छ॥ भ नि म हा वृत्ति का कुरा र्छे
रु दे विंति ग र्छि न॥ वा हा दे वि॥ विक्रम के सरि भ न्द॥ हे रा नि व रु तै थ न्दा फि क्ति न म्मा न॥ म चा डे क र्छि म्मा उ दा त ला ई न भे
मि जा वैन भ नि वृत्ति ई हि म्मा॥ हि र्दा र स मु द्द का ति र पु ग्यार व स्या॥ वा हा र क व धे चार हे छ॥ त स व धे चामा जा भ नि क न हि ड्यार
र॥ म्मा का ल वा ति भ ई उ डि स मुं ड मा पु ग्यार॥ ते स व धे चामा हे र्दा ना ना त र ह क॥ फु ल फु ल्या को र हे छ॥ अ ने क भं च रा ले गुं॥ त म
ज मान ले॥ सो भा मे मान भ म्मा को ठा उ मा॥ त स व धे चामा टा॥ व रु कु सु मा व ति नि छे र भ न्न ला गि॥ हे महा वृत्ति॥ ति मि के हो
कां हा वा ट म्मा म्मा॥ ति मि म नु ध्ये जा ति प म्मा॥ ठा उ मा क सो ग रि म्मा म्मा॥ जालां त स हा भ ये छ॥ ति मि म नु ध्ये क सो ग रि म्मा म्मा

राम

१५

नवसककिं जाउ॥ विगार होला भन्दा॥ विक्रम के सरि भन्दा॥ हेतु नरि सुन॥ मभन्या श्रीगजा विमानित के छोटा हो मेरा जो उ वि
क्रम के सरि हो॥ मजो हों आया को का प्रथमे हो भन्दा॥ मेरा बुका न्यु छे उ सानि माले॥ बहुकु सुमावति कुल॥ लाई दिनु पछे न
दिमा मय वह नगरि मनु॥ भनि हत्या गरि वस्या कि छिनु॥ तत्कार न बहुकु सुमावति कुल लिन प्राजा भ्या॥ भनि लय छतात
गरि कन्या भन्दा॥ हेरा न कुमारा॥ बहुकु सुमावति कुल भन्दा की न महुं॥ भनि कुल दिये रम्य वभा हों न निवस॥ आहा श्रीगजा नई
नले भयंकर॥ राक्षे स हला ई जो कि राधा को॥ मभन्या मय छे राहुं भनि कहि॥ ईति कुल सुनि कन॥ विजय म के सरि हो भन्दा
हे कु सुमावति॥ मेरा पनिसी न्या मय॥ तिमोर मेरो विवा हा गरीं भन्दा॥ बहुकु सुमावति सुकु हों सित॥ ला जमानि॥ उधो मुख
गरि भन्दा लागि॥ हे महा पुरुष॥ उलो भन्दा म लाई॥ तिमिले सत्य विश्वास धर्म दिनु हव स भनि॥ विजय म के सरि हो॥ विस्था
सधर्म दिवारा॥ गंधर्व विवा हा गरि॥ स्त्री पुरुष भेक न॥ प्रानन्द सित॥ प्रिति वढाये रम्य गार गरि वस्या पछि॥ बहुकु सुमावति ले
विक्रम के सरि हो॥ पाउ धोये रचरना मृत धाईर॥ ठोगा दिये रम्य प्राधर माडा किल गिरा॥ मनेक पंचा मृत न भोजन गरा योरा॥
रसातर हसिन बद्धा॥ येव दिन वारि कोर धारा वल्ला॥ राक्षे स ले भन्दा॥ हे बहुकु सुमावति॥ आहों मनुष्या को॥ गंधा प्राउ छ
को आया को छ भनि सोधोरा॥ बहुकु सुमावति भन्दा॥ हे राक्षे स वाया॥ आहों को हि आया को के न प्रनिवसिरहि॥ राक्षे स न॥
भया पछि आका पुरुष सहित॥ बहुकु सुमावति भन्दा॥ हे प्रभु त्यामिर सव द्ये कोर धारा॥ राक्षे स ले॥ बाल पायो रहे किंज
हों न मनु भेको गंधा प्राउ छ भनि॥ महे उ सो धो॥ मय पसर राक्षे स ले रा ल पा पात॥ ममोर मेरो विवा उ होला॥ मयति मिम भागि
जाउ भनि म तो गरि॥ ला हा देधि॥ दुये जना भागेर लमु द्य वारि वस्या॥ ला हा देधि वनि हि आरा॥ जो न्यधि व्या हा गरि॥ आया कलानि स

वः २
॥१६॥

गभेट गन्यो ॥ नान नद सित वस्यो ॥ २४ ॥ दिन वस्यो पक्षि ॥ आकाशानि छेउ ॥ विक्रम केसरि भक्त ॥ हेरानि तेरा ॥ सुख हेरि जां
कुभनि ॥ प्रेस देस मा आजां थ्यां ॥ तलाई देव्या ॥ सुवमा क्रा देस जां कु ॥ वुवा ज्यु को दर्सन ॥ न भया को ठेरे भयो भनि विदामा ग्या ॥
रानि विंति गछिन ॥ हे प्रभु त माई न नि पां उलागु भया ॥ मजा हां को ना सिंगार ले वस भनि ॥ मय नि त पाई को वा उर व पार जां कु
भनि सगे गर् ॥ तिने जना आ उदा वाट मा ॥ फेरि प्रकी रानि स म ग्यो ॥ रानि छेउ ग्या ॥ रानि ले य नि मा क्रा पु रु व ग्या ई पु ग्य भ
नि ॥ महा पु सि भ पर भ न ला गि ॥ हे प्र भू पा उलागु भयो भनि ॥ नाना तर ह सित का प्रिति गरि भला कु सारि गरि न हि व स्या ॥ प्र
लि क दिन वस्यो पक्षि ॥ विक्रम केसरि ले भन्यो ॥ हे प्रिये म भन्या वुवा ज्यु को का ज ग्या जा थ्यां ॥ ज्या का ज ग्या जा थ्यां ॥ सो का ज
पु ग्यो ॥ सुवम वुवा ज्यु को दर्सन गर्न जां कु विदा दे भन्यो ॥ रानि विंति गछिन ॥ हे स्वा मि त पाई न भे क न ॥ मे ले जा हा व स्यो को म्या
सि घार रु ॥ मय नि सा ये म्या उ कु भनि ॥ मने क दर्से मने कर ले लि ये ॥ नाना ज ना हि या ॥ जा हा दे धि ॥ भो म पु र भन्या को दे स मा पु ग्या
र दर्का र मा ग्या ॥ रानि स गभेट गन्यो ॥ रानि ले य नि मे रा स्वा मि म्या ई पु ग्य भयो भनि ॥ महा ह र्ष मि त ग्या द भी उ गरि भि ज दा कि
ल गिरा ॥ प चाम त भो ज न ग रा ये ॥ श्री पु रु व स ग व सि ॥ मने क नाना त ह का प्रिति गरि ॥ प्र लि क दिन वस्यो पक्षि विक्रम के
रि भक्त ॥ हे रानि सुवम मे रा दे स जां कु ॥ मला ई विदा दे भन्या ॥ रानि विंति गछिन ॥ हे स्वा मि ति जा हां न व स्या ॥ मे ले को ना सि घा
र ले व स ॥ मय नि सा ये जां कु भनि ॥ पा चे ज ना हि या ॥ जा हा दे धि ॥ मे उ हा उ मा म्या क्रा भा ई स ग भो हा त वे ॥ म्या थ्यो उ
से हा उ मा पु ग्या ॥ भा ई म्या ई पु ग्यो कि पु गे न न नि हे र्दा ॥ ग्या क्रा भा ई पु ग्ये र भेट भयो ॥ भा ई ले दा ज्यु क न गो ड ल मा ति थो ग
दि थो र भक्त ॥ हे दा ज्यु म्या ई पु ग्य भयो भनि ॥ म्या चार भला कु सारि ग रे ॥ भा ई प द के सरि भक्त ॥ हे दा ज्यु ति मि त वुवा का का
न मा न्या म्यो र हे न छो ॥ ग्या क्रा ला ई स्वा मि मा ये व टो लु ग्या पा को र स्वा क्त ॥ मे ले त व रु क्त स मा य ति क्त ॥ न न्या को मे ले स्वा म्या को छ

राम
१६

हे नृहस्रभनिदेवायोरा॥ विक्रमकेसरभक्त॥ हे भाष्यदेवशि॥ यो कुलबहुकुलमावति होईन॥ बहुकुलमावति कुल॥ मे
लेल्यायाको॥ हे भन्योरदेवापदि॥ भावसमीपमनमाचिताउल्लागो॥ मवमवुवाज्युलाईकसोगरि॥ दुसरेनगर
भनिसुतीमातिवस्यो॥ केरिमनमाचितायो॥ प्राजुरातिदाज्युसुतामा॥ माहलारयोकुलमावतिकुलदिये रजानुपयो॥ भनि
मनमाचितायो॥ तसेगयो॥ दाज्युसुतिरहाप्रगयेर॥ बहुलेहान्योआयो॥ बहुकुलमावतिकुललिये॥ रातरतगरिगयो
हंदेवि॥ एकरात्रिलेयालवाईनर॥ बडासकगरिरुनलागिन॥ हेरानितप्राहमात्यामिलाईमारिगयो॥ उठभनिउठाउनला
गिर॥ बहुकुलमावतिलेभनलागिन॥ हेरानिहोतिमिहसुधमानमान॥ योजीयावुनउपाईमेलेंजान्याको॥ भनिजिभनिवि
याजान्याको॥ भनिर॥ विक्रमकेसरिलाईनगाई॥ सर्वेरात्रिभयारग्यानदसित॥ प्राकृतदेसमात्रादारा॥ दवार्मा
त्राकृतवुवाज्युलाईसेवाउंडवतगयो॥ तवश्रीराजाविक्रमाजितम्राग्यागईन॥ हेविक्रमकेसरि॥ तेराभाईलेबहुकुलमा
वतिकुलल्यायो॥ हस्रोउद्धारगयो॥ तेलेतत्राकुलाईत्वाक्षिमावेलिनगयाको॥ हेहस्रभन्यो॥ मेरोदेरातपद्वकेसरि
मात्रेहो॥ योलिगयाकोपुन्यापोभन्यार॥ विक्रमकेसरिलेदुखमानिकन॥ रुदेरुदेविंतिगनलाग्यो॥ हेवुवाज्युहगुलेक्या
कराग्याभयो॥ योकुलमेलेपोल्यायाकोहो॥ दुसोगरिहोभन्यो॥ वनमायासगरीउरा॥ रात्रिसुतिरहामा॥ भाईहेकपद
गरिमलाईमायो॥ योकुलल्यायाकोहोभन्यार॥ राजाहंसेरभनलाग्यो॥ हेहोरातंमयाकोजांहांकसोगरि॥ भाईहस्रभन्यो
विक्रमकेसरिविंतिगईन॥ हेवुवाज्युमेराकुरानपत्याया॥ मवतकेगरिदेवाउलाहेनृहस्रभन्यो॥ तेतोपद्वेपरावपुन्या
रा॥ मनकोचाभुकलेहान्यार॥ बहुकुलमावतिकुलकुल्यो॥ राजालेदेवा॥ रात्रिभयेरभनलाग्या॥ हेविक्रमकेसरित
जलोपराक्रमिदेसमारहेन॥ मवउपान्न॥ मराजाथिजा॥ मवदसदेसको॥ राजाईतलाईभयो॥ प्राकृतराज्येकोससा

वः ११७

रगरभन्या॥सुखसितदिनकाटेरवभ्राभयाध्या॥येतोयक्रमभया॥येसिंघासनमावस॥येतोयक्रमभया॥ये
षासनमावसुहुदेनभति॥॥येकपुत्रिकाउडिगई॥॥ईतित्रितिसेपुत्रिकाकथा॥३॥येरिभोजदेवराजासिंघासनमा
वसुभतिजादा॥नृकिपुत्रिकानिस्वरभनलागि॥हेभोजदेवराजा॥मेराकुनसुनिहससिंघासनमावसुहुदेनभति
पुत्रिकाभने॥कोहिसेकसमसेमा॥श्रीराजाविजुमाजितकोहोरा॥पद्मकेसरिरहेछ॥एकदिनपद्मकेसरिले॥आफ्रावा
याहेउधितिगईर॥हेवावाज्यतपाईलेसभासावसेरा॥सबैकोन्याछिनिदिनुहुन्छ॥न्याछिनिदिन्याकाजछाडिदिनु
हुन्छ॥क्यानभन्या॥पंचमहापातकलागछ॥जोग्येगरिन्याछिनिदिमात॥बर्लाकपनिपर्लाकपनिधर्मपनिअन्यो
गरिन्याछिनिदिमात॥सातपुर्वाकोसत्तेनासहंछ॥भनिविंतिगई॥पद्मकेसरिकोकरसुनि॥श्रीराजाविजुमाजितहे
ग्याचर्यमानिकनभनलाग्यो॥हेरहेरमेराकोराकाकुलभन्यो॥आफ्राकोराकेरिनमानि॥सभासावसुलाइवस्यारपद्मके
सरिलेमनुमाचिताउनला॥अवमेराकुराजतिवावाज्यलेमानेनत॥येसाठाउमावसिक्याप्रयोन्नद्धभनीमनमाचितताग
रिदेसांतहो॥आहंदेधि॥कोहिदिनमातिर्यभूमनगरिठेरेदिनभयापछि॥येकदिनपद्मकेसरिलेभनलाग्यावुवाज्य
लेसदाकाहेन्याछिनिदिन्छनकि॥होमाभनिस्वरकिआयेरा॥संन्यासिकोभेकगरि॥आफ्रावावाकोचरिअहेनीमिले
सहरभित्रपस्यापछिरातपयोरा॥होकातमावासुवस्या॥धनिजालेपनिडाकानकोआलमात्रभिजगधिभ॥
नलाग्योहेगोसाई॥तिमिलेमेराहोकातमावासगयो॥अवभित्रआउभनिडाकिलग्यो॥आनुपिउनुदेयो॥॥
र॥भोजनगरायेरा॥पदेसितहिवस्यो॥येसवनिजाकोरसासरहेछ॥जेठितीकोकोठाउपनोतलामारहेछकाछि

राम
१७

काकोठा तनू तला मार रहे छु ॥ तैस दिन माने ठि मित स तन्या पालो रहे छु ॥ वनिजों स तन गद्या ॥ ला हाव छि ॥ कां छि तया हरी
मूर्की लोग न्या ग्राघोर ॥ तस खा छिले ह त प त ग रि ॥ बां दे ग ई र को ठा को द ई लो उ छारि दि ई र ॥ लोग्या लाई रा कि ल
गि ॥ को ठा भि त्र जा दा ॥ वाल ब के दा लाई सु ता ई रा व्या को र हे छु ॥ तैस लोग्या ले दे व्य न र ॥ कुल जोर म न्या भ नि अ
ब लोग्या भ न्क ॥ हे पा पिष्ट स्वा दित ॥ ते रा दु ब ले मि घे र ॥ प स वाल ब लाई मारि स र ॥ म लाई रा कि क न स लाई वा ल
ह त्या दे वा ई स ॥ अ व म क सो ग र भ न्यो र ॥ स्वा मि बु रु उ के ॥ हे प रु ष य स क रा मा ॥ नि मि ले कि कि मा नु प दे न भ नि
प्रि ति स ग ग्रा लिं ग न ग रि स त्या ॥ आ धा रा त भ या प छि उ यो र ॥ वा न पि उ न ग न्या र ॥ लोग्या भ न्क हे स्त्री ते ले घ
र को ॥ स त्या र न स ग रि हुं क त सो ग र भ न्यो र ॥ ग्रा क्रा ध र ग यो ॥ लोग्या ग या प छि ॥ म न्या को वाल ब लाई ॥ मु ष थो ई दि
यो ॥ व न र गा न ल लाई ॥ क वाल मा ग्रां ग मा ते ल लाई दि ई ॥ वे स वे स क प रा बो ठा ई क न ॥ जि उ दो वा ल ब छ ॥ म न्या
का रे ॥ ग्रा क्रा को रा लाई ॥ हा क या यो र फ त्या ई र ॥ ग्रा फु पा नि ग ई ॥ पा नि लि ई क न फ र्कि न्या उ दा ॥ हे छे रा हे छे रा भ नि
हा क पा ई न्या ई ॥ म न्या उ दा प नि सु ति मा त्रे र हं छु ॥ भ नि धे ग रि र ॥ पा नि को धे ला रा धि र ॥ भि त्र ग ई व डो ल क ग रि ते ई न मे रा छे
रा लाई क उ ना पा पिष्ट ले मारि ग यो ॥ अ ई ले सु ता ई ग या को वाल ब भ नि ॥ हं दे हं दे भ न ल ला गि ॥ हे पा पिष्ट दि दे ति मि ले मे रा
छे रा लाई मारि भा गि स्य ॥ भ नि ह न ला गि ॥ त व ज्ये ठि स उ ता भ न्क ॥ हे पा पिष्ट स्वा दित ॥ मे ले ते रा को रा ॥ मा या को ई न
ते रा को मे रो को रा हो ॥ म क सो ग रि मा त ल ला ॥ तैस वाल ब ला कान मा त ल ला भ नि र ॥ दु व्य मा नि रुं दे रुं दे ॥ भ न ल ला गि

वः स
॥१८॥

येठि
काहे

लो ग्या बाहिनायेर १ स्वास्त्रि लाई वै गछ ॥ हे पापिष्ट स्वास्त्रि हो ॥ सो वालन व छोरालाई ॥ कसो गरिमा यो ॥ उको छोर भ
पापनि ॥ तेरो छोर भ पापनि ॥ मेरो होई नका ॥ तिमि हरु ले कसो पायो र मा यो भनि ॥ जेठि स्वास्त्रि लाई वै गयो ॥ हे पापि
ष्ट स्वास्त्रि हो ॥ जेठि पाप कुरा दवी र बाट सुन्या पछि ॥ ह सो नि उधन सर्वस्य गन्या छ ॥ भनि सुती माति वस्यो ॥ बाह देधि
कां छि स्वास्त्रि भन्ने ॥ म्रवम कान बु पलायु ॥ राजा का हनुर मा जाई विंति गह भनि र गरी ॥ राजा का सभा पापु गिर
विंति गछे ॥ हे पांच हो मेरा विंती सुनु हवस्य ॥ भनिक हन लागि ॥ हे पांच हो मेरो छोर ॥ म्रन्या माने ठि सो ता ले म्रारि दि
हि जो भन्या लो ग्या को ॥ जेठि सित सुत न्या पा ले थियो ॥ बहि सुत न गयो र ॥ मेले म्र पुरा छोरालाई ॥ कसो म्र पुरा
सुति र त्यो थो ॥ रात विस्वा यो र ॥ छोरालाई सुता येर ॥ म्र पानि लिन गजा ॥ कर्कि म्र पुरा हे दी ॥ वालन व म्रारि दियो ॥
म्र पानि लिन जा दा ॥ म्र रुको हि थियो नर ॥ जेठि मात्रे थि म्र रुक स ले माली ॥ तस म्र थ जेठि ले मारि ॥ मेरो म्र द्यो
रालाई ॥ ते मेले मारि दियो ॥ हे न्या धारि हो तिमि हरु ले ॥ धर्म न छेडि कन ह मो ॥ न्या छि निदिनु हवस्य ॥ भनि विंती
गरि ॥ तव विचारि पांच हरु ले ॥ जेठि लाई म्र काति र लगे र सुध्या उछन ॥ हे स्त्री जन तिमि रुको कुरा क सो हो ॥ भन्यो र
जेठि स्वास्त्रि भन्ने ॥ हे न्या धारि पांच हो ॥ म्र विंति गछु सुनु हवस्य ॥ भनिक हन लागि ॥ ते स स्वास्त्रि ले नह दो गारि म्र पटि क ला रा भ
काहे होला ॥ देउ ता देव न्या छ ॥ म्र जु वालन व म्रारि स भनि म्र पटि क ला येर ॥ रुग राग न म्रारि र हि छ बठि म्रारि देव दे
ये म्र क सि पापि नि थि जां र ॥ वालन ह त्या ग दी रु भनि ॥ हे पांच स त्य धर्म न छेडि हा मो न्या छि निदिनु हवस्य भन्यो र

निगिरी॥ सभा का पाच हूँ ले॥ साक्षि को कुरा सुनिकन॥ जेठि चाहि लाई॥ येका तिर वस भनि॥ पठाया॥ फेरि कान्छि
लाई जकेर॥ सभा का पाच हूँ ले सुध्याया॥ हे स्त्री जन हं मिले भन्या जलो॥ तेले गर्न सक्या तेरा कुरा सां चोर हे छुन त
क्या रुठि रहि छुस॥ क्या कुरा भन्या आंग मा वसुन राखि॥ येस सभा माना चन सक्या॥ तेरो कुरा सां चोर हे छुस न सक्या
मात्रे कुठो होली सभन्दा॥ सभा पति को कुरा सुनिकन स्त्री भन्छे॥ हे पांच हो तेति गर्न मस कुं ला भनि॥ फेरि ये छिला
ई जकेर सोध्या॥ हे स्त्री जन तेले॥ येक कुरा गर्न सक्या तेरो कुरा सां चोर हे छु॥ क्या कुरा भन्या॥ आंग मा वसुन राखि नां भो
भयेर॥ येस सभा माना चोर॥ जो ना चन सकला॥ उको कुरा सहि होला॥ नाचन सक्या तत्रो कुरा रुठ होला भनि विचा
रि रह ले भन्दा॥ जेठि साक्षि भन्छे॥ हे सभा पति पंच हो॥ ग्रह न्या छे नक्या ये सो न्या दिन्छे॥ वरु हे पंच मलाई न्या करा
हि पा निगिरी॥ येति मा येक न्या हालि दिनु हुन्छत॥ मत धारे हुं॥ नां गि भे नाचनु सक देन॥ तई ले सारि सभ न्या॥ हा
न्या॥ जो त मोई छ्या छ सो गर॥ साक्षु भया साक्षु हवस॥ राखनु भया राख॥ ग्रह न्या भन्या त धारे हुं॥ तस न्या मा भन्या स
कु छे न भनि॥ सभा पति पंच रह ले वडि पालो ज न्यो॥ कांछि चाहि लाई जकेर भन्न लाग्यो॥ हे स्त्री जन अघि भन को कुरा
ग्रह न्या पक्षु येला भयो भन्दा॥ तेस साक्षि ले पति॥ अघि भन्यो ज सोगरि कन॥ हत पत चोला पछे उरा छोरा ईरा॥ क
फेरि गुनि जा छोडा ईरा॥ नां गि कुनुला गिधि॥ तमे सभा का पांच॥ विचारि ले भन्न लाग्यो॥ हे स्त्री जन तेरो तलाज रुलाई गये
छ॥ तके न सर्म पति रह न छ॥ न सन्त्र भले तेरा वाहि र अर्को पोई रहे छ॥ त्यो काल मा मैले मान्या को रहे छ॥ अर्को लाई वनाला

लामेर॥ रगरगर्गस॥ तैलेवाहलवमायाकोसांयोरहेक॥ तैलेहारिसभन्योस॥ ननुचाहिउक्तोलेग्याछ॥
 उमेलाईडाकेरविचारिभक्त॥ हेवनिजांतेराकांछिस्वास्मिले॥ वालवमाकोसांयोरहेक॥ रस्याहिल्याईच॥
 वःस रमा॥ राधनुजोग्येहेनभन्योर॥ वनिजांलेपनिपांचरुकाकुरामानि॥ कांछिस्वास्मिल्याईधवायेयतात॥
 ॥१०॥ संन्यासिकोभेकगरिवस्याका॥ पदकेसरिलेयोवतातहेरिरलोयो॥ नसाकोतसैगरिन्याछिनिदिया॥
 आक्रावुवाज्युकोपाउमाठोगदिसेर॥ पदकेसरिलेविंतिगर्क॥ हेवुवाज्युधन२तपाई॥ नसाकोतसैगरिन्याछि
 निदिनुभयो॥ मेलेतेसस्वास्मिकोवरिवदेव्यायां॥ कसोभन्यामसस्वास्मिकोबाहिरको॥ लोग्याचाउदानदेविकनपुजे
 रमयो॥ बाहोंदेधि॥ लोग्यालेवहुतेफिकिमायोर॥ तेसस्वास्मिलेवहुतेतरहसितवुहाईर॥ विंतिगरिकनवत्यार
 रातमालोग्याआक्राघरमागयो॥ रातविद्यापैछिःनेठिसउतालाई॥ मेलेकोरामारिदिईसभनिरगरगर्गन्याईयो
 पाविष्टस्वास्मिलेमायाकोसांयोहो॥ भनीपदकेसरिलेविंतिगयो॥ हेवुवाज्युसभन्यातपाईकोपुत्रपदकेसरिले
 तपाईकोन्यानित्रिकसोगरिछिनिदिनुहुन्छभनि॥ हेनप्राप्ताकोहोभनिविंतिगयो॥ बाहोंदेधि॥ श्रीराजाविजमा
 जितले॥ आक्राकोराविदेसगयाको॥ ग्राईपुग्याभनिमहासुसिभेकन॥ प्रानरसितवद्याभयाथां॥ तसवेलाभा॥
 आक्राजैठिस्वास्मिल्याईडाकिघरलग्यो॥ यसायाधारि॥ श्रीराजाविक्रमाजितकासिंघासनमा॥ हेभोजदेवराजाति
 भिवहनुजोग्येहेनभनि॥ उत्रिकायेकउर्दिभई॥ इतिचतुर्थपुत्रिकायाहा॥४॥ केरियेकपुत्रिकानिस्वोरभनेलागि

राम

॥१०॥

राजा

भोज देवराजा ॥ भेले पूर्व का लका कथा कहनु सुनु हवत् ॥ मेरा कुरान सुनिधु ससिं घासनमा ॥ वहुं देन भनि
राजा ॥ पुत्रिका कथा कहन लागि ॥ सिमंत क भन्या को सेकन गरि थियो ॥ तस नगर को राजा ॥ रत के तु भन्या का ॥
थिमा ॥ रानिको ना उभन्या मद नारहे छ ॥ ई नरु का छोरा छोरि के हिरहे न छ ॥ महासुता मानिकन ॥ राजा
थि के उगयो ॥ श्री ३ महादेव को पुजा आराधना गरे ॥ पति पुत्र भये न ॥ फकिं चा उदा ॥ तसे राजा को वारिका
रववार ॥ मालिन ले भेयो ॥ राजा को दर्शन गयो ॥ मालिन विंति गछ ॥ हे महाराज हमा वारिमा ॥ प्रतेक फल फ
लिरहा को थियो ॥ चोर ले चोरि सक्यो ॥ अब तो चोर लाई ॥ कसो गर्न्या हो भनि विंति गयो ॥ मालिन को कुरा सुनि ॥ रा
जा ले प्राग्या गर्छ ॥ हे मालि ते स चोर लाई जसो गरि रुन्छ ॥ तसो गरि स माति ॥ तेरो मनो गगर भनि राजा ले भन्यो
मालि ले राजा को प्राग्या मानि रि सित जादा ॥ राजा ले देव्यारहा स्या ॥ यां हां देखि ॥ रात पयो ॥ राजा ले प्राग्या म
त्रि लाई बोलायो ॥ राजा भन्छ ॥ हे बुद्धि वर मंत्रि हं मि २ जना ॥ हा मा फल वारिमा जा उभन्यो ॥ मंत्रि ले हवत्
भन्यो ॥ रात पन्या पछि ॥ राजा मंत्रि फल वारि हेर्न गयो ॥ तसा समयमा ॥ मालि रुहले चाल पायो ॥ चोर आ
यो भनि मन मा चिनायो ॥ हात मा धनु कलियो ॥ तिर ले हां न्यो ॥ राजा लाई लायो ॥ राजा मन्यो ॥ यां हां देखि
मालि दुइ गुर्दे २ गयो ॥ हे राजा का छातिमा ॥ तिर लाग्यो को देख्यो ॥ मालि दर्ल भाग्यो ॥ तसा समयमा मंत्रि ले ॥
मालि लाई डाकेर भन्यो ॥ हे मालि जनि भाग ॥ तर मव सिम नो गह भनि गकदा ॥ मालि ले सुन्यो ॥ फकिं मंत्रि के उ

वः स
॥२०॥

मामो॥ मंत्रिभक्त॥ हेमालिबोको तेने कते कहनु छैन॥ तलाई मैले राजा तुल्याई राखुं लाभन्यो॥ जो मयाको
राजा लाई॥ तहि गारि राख्यो॥ ते स्यालिलाई डाकेर॥ प्राक्राधर त्याघर भन्यो॥ हेमालि तयहि वत्स॥ मर्कट॥
जाकु भन्यो॥ प्राफुदवी रगघोर॥ रनिवस्या काकोठा मागघर॥ मंत्रिभक्त॥ हेरानि तिमिलाई॥ केरि रानि
हुनु मक्तु दिछेन॥ रानि हुनु मनु भया॥ मेरो विंति सुनु हवत्स॥ क्या कारन भन्या॥ हा मारा जाहि जो रानि मयो
राजा कसो गरि मयो भन्या॥ हमा फलवारि कोचिताई दार मालिले॥ राजा के उचिंति गयो॥ हेमा हारा जहजुर
लाई॥ सुसिगरा उला भनि॥ अनेक नाना तरहको॥ फल वधे चामालाई राख्यो कोचियो॥ ला फल चोर चोरि ले
सक नलाग्यो॥ कसो गन्या हो भनि विंति गदी॥ राजा ले भन्यो॥ हेमालि ते सचो रलाई समा तनु सक्का॥ तेरो सु
सग न्यास भनि राजा ले प्राग्पाग न्याथां॥ मालि रिसा परा॥ वारिमा रषवार वस्त्र गयो॥ बां हां देधि॥ मलाई रा
जा ले डाकेर भन्यो॥ हेमंत्रि मारा रानि वधे चामा॥ फल हेर्न जाउ भन्यो॥ मलाई डाकिले गयो॥ वधे चामा फल हेर्नु
तलायि चमा॥ मालिले चोर हो भनि ठानेर॥ तिरले हा न्यो र राजा मया॥ सुव कसो गन्या हो॥ मेले तय स्रो वुझां॥ क
सो भन्या तसे मालिक न॥ राजा तुल्याउ॥ ते सलाई राजा न तुल्या पात॥ धाव वस्त्र की राजा ले चाल पाया देधि॥ हा
मारा न्ये पनि॥ मर्कट राजा ले लेला॥ तत्कारन ये मालिक न॥ राजा तुल्या उनु पन्यो भनि॥ मंत्रिले भन्या॥ रानि भ
क्तु न॥ हेमंत्रि तिमिले हेरि वुझि॥ जसो गरि हुन्छ तसो गर भनिरा॥ केरि मंत्रि विंति गछु॥ हेरानि क्या न भन्या

ले
राम
२०

राजे को रक्षा गर्नी निमित्ते ॥ यो कार्य गन्या को हो भयो ॥ मालिक न राखि ल्यायो ॥ कसे चाल न पाई केन ॥ दवी र माले
 गयो र राख्यो ॥ बाहो देखि ॥ महिना ५ ॥ सम्म पति ॥ राजा को दर्शन न पाई केन ॥ प्रजा पांच हरु सबै था दुलो भये ॥ मंत्रि
 से उच्चर्जि गर्नु गयो ॥ हे मंत्रि ह्मा राजा को दर्शन न पा माहे रे भयो ॥ क्या कार न हो को भयो ॥ ह्मा दुख सुख को कुरा ॥ को
 ल विंति गन्या ठा उपनि केन ॥ भनि पांच हरु ले विंति गर्दी ॥ मंत्रि भन्नु हे पांच मक हन्नु सुन ॥ ह्मा राजा लाई भन्या ॥ व
 से वे था ला ग्या को कुरा ॥ दर्शन न दिया को हो ॥ न्नु व वढि स्या त हे राये ॥ दर्शन गराउ ला भनि ॥ पांच हरु लाई वाति जा मा
 गरि पठा यो ॥ बाहो देखि ॥ एक दिन वढि न हो व वार तिथि योग हे रि ॥ पांच हरु लाई वा दुलो गरि ॥ नाच किर्त मंगल वनाये ॥ रा
 जा को दर्शन गरा यो ॥ बाहो देखि ॥ युम युम उमरा हरु बना ॥ पथक २ गरिक न रा जा लाई चिह्या यो ॥ बाहो देखि ॥ ते स स जाला
 ई पांच ले देव्या ॥ मुखा मुख गन्या र भन्य ला ग्या ॥ त्यो त ह्मा राजा हो ई न ॥ त्यो त मालि जस्तो छ भनि ॥ माफ् माफ् कुरा गये
 क तिले भन्या विरामि भयो र यो ॥ र सो भयो भनि कुरा गन्या ॥ माफ् माफ् र गन्या ॥ बाहो देखि ॥ ते स मालि ले हे रे दिनु ॥ राजे के
 भोगे गन्या ॥ एक दिन मालि राजा भन्नु ॥ हे मंत्रि ते ले मलाई क्या मर्थ ले ॥ स लाम गदै न स ॥ मलाई स लाम गन्या मेरा ज्ये मा
 वस ॥ स लाम न गन्या मेरा गन्ये मा ॥ बह्म हुदै न भनि धया यो ॥ मंत्रि मन मा चि ना यो र भन्नु ॥ ये स राजा लाई क त्यो गरि
 थो गदिउ ॥ वरु दे स छो डि जाला भन्यो ॥ मन मा दुख मान्यो ॥ मंत्रि ले दे स छो डि हि ड्यो ॥ बाहो देखि ॥ जा दा २ ये क स मु
 का तिर पुग्यो ॥ न्नु व क ता जो हो भनि ॥ समुद्र का तिरै तिर जा दा २ ॥ समुद्र मा न्नु तिसुन्द चं पा को ॥ फल वगाई ल्या पा को
 दे ये ॥ त्यो फल लिये र हि दी हि दी ॥ न्नु की राजा को दे स मा पुग्यो ॥ मंत्रि ले चं पा को फल च हां यो ॥ राजा को दर्शन गयो ॥

वः स
॥११॥

राजा लेखनि चंद्राको कुललि पेर ॥ आक्रामा यमाला मोर ॥ बोइ सुवर्ष को नुवान भयात ॥ आचर्य्य भया को हो भनि ॥ राजा भ
 न्न ॥ मो आचर्य्य को कुल ॥ को हो वाट त्यायो ॥ हे महा ब्रुहति मि को हो ॥ को हो वाट त्यायो भनितो ध्या ॥ मंत्रि भक्त हे महा राज ॥ म
 भन्या बुद्धि बर्म विरु ॥ भनि विंति गर्दा ॥ राजा महा बुद्धि भये ॥ आक्रामा ज्ये को मंत्रि तुई राव्या ॥ राजा मंत्रि बुद्धि बर्ले ॥ आक्रामा ज्ये
 सत्पार गरि ॥ आन नुसित बदा भया ॥ को हो देधि ॥ को हि ये क दिन मारा जा छे ॥ राजा निविंति गर्दिन ॥ हे महा राज ॥ तपा ई व द्रु वुढा
 को ॥ सुंदर नुवान मया ॥ म भन्या ये लि धिर ला गि बुद्धि या भई रसा कु ॥ प्रवम यनित त निरुक्त मरानि मि ले ॥ मंत्रि लाई चं पा
 को कुल लिन पठा उन रुय स ॥ यो कुल न त्या उ ज्वा ल ॥ मे ले प्र न वानु के न भनि ॥ मना ह्य वसि न ॥ को हो देधि ॥ राजा को कु रा सु
 नि ॥ राजा भक्त न ॥ हे बुद्धि बर्म मंत्रि ॥ मे रिरा नि ले चं पा को ॥ कुल पाई न भनि ॥ मना ह्य वसि रहि छि न ॥ मंत्रि मि ले यो कुल त्या
 ई दि नु व न्यो भनि ॥ मंत्रि लाई विदा दिदा ॥ को हो देधि ॥ मंत्रि ले वनि महा संकष्ट गा हो मानिक न हि द्या ॥ नादा र म मनु का ति र मा पु
 ग्यो ॥ म मनु का ति र ति रे ॥ कुल यो न दे जा दा ॥ एक पर्व त भे द्यो र ॥ यो पर्व त च हि जा दा ॥ एक बडो पानि को तला उ दे ध्यो र ॥ त स
 तला उ मा ॥ श्री महा देव को लिंग रहे छ ॥ लिंग का प्र धि ति र ॥ एक फला म को त्रि सु ल रहे छ ॥ यो त्रि सु ल ले ॥ मालि राजा को पे
 ट मा ॥ आर पार गरि उ ता नु पारि राव्या को रहे छ ॥ ने तो गरि राव्या को ॥ बुद्धि बर्म वि ले दे ध्यो र ॥ आचर्य्य मानिक न ॥ मन मा चि ता
 यो ॥ यो मालि क तो गरि जा हां आ यो भनि ॥ आचर्य्य मानि व द्या ॥ आ का स वा नि भक्त न ॥ म भन्या महा देव हुं त आ मा को ॥ का ज मे ले
 जान्या को छ ॥ बि स्तार म हि कु ल न ॥ भन्या र क ह न ला ग्या ॥ ते त्या लि ले मे रो ब हु ने त प त्या ग यो र ॥ त प त्या का फ ल ले ॥ ते त्या लि ला
 ई ॥ राजा तु त्या ई राव्या को ॥ मे ले तु त्या मा को राजा हो ई न ॥ न क किं जा ये र ॥ यो मालि लाई स ला म गर ॥ त लाई ब हु त मा न्ये हो ला
 भनि ॥ आ का स वा नि भई ॥ श्री महा देव ले आ ग्या ग न्या ॥ को हो देधि ॥ मंत्रि ले प र म्भ र आ का स वा नि को ॥ आ ग्या मानिक न ॥ मे

रा म
२५

कथमाचं पाको फलति यो ॥ कर्कि आउदा ॥ आक्रा देस मा आइ पुथोरा ॥ राजा का हजुर मा ॥ ये कथमाचं पाको फल रा के र ॥
स न ग योरा ॥ मंत्रि भन्नु ॥ हे मा राजा हजुर लाई ॥ भैले रा जा तुल्या पाको हो ॥ भनि मेरा मन मा थियो ॥ भैले तुल्या पाको हो ॥
हुन्या रहे न हो ॥ जो हांति मिले तव स्या गरि ॥ राजाई पासा ठाउ मा ॥ भैले देखि आसां भनिक होरा ॥ फेरि राजा को दर्श भयो ॥
॥ जो हां देखि ॥ राजा भन्नु ॥ न सो गरि सुधि रा जे को ॥ रक्षा गरि स त मे गरि ॥ ये स राजे को रक्षा गरि निक न ॥ कजाई रिया ॥
राजा मंत्रि को महा पति गरि बद्धा भया ॥ ये सा पराक्रमि राजा लाई पनि ॥ जिते रा जे लिन्या ॥ ये सा पराक्रमि श्री राजा ॥
क्रमाजित का सिंघासन मा ॥ तिमिले वहु जो गे छैन भनि ॥ पुत्रिका से का उडि गई ॥ ॥ इति वं वम पुत्रिका कथा ॥ ५ ॥ फेरि
ये क पुत्रिका निस्कोर भन्नु लागि ॥ हे भोज देव राजा ॥ मेरा कुरान सुनिक न ॥ ये स सिंघासन मा वहु हु देन भनि ॥ पुत्रिका
ले क मा कहन लागि ॥ कोहि परा पुर्व स भये मा ॥ श्री राजा विक्रमाजित का ॥ श्री दुई रखा छन ॥ ये क रानि ॥ ये क भि आनि रहे छ
राजा को पिछा ॥ भि आनि रहे छ ॥ ये क दिन भि आनि ले ॥ राजा के उ बिंति गरि ॥ हे मा हारा न ॥ त पाई कि रानि ले ॥ आक्रा राजा
गराउ ला भनि ॥ मोहनि मंत्र गरि ॥ ना सिदि पाको छ ॥ भनि चुकि गरि रा ॥ राजा ले भि आनि को ॥ कुरा सुनिक न रिसा मार
रानि लाई दर्वा र देखि ॥ तिका सिदि पार ॥ भया मा ॥ आह देखि ॥ तानि ले भनि प्रवम का हां जां ॥ क सो गरु भनि ॥ मन मा चिन्ता
गरि कन ॥ मंत्रि के उ जाये रहन लागि ॥ मंत्रि विंति गरि ॥ हे महारा नि ॥ त पाई न गउ नु हव स ॥ मेरा घर मा पाउ ला नु हव भ
निक न नु माये ॥ आक्रा घर ग कि ले ग योरा ॥ मंत्रि ले आक्रा मा हा तारि जु लाई डा के र ॥ आह उ छ ॥ हे महारा नि जु नि मिले
रा नि जा हां छ भनिक से लाई कहनु छैन ॥ योरा नि लाई यानु ॥ लाय नु मान बे क ॥ आह उ ॥ ई न को वहु ते स ह्यार गरि रा का ॥ भ

यो ॥ नारायणरिलेपनि ॥ तसे गरिराधि ॥ बां होंदे धि ॥ २१३ वर्ष भयापछि ॥ येक दिन राजा हं नरमा ॥ न दुष्टा को ना चलाये ॥
जे च न्याय विद्या देवी कन ॥ राजा मुंडा पया ॥ काम देव का पिडा ले ॥ सहित कन भये नर ॥ प्राक्का मंत्रिलाई डाके ॥ राजा
॥ वः स ॥ भक्त ॥ हे मंत्रि मेरा जिय को रक्षा गर्न भया ॥ ते स पत्रिया लाई ॥ संभोग गर्न न पाया ॥ मेरा प्राण रह न्या केन ॥ भनि
॥ २२ ॥ राजा ले भया ॥ मंत्रिले चिंति गई ॥ हे माहाराज ॥ ते स पत्रियाई मडा कि ल्या उलार ॥ तिमि संभोग गौला ॥ हं नर ले किं कि न मानु
हं वः ॥ राजा लाई बुझाया ॥ मंत्रि प्राक्का घर गयो ॥ प्राक्कि ल्या लाई डाकि कन भक्त ॥ हे कलावति प्राज ॥ रानिलाई सो रुसि धा
र गरि दे ॥ भनि सुहायो ॥ कलावति लेपनि ॥ प्राक्का त्यामि दो ॥ आग्या मानिरा ॥ सो रुसि धा गरि दिन लागि ॥ नाना सुगंध हाति
यनाया को बुकवा लाई दिं ॥ कपाल को रिसि डर लाई दिं ॥ नाना तरह का गहं ना लाई दिं ॥ बेस बेस जरि न गव को पोसा क ॥ लाउन
दिये ॥ सो रुसि धा र गरि राव्यो ॥ बां होंदे धि ॥ रात प न्या पछि ॥ रानिलाई डाकि लग्यार ॥ राजा के उपत्रिया लाई ॥ डाकि ल्या जों भ
नि चिंति गयो ॥ अध्या रा को ठामा भेट गरया ॥ राजा ले संभोग गर्न लाग्या ॥ मंत्रिले मितिले ध्यो ॥ त्रयोदसि म गसिरा नक्षेत्र ॥
सो मवार ॥ येला दिन मा ॥ राजा रानि को भेट नयो भनिले धिराव्यो ॥ बां होंदे धि ॥ रानि को गर्भ भयो ॥ तौ दस मेरा भयापछि ॥ रानिला
ई पुत्र जनयो ॥ कलो भन्या सुत सुदर ॥ सुति भागे मानि ॥ राजलक्षिन ले जुक्त भया को ॥ यो लोया लख जन नयो ॥ मंत्रिले हे न्यो
रा ॥ वतिस लक्षिन ले ॥ संजुक्त भया को देख्यो ॥ मंत्रिले महा हर्ष मानि कन ॥ बालव को पर्यम नाम कर्म निमित्ये ॥ बडा बडा जान ॥ राम
न्याय शिखर ॥ मानु बह ल्यति रुन ॥ भन्या जलाया सन कन ॥ निमंत्रना गर्न पठायो ॥ पणित रह न्यायो ॥ मंत्रिलाई आसि री ॥ २२ ॥
गया ॥ बां होंदे धि ॥ मंत्रि भक्त ॥ हे ज्ञानधारि पणित हो ॥ मेरा नानि को नाम कर्म गरि दिनु हवः ॥ ये स बालव को नाउ ॥ जुन्या ल्या
मानुई ॥ स्वसास्र काम ले ॥ नाम राखि देउ भनि मंत्रिले भया ॥ मंत्रि को कुरा सुनि कन ॥ पणित ने सि ह ह ले ॥ सास्र हे न्यो ॥

सुख काम त लेना उगव्या ॥ ये सवाल ब को ना उ ॥ विक्रम के सरि भनि ना उगव्या ॥ बां हां देधि ॥ राजा को ना उ सि त मिला रखा ॥
नि ॥ राजा ले के हि गला भनि ॥ चडा बडा पण्डित जे सि ॥ बालन रह ले दर्मान्या ॥ अध्यारो मुख गरि रह दा ॥ मंत्रिले देव्या ॥
हे पण्डित बालन हो ॥ तिमि हल कान उरा उछे ॥ तिमि हल लाई राजा ले इरा ग न्या ॥ मति हला सा सि ग न्या मस हला नि मि
हल ले फि कि मा नु पदे न ॥ भनि मंत्रिले बुझा पार ॥ बालन रह ले ॥ दक्षिना लि पार ॥ आक्रान्ता क्रा घट ग मा ॥ बां हां देधि ॥
पांच बस भया पछि ॥ साख विद्या सि का या ॥ बां हां देधि ॥ साख विद्या सि का या ॥ दुई विद्या सि का या पछि ॥ जुवान भयो र ॥
बां हां देधि ॥ मेक दिन राजा भन्यु न ॥ हे मंत्रि ते राजा निलाई ॥ कान म के उल्ला उदे न स ॥ ते राजा निलाई म के उ ॥ ह्यो उ न्या ग
र भन्यु ॥ मंत्रि विंति गर्क ॥ हे महा राज मे राजा नि ॥ हजु की से बक हो ॥ ये क बे स दिन हे राये र ॥ त पाई को दर्सन गरा उ नु ल्या उ
ला भनि ॥ श्री राजा विक्रमा जित का ॥ हजु र मा मंत्रिले विंति ग न्यो ॥ बां हां देधि ॥ वे स दिन हे राये र ॥ विक्रम के सरि लाई ल्या
पार ॥ श्री राजा विक्रमा जित को ॥ दर्सन गराये र ॥ ते सवाल ब देधि ॥ श्री राजा विक्रमा जित ले ॥ प्राच्य मान्या ॥ प्राग्या ग
क न ॥ हे मंत्रि ते राजा नि को ना उ का हो ॥ भनि सो ध्या र ॥ मंत्रि विंति गर्क ॥ हे महा राज ॥ मे को ना उ भन्या ॥ विक्रम के सरि हो भ ॥
निक स्या र ॥ राजा का म न मा चि नाये ॥ मे राजा उ सि त मिलाई राये र ॥ भनि राजा जलिक विषु सि भया ॥ बां हां देधि ॥ रा ॥
जा विक्रमा जित ॥ प्राग्या ग क न ॥ हे विक्रम के सरि ॥ न दे ये क ये क फे रा ॥ म सित न्या उ न्या ग भ न्यो ॥ बां हां देधि ॥ दि न दि
ने ॥ विक्रम के सरि ले ॥ राजा को दर्सन गर्न लाये र ॥ मेक दिन राजा ले भन्यो ॥ हे विक्रम के सरि ॥ मजा हां न ज्यो उ न्या ल
न ये हि व सि र स्या स ॥ भन्यार ॥ राजा दवी र भि त्र ग मा ॥ बां हां देधि ॥ तिन पहर दिन जा दा प नि ॥ राजा ये रा यान न र प नि नि

कम के सरि बहिर सि रह्यो ॥ तब मंत्रिले ॥ विक्रम के सरि ॥ आये न भनि ॥ मवर्ग न गयो ॥ मंत्रि भक्त ॥ हे विक्रम के सरि ॥ तिन
 पहर गयो ॥ यनि ॥ कान थ आये न भन्दा ॥ विक्रम के सरि भक्त ॥ हे मंत्रि ॥ महाराजा ले मन आ उ ज्यो ॥ त ये हि वसि रह्यो ॥
 ॥ वः सः ॥ भनि आया भसा को छ ॥ बसि ह्यो ॥ तत्कारन ले न आया को हो ॥ भनि पठा यो ॥ सां हां देधि ॥ रा त प यो र यनि त हि वसि रह्यो ॥ रा
 ॥ २३ ॥ त को प्रथम पहर मा ॥ पूर्व दिसा ॥ राक्षे सिरो या को सब ॥ श्री राजा विक्रम जि त ले सुन्यो ॥ आ प्रहा द्या लाई बोला या ॥ हे दा
 न्याः हार मा को छ भनि ॥ हाक पा न्यो ॥ विक्रम के सरिले महुं ॥ महाराज भन्यो ॥ त बरा जा भक्त ॥ पूर्व दिसा मा रो या को ॥ स
 द सुन्यो कि भनि सो ध्यो ॥ विक्रम के सरिले ॥ सुन्या मा हारा ज भन्यो ॥ यो रो न्या को हो ॥ महे न जा नु भनि ॥ हे न ग यो ॥
 ॥ सां हां देधि ॥ को स ये क गं जि मि न ग यो ॥ हे दी प नि के हि दे ये न रा ॥ कर्कि आ यो ॥ ठो का मा वसि रह्यो ॥ के रि दो यो प ह
 र मा ॥ पश्चिम दिसा मा ॥ रो या को सब सुनि ॥ यो ह न्या को हो ॥ हे न जा उ भन्दा ॥ विक्रम के सरिले ॥ महुं मा हारा ज भन्यो ॥
 ॥ पश्चिम दिसा ति रा ॥ को स ये क जि मि न ग यो ॥ हे दी प नि के हि दे ये न रा ॥ कर्कि आ ये र ठो का मा वस्यो ॥ के रि ने यो प ह र
 मा ॥ उत्तर दिसा रो या को ॥ सब राजा ले सुन्यो ॥ भक्त ॥ तां हां ठो का मा ॥ को छ उत्तर दिसा ति रा ॥ रो या को सुनि ॥ यो ह न्या
 को हो ॥ हे न जा उ भन्यो ॥ विक्रम के सरिले ह व स भन्यो ॥ उत्तर दिसा ति रा ॥ को स ये क जि मि न ग यो ॥ हे दी प नि के हि दे ये
 न रा ॥ कर्कि आ ये र ठो का मा वस्यो ॥ के रि यो या प ह र मा ॥ दक्षिण दिसा ति रा ॥ रो या को सब राजा ले सुन्यो ॥ के रि सु
 ध्या उ छ ॥ ता हां ठो मा को को छ भन्दा ॥ विक्रम के सरिले ॥ महुं मा हारा ज भन्यो ॥ दक्षिण दिसा ति रा ॥ रो या को सब ॥ हे रि आ

उभन्योरा॥ दक्षिणादिपातिरा॥ कोसयेकजिमिनगमेरा॥ हेदीपनि केहिदेवेनर॥ कर्किआयेरठोका मायस्यापकि॥ राजालेभ
न्यो॥ हेविक्रमकेसरि॥ चारपहररातगमेरपनि॥ केहिववर्त्मावनुसकेनस॥ भन्योरा॥ विक्रमकेसरिसमीयेरा॥ राजालाईदे
हिभनसकेनरा॥ बांहांदेधि॥ केरिदक्षिणादिपातिरा॥ विक्रमकेसरिचारपांचकोस॥ जिमिनगईहेदी॥ एकमाहास्रधोर
वनपुग्योरा॥ वनकासांरुमा॥ येकवडोमूलो रुवरहेछ॥ तसरुखमा॥ येकम तुकरु राडाईराव्याकोरहेछ॥ तेसरुखकापे
दमावसि॥ राक्षेसिरुदिरहिछे॥ तेसठाउमापुग्योरा॥ राक्षेसिलार्ईसोध्या॥ हेस्त्रीजननिमिकोहो॥ कानतखुउभनिसोध्या
रा॥ राक्षेसिभने॥ हेमहापुरुष॥ एसरुखमाजुराडाईराव्याको॥ मुदीमेस्वामिहुन॥ तेसरुखवाटबोहालिदिघा॥ मेरात्या
मिकोसतगतगरिदिन्दुभनिरा॥ विक्रमकेसरिले॥ राक्षेसिकोकुरासुनि॥ रुखवाटमुदीबोहालिदिघा॥ आकुञ्चनि
कपरजाईलुकिरह्या॥ बांहांदेधि॥ तेसरक्षेसिलेमुदीलार्ई॥ कुरिलियेरकाटिकाटिबानलागि॥ तोदेधिविक्रमके
सरिले॥ आचर्यमानिकन॥ तेसलार्ईतमान्योहोभनि॥ मनमावित्तयेरा॥ तारपत्रकोछुइलेहान्योरा॥ दाहिनागोडाका
टिदिघोरा॥ गोडाबसार्ईभागिगई॥ गोडामालायाको॥ कठपाउयेकुलियेरा॥ आक्राघरफर्किआयो॥ बांहांदेधि॥ भोलिय
टराजाआक्राघटांगिनिमा॥ सभलार्ईयस्याकाधिया॥ तलासमसमा॥ विक्रमकेसरिपुग्यारा॥ राजाकोदर्शनगयो॥ बांहां
देधि॥ राजासुध्याउछुन॥ हेविक्रमकेसरि॥ हिजोरोन्याकोरहेछभनिसोध्यारा॥ विक्रमकेसरिजोभयाको॥ यतांतसवैकहेर
आकुलेल्याकोकठपाउ॥ राजाकाहजरमारामियो॥ राजालेकठपाउलिरहेन्या॥ कठपाउदेधि॥ महाकृष्णिभया॥ बांहां

व.स
॥२४॥

देवि॥ राजा भक्त न॥ हे विक्रम के सरि॥ यो क ठ पा उ तै ई ले॥ कों हां पाई ल्या ई स॥ भनिलो ध्या र॥ विक्रम के सरि ले॥ न्याः
कु ले जो गरि॥ या या को कु रो व ता त॥ राजा के उ विंति गर्न ला गो॥ हे महाराज॥ यो ठ पा उ हि जो रानि॥ प्रघोर स द ग
रि ह न्या॥ राजे सिले को डे र॥ भा गि गरि र मे ले ल्या यों॥ भनि स व वि तार क सार॥ विक्रम के सरि॥ या प्रघोर ग या॥ तां हां दे वि
श्री राजा विक्रम जित ले॥ विक्रम के सरि ला ई डा क प ठा या र॥ विक्रम के सरि र मंत्रि र जना॥ प्रघोर विंति गर्न॥ हे महाराज॥
का म र्जि ड क भ न्या॥ राजा या ग्या ड क॥ हे विक्रम के सरि॥ तै ले यो क ठ पा उ को॥ जो डा ल्या ई दि नु व यो भ न्या॥ मंत्रि विंति
गर्न॥ हे महाराज मंत्रि ग र्न॥ सु नु ह व स॥ ई ति ज्यो त मे ले न क हि रा य्या थों॥ या नु दे वि प्र द क्षे॥ प्र का ल गरि दि न्दु॥ हे म
हाराज॥ यो विक्रम के सरि॥ ह नु की छो रा हो ति नु व स॥ भनि मंत्रि ले भ न्यो र॥ राजा या ग्या ग र्न॥ हे मंत्रि॥ विक्रम के सरि मे
रो छो रा क सो गरि भ को॥ भनिलो ध्या॥ मंत्रि विंति गर्न॥ हे महाराज॥ ज उ ना दि न ह नु र मा॥ य वि या को ना च न चा उ रुः
भ यो थो॥ ते स प वि या दे वि॥ ह नु र ले चि न चं च ल ग र्नु भ यो थो॥ म ला ई डा क भ यो र॥ ते स प वि या ला ई डा किल्या॥ म स
भोग ग र्न॥ भनि या ग्या भ यो र॥ मे ले रा नि ला ई सो रु सि द्यार ग रि॥ त पा ई का ह नु र मा ल्या जा र॥ रा नि सि त नि मि स
भोग ग र्न॥ विक्रम के सरि र ज न म्या॥ त स का र न ले॥ यो विक्रम के सरि॥ ह नु र को हो॥ को ना ठा उ मा भ न्यी॥ या ग्या भ
मा॥ पु र्व दि सा का नु लं का॥ को ठा मा हो॥ ते स दि न को॥ नि यि वा र न क्षे त्र॥ मे ले॥ ले वि रा य्या को ह॥ हे नु ह व स भ नि दे वा यो
रा॥ जो भ या को स व व ता त॥ मंत्रि ले विंति ग यो॥ विक्रम के सरि ला ई स मा यो र॥ नु व स्ये ह नु र को॥ छो रा हो भ नि

रा
॥२४॥

राजाकोः काय मा राधिदियो ॥ यां हां देधि ॥ राजा प्रच्छन्न ॥ हेमं त्रिधं नेर ॥ तेरो वुद्धि ॥ मेरा संतान भियेन ॥ अथ मेरा सं
तान भयो भनि ॥ राजा सुभयार ॥ मंत्रि लाई सिर पाउ दिया ॥ मेरा दर्वा रको संपति रराजे ॥ तेरा लाई भयो भनि
राजाले भयो ॥ मंत्रि विंति गछ ॥ हजरका ॥ धर्म का प्रभावले ॥ हजरका संतान भयो ॥ भनि विंति गयो ॥ यां हां देधि ॥ विक्रम
केसरि विंति गछ ॥ हे वुवा ज्यु त पाई को भ्राग्या ॥ मेले लंघन गर्त होत ॥ म जानुं भयो र ॥ आराधना ज्यु का पाउ मा
दर्शन गरि विदा भै कनहि या ॥ यां हां देधि ॥ श्री राजा विक्रमाजित ॥ रोई कन वया भयो ॥ यां हां देधि ॥ विक्रम केसरि जादा
जादा ॥ एक महा प्रचो रयन मा पुग्या ॥ त्यो वन नाछि जादा ॥ एक बडा सरैया पुग्या ॥ तेरा सहकी ॥ राजा को होरि
ये कथियो ॥ तस्मै जां ले दिन दिने ॥ श्री माहा देव के पुजा ॥ आराधना गरि ॥ पुजा गरि सखा पछि वर्मा ऊं छि ॥ हे प
र मेरा सि ॥ श्री माहा देव मलाई ॥ श्री राज कुमार ॥ विक्रम केसरि स्वा मि पाउ भनि ॥ दिन का दिने पुजा गरि ॥ वर्मा ऊं
छि ॥ तब येक दिन मा ॥ श्री माहा देव ले ॥ तस्मै जां कन स्वया दिया ॥ हे कला रति ॥ तेरा भक्त देखि संतुष्ट भयो ॥ तलाई वर दान
दिनु ॥ तेरा वुवा ज्यु का देस मा ॥ हात मा धूलि पराउ न्या ॥ विक्रम केसरि तेहि हो ॥ तेरा सित तेरा विवाहा होला ॥ देस मा व
र गर्नु यठा ॥ विक्रम केसरि लाई भै रलास ॥ तस्मै राज कुमार सित ॥ विवाहा गन्या स भनि स्वप्ना मा ॥ श्री माहा देव ले वर्मा
न दिया ॥ कला रति मन मा चि वन लागि ॥ मेले पर मे श्वोर को भक्त गन्या ॥ मउ पर पर मे श्वोर वदने भयो ॥ आ कु रा को
आराधना गन्या था ॥ सो वर प्रसा द पा जां भनि ॥ माहा वृषि भये रा ॥ कला रति ले आ फिम हा तारि छे उ ॥ स्वप्ना कहन ला
ता

व.स.
०१५०

गि॥ हे माहा तारि ज्यु मे ले॥ श्री माहा देव को आराधना गव्या रा॥ मलाई पर मे श्वर प्रदक्षे भयार॥ मलाई वर्दी नदिमा॥ जस पुतव
 कानि मि ले मे ले॥ आराधना गव्या भां॥ सो पुतव हमा देस माहा आया को छ॥ तसे सित मे रो विवाहा गरि दिनु हवस भनि॥ आदिम
 हा तारि के उचिंति गरि॥ मे जां को कुरा सुनिकन॥ राजा के उर निविंति गरि॥ हे प्रभु त्यामि हमा केरि॥ कृष्ण बतिले मे रो विवाहा ग
 रि दे उ भनि॥ महे उभन आई भनि नर॥ होरिले गव्या को कुरा सब द तांत॥ रानी ले रा आ के उ॥ विंति गरि नर॥ राजा ले पनि॥ आ प्र
 रा ज्ये मा॥ वो जनु पहा या रा॥ इत हत ले वो ज्ये जा दा॥ हात मा बद्र लि सेर॥ दो कान मा॥ विक्रम के सरि बसि र ह्या॥ दु त हत
 ले देव्यो रा॥ सु ध्या उ॥ हे माहा पुतव॥ तिमि को हो कां हां वाट आयो॥ त्या व तां त ह मि लाई कहतु हय भन्दा॥ दु त हत का
 कुरा सुनि वि क्रम के सरि भन्दा॥ हे राज दु त हो सुन॥ मेरा ता उ वि क्रम के सरि हो भन्यो रा॥ राज दु त ले डा किल ग्यो रा॥ राजा
 को हजुर मा पु या यो॥ बां हां दे मि॥ राजा भन्दा॥ हे वि क्रम के सरि॥ धं ने धं ने मे रो भा ग्ये ले॥ ति मो दर्शन पा जां॥
 प्रव मे ग होरि ति मि लाई॥ विवाहा गरि दिनु॥ भनि रा जाले भन्यो रा॥ वि क्रम के सरि भन्दा॥ हे माहा राज हजुर का
 होरि॥ विवाहा गर ला भनि आया को होई न॥ मेरा बुवा ज्यु का॥ कार्य मा आया को हो॥ क सो गरि विवाहा गर भ
 न्यो रा॥ राजा भन्दा॥ हे वि क्रम के सरि ति मि ले॥ कं न्या दान मां त्रे लिनु हवस॥ बां हां पछि त पाई को॥ बुवा ज्यु का का
 र्य मा जानु हवस भनि॥ राजा ले कं न्या दान विवाहा गरि दिया॥ बां हां दे मि॥ ये क दुई मे हा त्पी प्रह व भई॥ सु व भो
 ग्ये गव्या पछि॥ आ प्रा त स रा के उ॥ वि क्रम के सरि ले वि दामा ग्या॥ स स रा ले पनि वि द्या दि या॥ बां हां दे मि॥ वि क्रम के
 सरि हि या॥ जा दा जा मे क व र्त्त को वाट मा पु ग्यो रा॥ एक बडा वक्षे का फे द मा वा स व स्या॥ त स व क्षे मा भं ग मा को गु ड

राम
१५

रहे हूँ। तेस भिंगमा को छोरा रह्यो हूँ। चार जना माथे ठाउँमा हि। पूर्व दिशा जा दो रहे हूँ। माथिलो चाहि। दक्षिण जा दो रहे हूँ।
सांही लो चाहि पश्चिम दिशा जा दो रहे हूँ। काँछो चाहि उत्तर दिशा जा दो रहे हूँ। ई चारै दिशा जान्या हरु ग्या पा रा भि
गमा सुध्याउ हूँ। हे पुत्र हो चारै दिशा के। स मा चार क्यो क्यो हूँ। हंमिला ई कह भन्यो हूँ। अघि पूर्व जान्या भन्यो हूँ। हे वा वा
माहा तारि। मक हन्नु सुन। पूर्व दिशा मा। श्री राजा विक्रमाजित ले। विक्रम के सरिको नाउ सु मेना। गरि रो ई रह्यो हूँ।
तारा रुद्रा आषाढ ति। अंधा भै रह्यो हूँ। भनिसे वै विस्तार क ह्यो। के रि पश्चिम दिशा जान्या भन्यो हूँ। हे वा वा माहा तारि। मक हं
हु सुन। पश्चिम दिशा मा। विक्रम के सरिले। विवाहा गरि राव्या के। रानिले। विक्रम के सरि म न्या भति। सति जान त
पा र भई रहे हूँ। अथवा चार दिन मा। विक्रम के सरि ग्रा ई न पुग्या। त्यो रानि कुठि मर्छे भनिक ह्यो। के रि दक्षिण दिशा जा
न्या कह हन्नु। हे वा वा माहा तारि। मक हन्नु दक्षिण दिशा तिर मा। समुद्र का तिर मा। रुष का फेद मा वसि। पापिष्ट विक्रम के सरिले।
मेरो गोडा काटि धपायो। अथवा रसक गरि। राक्षे सिरो ई रहि छि। भनिसव वृतांत क ह्यो। के रि उत्तर दिशा जान्या कह हन्नु। हे वा वा
माहा तारि। उत्तर दिशा को केहि स मा चार पाई न। एक स मा चार मात्रे पाया को हूँ। क्यो भन्या हा मित्र स्याका। रुष का फेद मा।
सेक मक्षे महा दुवसित। वसि रहे हूँ हे रुद्र स भनिक ह्यो। वा हां पछि। भिंगमा हरु ले। आका धर मा न्या न्या भया को।
बा न्या सरा जा मलि मेरा। रुष का फेद मा व ह्यो लाई दिन ग्या। विक्रम के सरिले लि या मात्रे। बाये नत। भिंगमा ले या
उह व स भन्दा। विक्रम के सरि भन्नु। हे भिंगमा मये सो दुधि। दुध का चिर हले सरि रह्यो हूँ। मलाई या ना के। के हि ई छ्या छई
न भन्दा। भिंगमा भन्नु। हे मनुष्ये ज्या भै ले नि भिलाई। वा ना को सग जा मल्या ई दि या को हूँ। वा नु हव स। नि भि म्या या

दः स
॥२६॥

को दार्य ^{ला} जसो गरि हुन्छु ॥ तसो गरि पुन्याई हामि देउला ॥ भनि यु साधार ॥ विक्रम के सरिले ॥ मन लज्जा आई कन ॥ ज्या ज्या वस्तु ॥ भिंगः
माले ल्याई दि यो थो सो द्यायो ॥ जां हां देखि ॥ विक्रम के सरिले ॥ भिंग मा छे उ वि ति गरि ॥ हे भिंग मा हि जो ति मिले ॥ भरो ता दि या थो ॥ काज
पुन्याई दिनु हो भनि ॥ आमा ले आन नद गरि य सिर ह्यां छु ॥ मे ति से रो का ज त पाई ले गरि दिनु हय स ॥ स भन्या श्री राजा वि क्र मा जित
को पुत्र हुं ॥ मे राना उ विक्रम के सरि हो ॥ बुवा न्यु का मन मा ॥ ज्या कुरा को विर हले ॥ ज उ छि न्ये भया को छ ॥ सो यिर ह छु ता उ ना ॥ नि
मित्ये म न्या या को हुं ॥ म न्या या को का ज भन्या ॥ म न्यु का को छे न ॥ मे र र क्षा गर्नु हय स भन्या ॥ जां हां देखि ॥ विक्रम के सरि लाई ॥ मन
पवना भन्या को का ठ ये क ॥ मन सा चि ता भन्या को का ठ ये क दि मे र ॥ भिंग मा भन्छ ॥ हे विक्रम के सरि ॥ मन पवना भन्या को का ठ को
गु न ॥ जां हां मन मा चि ता उ ला स ॥ आ स न मा रा ध न र ॥ वहि पु न्या उ छ ॥ मन सा चि ता भन्या को का ठ ॥ को गु न क्या छ भन्या ॥ ज्या मन ले
चि ता उ ला स ॥ सो कुरो हुन्या छ भनि ॥ विक्रम के सरि लाई दि यो ॥ जां हां देखि ॥ विक्रम के सरि महा धु सि भ मे र ॥ भिंग मा छे उ ॥ वि दा मा गि
हि दी भया ॥ जां हां देखि ॥ विक्रम के सरिले ॥ मन पवना भन्या को ॥ का ठ य क्षा या रा ॥ मन सा चि ता या ॥ जा हां रा क्षे सि व स्या कि छ ॥ त हि पु न्या व
नु पर्छ भन्या रा ॥ उ से ठा उ मा पु न्या यो ॥ जां हां देखि ॥ रा क्षे सि रु ध का के द मा च स्या कि देख्यो रा ॥ विक्रम के सरिले ॥ तार पत्र ध र ले हा न्या रा ॥ वा उ
गो रा का द्या रा ॥ रा क्षे सि आ का स भा गि गरि ॥ रा क्षे सि को वां उ गो रा को ॥ क ठ पा उ लि ये र मन मा ॥ महा धु सि भ र्श ॥ मन मा के रि चि ता यो ॥ मे ले वि ज
हा गरि आ मा को ॥ दे स मा पु न्या ई दिनु पर्छ भन्या ॥ उ से दे स मा पु ग्यो रा ॥ म हां उ मा न गरि ॥ ना ना सर ह का बा जा व जा ये र ॥ व स्या को देखि सु ध्या उ छ
न ॥ हे लो ग हो ॥ यो बा जा का को हो भन्या ॥ त स दे को मा नि स ले भन्छ ॥ हे मा हा पुर ध सु न ॥ विक्रम के सरिले वि वा हा गरि रा ब्या कि रा नि ॥ स ति जा
न ला गि न र ॥ त स्का र न वा जा व जा उ छ ॥ भ नि क ह्यो रा ॥ त्यो कुरा सु नि ॥ विक्रम के सरि ह त प ता ई ग यो रा ॥ रा ति ति त भे ट गरि भन्छ ॥ हे रा न
आ ई पु ग्या ॥ तै ले आ का म मां टि स भन्या रा ॥ विक्रम के सरि का व च न सु नि ॥ रा नि का मन मा ॥ महा आ न द ॥ छ सि ह र्ध मा न भै क न ॥ विक्रम के
सरि को ॥ पा उ मा द र्श न गरि रा ॥ आ न द सि त वि ति गरि ॥ आ क्ता त्या मि लाई ॥ पंचा म त भो र्जन ग रा ये र ॥ उ म्दी न वहि व स्या ॥ भो ति प ल

रा
॥२६॥

आक्राससुराहे उचिदामाग्या॥ हे माहाराज॥ मेरा बुवा नु ह त पता ईर ह्या का हुन न भति॥ विदामाग्या॥ ससुरा भन्धन॥ हे जुवा ई व ठि माजा
नु ह य स॥ भनि विदादिमा॥ बां हां दे वि॥ विक्रम के सरिले॥ आक्रा रा निसमे त लि ये रा॥ आक्रा दे स मा आ उ दा भ या॥ आक्रा दे स मा यु ग्या र
श्रीराजा विक्रमाजित ले॥ आक्रा कोरा॥ विक्रम के सरि॥ आ ई पु गो भ निस न्यारा॥ महा ह र्ष मा त वृ सि भ ये रा॥ आक्रा मु लुक मा मा रा गरि॥ अ
नेक गित नाच॥ अनेक वाजि त्र मंगल्य॥ ई त्या दिस व ब ना ये रा॥ सिधु र जा त्रा गरि क न॥ विक्रम के सरिले॥ सह मा त्या ये रा॥ द वी र प्र वे स
ग रा य॥ विक्रम के सरिले॥ आक्रा बुवा नु को॥ दर्शन ग न्यो॥ मंत्रि सि त कु स ल॥ प्र स न्न का कु रा ग न्यो॥ अष्टा चार ग न्या॥ बां हां दे वि॥
विक्रम के सरि भन्ध॥ हे बुवा नु यो क ठ पा उ लि नु ह य स॥ भनि च हा यो रा॥ जो भ मा को वि स्ता र कु रा ग न्या रा॥ श्रीराजा विक्रमाजित ले॥ क ठ पा
उ दे व्या र वृ सि भ ई॥ विक्रम के सरिले॥ ध न्ये ध न्ये भ ति स्या बा सि दि या॥ बां हां दे वि॥ राजा ले भि आ नि ला ई डा के रा॥ क ठ पा उ दे व्या ये रा
भन्धन॥ हे पा पि ष्ट स्या लि॥ ते ले मे रा व स हा स्र आ टि छ स॥ मे रा रा न्ये मा ते ले व ह्नु हु दै न॥ भनि भि आ नि ला ई ध या यो रा॥ विक्रम के सरि
को॥ महा ता रि ला ई त्या ये रा॥ द वी र मा रा ग्या रा॥ म हां आ न न द ग रि॥ ए ति वृ ढा ये रा व त्या॥ बां हां दे वि॥ श्रीराजा विक्रमाजित ले॥ आ
क्रा द वी र स म्य ति रा न्ये॥ विक्रम के सरि ला ई यो प्या॥ मंत्रि ला ई प ति सि र पा उ दि या॥ अनेक धन द र्य दि या॥ राजा का जि मि लि
आक्रा रा न्ये को॥ रक्षा गरि व द्या भ मा॥ ये सा य रा क मि॥ श्रीराजा विक्रमाजित को॥ सिंघा स न मा॥ ति मि ले व ह्नु जो ये के न॥ भनि क
न ये क पु त्रि का उ र्दि भै॥ ॥ इ ति व द म पु त्रि क था ॥ ६ ॥ के रि आ की पु त्रि का नि खे र भ न्धे॥ हे भो ज दे व रा जा॥ म ह न्नु स नु ह य स॥ को
हि म रा पु र्व स म ये मा॥ श्रीराजा विक्रमाजित ले॥ समु द्र सि त मि न्यारि ग न्या को यि यो॥ ई न दु ई को म हा प्र ति ग रि॥ व त्या का यि
या॥ त व र क दि न मा॥ श्रीराजा विक्रमाजित ले भ न्यो॥ हे से व क हो ति मि ह स॥ मे रा मि त स मु द्र के उ॥ जो ना न स को ला॥ त क न म ने
क द र्य प्र सा द॥ दि उ ला भ ति आ ग्या ग न्यो रा॥ ये क म हा दु षि कं गा ल॥ आ स्ता न आ यो रा॥ विं ति ग न्यो॥ हे म हा रा जा स मु द्र के उ॥ म जा न
स कु ला भ नि विं ति ग न्यो रा॥ श्रीराजा विक्रमाजित ले॥ अनेक चि न्न व ह्नु स उ गा रा॥ द लि दि वा स न हा त दि ये रा॥ स मु द्र के उ च मा या

वः स
॥२७॥ त्वोदलिद्विवास्तनयनि। समुद्रकातिरमापुग्योत। भक्तुहेसमद्र। तपाइकाभित। श्रीराजाविक्रमाजितले। तिमिलार्ईभेटनुपठायाके।
होसदेसलिनहबरा। भनिविंतिगयोरपनि। समुद्रलेकेहिभन्येनतर। त्वोप्रांसनमहादुष्प्रमानिवत्यो। वोंहोंदेधि। समुद्र।
लेवांस्तानको। भेसगरिकन। दलिद्विवास्तनकेउन्मापारा। मेछाचारकुसलप्रसनगया। मितलेदिईपठायाके। सधेसलिसार।
समुद्रभक्तुहेदुत। व्रांसन। मेरामितलाई। प्रनामभनिदिमा। भनिकन। चारगोटा। रत्नसदेसदिपार। समुद्रभक्तुहे।
व्रांसन। ईरत्नकोक्याक्यागुनभन्या। येकरत्नकोगुनचंतनभन्या। मंनदिन्याहू। एकरत्नकोगुनदर्व्यमाग्या। दर्व्यदिन्याहू। ए।
करत्नकोगुन। भाडावसुमाग्या। भाडावसुदिन्याहू। एकरत्नकोगुनसेंन्येमाग्या। सेंन्येदिन्याहूभनि। मितलाईभनिदिमा। भ।
निचारगोटा। रत्नदियेर। दलिद्विवास्तनलाईविदादिमा। वोंहोंदेधि। दलिद्विवास्तनले। रत्नलियेरराजाकेउन्मापेरा। दर्सनग।
जोरा। विंतिगईहेमहाराज। हजुरकाभितले। आकाभाषागरि। प्रनामभनिपठायाकेहू। हजरलाईरत्नचलाई। पठाया।
कोहू। भनिराजाकेउविंतिगयो। तवश्रीराजाविक्रमाजितलेभन्यो। हेव्रांसनधंनेधंने। न्योचाररत्नमा। येकतिमिलार्ईलेउ। भनि।
राजातेभन्योरा। व्रांसनविंतिगई। हेमहाराज रत्नजतिमलाई। कपाभयोतमेरास्त्रीसित। मतोगर्तजांकुंभनि। आकाधरगयो।
रा। आकापरिपारसित। भेटगयोर। न्यानदमितवस्थापकि। व्रांसनभक्तुहेस्त्रीहेधु। वन्यवा। हमाभायेले। वानुलावमुपाजुं। यो।
चाररत्नसमुद्रले। श्रीराजाविक्रमाजितलाई। सोगातमेराहातमादिईपठायां। चाररत्नकोगुनचारैहू। चारमायेकरत्नत।
लाईलेभति। श्रीराजाते। मलाईदिपाकेहू। प्रवकुनचाहिलिन्याहो। भनिमतोगयार। व्रांसनभक्तु। मेरासनमातभाडा।
वसुदिन्याचाहिलेउभन्या। त्याहिचाहिभन्ये। मेरासनमातहमितलाई। वानुकोनतसमर्थले। मंनदिन्याचाहिलेउभनि। के।
रिबहोंरिचाहिभन्ये। मेरासनमात। दर्व्यहोनतसमर्थ। दर्व्यदिन्याचाहिलेउभनि। फेरिकोचाहिभन्ये। मेरासनमात।

सैन्येदिन्याचाहिलिउ॥जाहांसमन्येलेगसिवाहिह॥ताहांमनदर्थवस्तुहृदभन्दा॥ईनचारकोसतेनमिलि॥वडोसवगरि
हगरागया॥वांहांदेधि॥वांहांनभन्दा॥मोरतनहनन्यात्वा॥हमोकलेहवातहंथ्यो॥आजरतपाजोर॥येसोसुगराभयोभनि॥रि
सासेरा॥यारेगोठारतलिपरा॥राजाकेउगयेरविंतिगई॥हेमहाराज॥मेराघरमा॥स्वास्त्रिवसंरिछोरा॥हहलेरगरागया॥का
ननन्या॥हमिचारननाहे॥चारेजनालाईपुन्याईल्यास॥भतिममाथिअगरागया॥मोरतनफकीउनयायां॥लिनह
वसभन्योरा॥राजाकाहातमारतनराधिदिमोरा॥आकुदुखमानिकन॥मध्यारेमुखगरिवत्यो॥वांहांदेधि॥श्रीराजाविक्
माजितले॥आग्यागईन॥हेवांहांनतिमिलेदुखमानुपदेन॥मोचारेरततिमिलेईभयो॥लेजाउभनिआग्याभयो॥वां
लनलेचाररतलिमेरा॥महाधुसिभयेरा॥प्राक्काद्यरगमारा॥आनन्दसितसुखभोगेगरिवस्येथो॥हेभोजदेवराजा॥ए
स्तात्यागि॥श्रीराजाविक्रमाजितको॥सिधांसनमा॥तिमिलेवस्तुहृदेनभनि॥पुत्रिकायेकउदिगई॥ईतिपत्रमपु
त्रिकाकथा॥१॥केरिस्कपुत्रिकानिलेपरभन्दे॥हेभोजदेवराजा॥मेराकुरानसुनिकन॥एससिधासनमा॥तिमिलेव
स्तुहृदेन॥भनिकथाकहनलागि॥कोहिदेकसमयमा॥श्रीराजाविक्रमाजितका॥देसमायेकजुवायाथियो॥तसजु
वायालेयेकदिनजुवामा॥धेरैधनहायोरा॥आहुवनिलाग्यो॥आहुलेदाममाग्योरा॥दामतिर्नुसक्येनरा॥भाग्योरसमु
द्रकातिरमाजसुगयो॥रातपनिविह्यायोरा॥श्रीसूर्यउदयेहुन्यायेलाभा॥पातालवाटा॥विमानमाचहेरा॥अतिसु
न्दरिनाईकाआयेरा॥समुद्रमाप्रमानगरि॥नाईकाभन्दे॥हेपरमेस्वरि॥श्रीसूर्य॥मलाईश्रीराजाविक्रमाजित॥मे
रास्वामिहवसभनि॥श्रीसूर्यलाईसूर्यचकाई॥येतिगन्याकोसबेवतांता॥जुवायालेदेथ्यो॥वांहांदेधि॥नाईका
पातालजादा॥विमानकागजरमा॥समानेरेजुवायापनि॥पातालमागयो॥वांहांदेधि॥मेजाकासविहहले

ते स भुवा लेहनायेर ॥ जों हाट जुवायायायायो ॥ उमे

ठाउमा
वाईदि
१३

वः स
॥१८॥

देव्या ॥ जाईका छेउ जायेर ॥ सविह रुविंति गईर ॥ हेम हारा निह जुरका हारमा ॥ एक पुरुष हारायेर वस्याको क भन्दा ॥ स
विह रुको कुरा सुनि ॥ रानि भन्केर ॥ हे सवि तेस महापुरुष लाई ॥ हाकि ल्याउ भनिर ॥ सविह रुले पति ॥ हाकि ल्यायेर ॥ हा
निमित्त भेट गरयो ॥ हां हां देखि ॥ रानि सुधा उछिर ॥ हेम हापुरुष ॥ तिमिको हो को हां वाट ॥ पाउ लागु भयो ॥ व्याकार
नले ॥ मेरा हारमा वहु भयो ॥ त्यो बलांत मलाई ॥ कहनु हवस ॥ भनिरा मिले भन्दा ॥ जुवाया भन्दा ॥ हे रानि मभन्दा ॥ म
थ्ये मरा लवाट आजां ॥ मेरा नाउ भन्दा ॥ विक्रमाजित हो भन्दा ॥ रानि मनमा चितायेर भन्कि ॥ मेरा भाग्ये ले दर्शन पांजां
भनि बुझि भयेर ॥ भित्र कोठा माडा कि ल गरी ॥ वस भनिर ॥ तेस कोठा मा ॥ बाट दुई रस्या छर ॥ तस बाट मागि ॥ अनेक
जात जात का विछाउना ॥ रुत पदी लाई राख्या को रहेछ ॥ बाट मा भन्दा ॥ हिरामो तिज डि राख्या को ॥ चहुवा टा ग्या को ॥ कि
नारा मा ॥ यश बडा मोतिको ॥ रुता रु राई राख्या को चित्र विचित्र लेख्या को ॥ कोठा को चारे कुना मा ॥ हिरा जमा को ॥ सुन
का पाँस वालि राख्या को ॥ भुई मा भन्दा ॥ काच ले ठालि राख्या को ॥ एला कोठा माडा कि ल गिर ॥ वस भनिर ॥ त्यो जुवाया
ले ॥ बाट मा वहुन सकि ॥ बाट मति वस्या को देखि ॥ रानि ले मनमा चिताउत लागित ॥ यो पुरुष राजा भयो ॥ बाट मति का
न बल्लो हो ॥ येस को सो भाउत ॥ निचा जात को छ ॥ राजा तरहे नछ ॥ भनि मनमा चियो ॥ हां हां देखि ॥ भोलि पल रानिले ॥ व
कुवा लाई नर ॥ उट्का को मये लको ॥ घुवा दुई बनायेर जगायेर ॥ जुवाया मनमा चिताउछ ॥ ग्राजु मलाई क्या भयो
सपना देख्यो भन्नुत ॥ सपना होई न ॥ पद धे देख्यो को ॥ यो कुरा बलांत ॥ राजा छेउ कहनु पयो भनी ॥ श्री राजा विमानित का
हेरु रमा जायेर ॥ जुवाया विंति गई ॥ हेम हारा ज ॥ एक आचर्य समाचार ॥ विंति गर्न आजां थ्यो ॥ व्याकुरा भन्दा
हि जो मैले जुवाया ॥ हेरे दा म हाया ॥ साहु ले पत्र नला ग्या ॥ म भागेर समुद्र का तिरमा ॥ बह्य गजां ॥ रानि प

ग म
॥१८॥

निवहिवस्या॥ बिहावापकि॥ श्रीसूर्य उदये हुन्या बेला मा॥ अति सुन्दरि नाई का॥ एक पाताल वाट माथि आये र॥
 त मुद्र मा प्रसात गरि र॥ श्री॥ राजा विक्रमाजित॥ मेरा त्यामि हव स भनि॥ श्रीसूर्य लाई॥ अर्घ दिदा मेले देखि॥
 पांघां॥ भनि विंति गयो र॥ राजा भक्त र॥ हेतु बान्या॥ ते सठा उमा॥ मला ई पुन्या ई दे॥ तला ई निस्तार हुन्या गति॥ दोल
 थ म देउला॥ भनिराजाले भन्या॥ जुवा न्याले॥ राजा लाई डाकि ल गयो र॥ रुष मा चहे रहे दी॥ श्रीसूर्य उदये हुन्या बे
 ला मा॥ विमान चहे र॥ त्यो नाई का आये र॥ आकृति त्ये कर्म गरि॥ अर्घ दिये र जादा॥ श्रीराजा विक्रमाजित र॥ जुवा
 न्या॥ ई न दुई जनाले॥ विमान का गजुर समाये र॥ साथे पाताल गयो॥ ई दुई जना लाई॥ सखि हल ले देखा र॥ रानि छेउ विं
 ति गर्छ र॥ हेम हारा नि॥ हमा धार मा॥ महा पुरुष दुई जना॥ आया को छ र॥ भित्र डाल्या उकि भनि विंति गति॥ रानिले
 जाउ डाकिल्या उ भनिर॥ सखि हल डाक ग पार भक्त र॥ हेम हार पुरुष॥ हमारानिले डाक पठाया को छ॥ भित्र पाउला गुरु
 वर॥ भनि डाकिल गिर॥ जो डाधोरु भनि॥ दुवा मा पा निरा धि दि यो॥ बां हं देखि॥ राजाले गोडान धोई॥ चुपला गिर ह्यार
 रानिले मन मा चिता उनला गि॥ ई भन्या अर्घ्ये र जाहु र॥ भनि ठहराये र॥ जो डाधोरि कोठा मा डाकिल गिन र॥ विं वि विं
 गति॥ विच्छा उन लाई राख्या को॥ बाट मा थि जाये र॥ राजा वस्या पछि॥ रात पयो र॥ रानि भक्ति र॥ हे राजा मेरा सरिर मा ला
 मा को गहना लाई॥ चार बेर बोला उसका॥ मेरा त्यामि निमि भयो॥ त सका निमि मेरा दास भयो भनि॥ रानिले राजा लाई भ
 निन र॥ आकृ भिन्ने बाट मा वसि॥ बां हं देखि॥ श्रीराजा विक्रमाजित॥ अलि वार चुपला गिर ह्यार॥ बां हं पछि राजा भक्त र
 हे रानि रत्न रेखा॥ उसो भन्या॥ मये कथा कहन्छु सुन॥ भनि कहन लाग्या॥ येक देस मा॥ एका कि छोरि रहे छ॥ तस्को विवा

बः स
॥ १७ ॥

सगर्भ समय भया को रहे छु ॥ वायु ले से कला ई दियो ॥ महा तारिले से कला ई दिपा को रहे छु ॥ पाज्यु ले से कला ई दिपा को रहे छु ॥ चरम तो नग दिपा को रहे न छु ॥ निने जना को ये के ल गन जु न्या को न न्या को रहे छु ॥ विवाहा गन न्या पारा ॥ निने जना वहन न्या पारा ॥ आक कुरा पा म न नि मि त्थे ॥ वायु ले चाल पा सो र भन्नु ॥ हे श्री हे पुत्रा ॥ मेरा को रि हो ॥ जल ला ई मेरा म न पला ॥ उ से ला ई दि उ ला भन्दा ॥ माहा तारि भन्ने ॥ मेरि छो रि हो ई न का ॥ जल ला ई म न पला ॥ उ से ला ई दे उ ला भन्दा ॥ दा न्यु भन्नु ॥ बहि नि मेरो हो ॥ जल ला ई म न पला ॥ उ से ला ई दे उ ला भन्दा ॥ निने जना नगरा गन ला ग्या ॥ बां हां देखि ॥ क ल ला ई दि उ ॥ भनि उ दे का ई र ह्या ॥ हे र त रे धा ॥ ई न तिन जाना मा ॥ क ह्ने दिपा को ले ॥ विवाहा गन्यो हो ॥ यो जल ला को तलो गरि ॥ म ला ई कह नु प छि भनि ॥ श्री रा जा वि क्र मा जित ले भन्दा ॥ रानि ले गो ड मा ला पा को ॥ रत चु रि ले भन्नु ॥ हे माहा राज ॥ म हा तारिले ॥ जल ला ई दि पा थ्या ॥ उ से ले विवाहा गन्यो हो ॥ भनि रत चु रि ले भन्दा ॥ रत रे धा रि सा ई भन्ने ॥ यो रत चु रि ले ॥ अ स ते कुरा गन्यो भनि ॥ गो ड मा ला पा को ॥ रत चु रि मि के र ॥ आ कालि दि ई र भन्ने ॥ लोक न्या त दा न्यु ले दिपा को ले ॥ विवाहा गन्यो हो भनि ॥ रत रे धा ले भनि न रा ॥ फेरि रा जा भन्नु न ॥ हे र त रे धा ॥ अर्को क था कह नु सुन ॥ र का दे स मा ॥ राजा ले मं चि ले म तो ग न्यो हे मं चि ह मि दु ई दे सां तर जा उ ॥ हि इ भनि कुरा ग द्यो ॥ रानि ले चाल पा ई न रा ॥ चि यो गन ला गिन ॥ बां हां देखि ॥ रा न प न्या प छि ॥ रा जा मं चि दे सां तर जा द्यो ॥ रानि ले देखि न रा ॥ रानि प नि सा थै ला गिन रा ॥ बां हां जां हां जां थ्या ॥ बहि निने जना सा थै रह न थ्या ॥ बां हां देखि ॥ जां दां जां दां बाट मा ॥ देवि गरो स को म ह देख्यो ॥ देवि गरो स प नि ॥ ना च दा र थ्या छ न ॥ त स वे ला मा ॥ देवि गरो स ले ॥ राजा ला ई देख्यो ॥ राजा को भोग लि पा ॥ बां हां देखि ॥ राजा न्यु न रा ॥ मं चि भन्नु ॥ हे माहा राजा ॥ रु मा राजा ॥ दे वि ग रो स को ॥ दर्शन गन म पा को ॥ अ न स म म मा को छ न ॥ क सो भ यो म हे न जां छु ॥ भनि हे न ग पोर ॥ राजा त छ तु भ द्यो को ॥ देव्यो र हा ये हा मे

वि
रानः
॥ १७ ॥

स्वामिभूतिगोरोर॥रोपाकोसोर॥देविगरोसलेसुन्यार॥हेदीमंत्रिलार्देव्यारभोगलियो॥वांहांदेवि॥रानिलेआचर्यमानिक
नभक्तिन॥राजासंविआसनर॥भनिहेनजादा॥राजापनिमंत्रियति॥मन्याकोदेविनर॥रानिमनमाचिताउछिन॥हरिहरिः
ममात्रैवाचेर॥काप्रकोजनकभनि॥हातबहुलियेर॥सेरिमहुभन्या॥देविगरोसप्रसन्नभवेर॥आग्यागर्हन्॥हेरानितैलेमनु
पदेन॥लीजनकोभोगमलिन॥तफकिजाभनि॥देविलेआग्यागरिन॥वांहांदेवि॥रानिविंतिगर्हन्॥हेदेविगरोस॥येरा
स्वामिनभैकन॥मैलेवाच्याको॥कासिघारक॥भनिविंतिगरिन॥हेरानितैरास्यामिलार्॥मजगार्देउला॥तमावेजनिम
रभनितर॥लौचाडोसजाकोरमंत्रिको॥सिरलियेरगिडमाजोरिनर॥दुवैजाग्योरहेदी॥मंत्रिकोसिरराजाकागिडमा॥राजा
कोसिरमंत्रिकोगिडमा॥जोरिदियेछ॥दुवैजनालार्जगार्दिमोर॥मगरागर्नलाग्या॥एकभक्तमेरिस्वास्ति॥एकभ
क्तमेरिस्वास्ति॥भक्तिव्यासगर्नलाग्या॥हेरानिरत्नरेखा॥योस्वास्तिमिरकोहेकि॥गिडकोहोभनि॥श्रीराजाविऊमानितः
लेसध्याउदो॥रत्नरेखाकोहातमालायाको॥करकरभक्त॥हेमाहारज॥योस्वास्तिमिरकोभयोहोभन्या॥रत्नरेखारिसाये
रभन्ते॥नपापिष्टकंकरले॥मसत्येकुरागयोभनि॥हातकोकरकरन्रिकेर॥आफालिदियेरभन्ते॥योस्वास्तिनगिडको
भयोहोभनि॥फेरि॥श्रीराजाविऊमानितभन्तर॥हेरत्नरेखा॥मएकथाकहहुंसुन॥एकादेसना॥काव्याकर्मि॥चित्रः
कारि॥सुजिकार॥अचार॥ईचारननाले॥मतोगन्यार॥देसांतरगया॥वांहांपछि॥३दिनको॥वाटमापुग्यापछि॥
महाभयेहत्या॥जगामायासगयो॥हेसंगिहो॥एसजंगलमा॥माहाभयेछ॥हमि४जनालेपालो१गति॥वेकर
पहरजागुं॥भनिमतोगरि॥गारेजनालेबढियाभयो॥पहिलेवेकपहर॥कर्मिलेग्योर॥यसिरहन्सकिं॥काकास

वः स
॥३०॥

गत्तु भनि वर पर हे दी ॥ साठ काठ ये क पा यो र ॥ मुनि वना उ छु भनि ॥ वेस पुन लि व ना यो ॥ वा हा दे धि ॥ ये क प हर रा त ग यो र ॥ प्रा
क्रा स गि ला ई उ ठा यो र ॥ आ कु सु त्यो ॥ यां हां दे धि ॥ चित्र कारि को पा लो जा ग्यो र ॥ ब सिर ह नः न स कि ॥ का का म ग र भ नि व र प र
हे दी ॥ क र्मि ले मु ति ता छि रा ब्या को दे ध्यो र ॥ अ व मे ले ये स मु ति ला ई ॥ चित्र वि चित्र ग रि ले धि रा वं ॥ भ नि ले ध्यो र ॥ दु ई प हर रा
त ग यो र ॥ प्रा क्रा स गि ला ई उ ठा यो र ॥ आ कु सु त्यो ॥ यां हां दे धि ॥ मु जि कार को पा लो जा ग्यो र ॥ का का म ग र भ नि व र प र हे दी ॥ मु
ति ता छि रा ब्या को दे ध्यो र ॥ अ व मे स मु ति ला ई ॥ वे स पो सा क ला ई दि तु व यो भ नि ॥ व स्र तु ल्या ई दि यो र ॥ ति न प हर रा त ग यो र
प्रा क्रा स गि ला ई उ ठा यो र ॥ आ कु सु त्यो ॥ यां हां दे धि ॥ आ चार को पा लो उ यो र ॥ रा न जा गि र ह्यो ॥ का का म ग रि रा त का दु ॥ भ नि
वर प र हे दी ॥ उ नि ह त ति न ज ना ले ॥ घ ना ई रा ब्या को मु ति दे ध्यो र ॥ अ व मे स मु ति ला ई ज गा उ नु प यो भ नि ॥ मंत्र ग रि मंत्र
का ब ल ले ॥ मु ति ला ई ज गा यो र ॥ च रै प हर रा त ग यो र ॥ च रै ज ना उ यो र ॥ वा नु पि नु नु ग न्या प छि ॥ हे दी ॥ न्यो मु ति मु ति सु द
रि ॥ स्वा स्ति भै रवा को दे ध्यो र ॥ न्यो स्वा स्ति का नि मि त्यो ॥ च रै ज ना रु ग रा ग र्न ला ग्या ॥ एक भ न्या मे रि स्वा स्ति ॥ एक भ न्या मे रि स्वा
स्ति ॥ भ नि च रै ज ना रु ग रा ग र्न ला ग्या ॥ त स्का र न ले ॥ व न चार न ना मा ॥ क को स्वा स्ति भ यो हो ॥ भ नि सो द्वा ॥ र त्ते र वा कि ग ला मा
ला यो को ॥ हि रा को हा र भ न्य ॥ हे मा हा रा ज ॥ न्यो स्वा स्ति त क र्मि भ यो हो भ न्या ॥ रा नि रि स्वा ये र भ न्यु न ॥ हे पा पि ष्ट हि रा को हा
रा ॥ ते ले अ स न यो लि स ॥ का न भ न्या ॥ जो का ब्या क र्मि भ न्या बा वु भ यो ॥ चित्र कारि भ न्या म हा ता रि भ यो ॥ अ चार भ न्या गु र
त मा त भ यो ॥ न्यो स्वा स्ति भ न्या ॥ मु जि कार को भ यो हो ॥ भ नि क न ॥ रा नि रि स्वा ये र ॥ हि रा को हा र कि कि ॥ प्रा फा लि दि ई र ॥ मु प
ला गि र हि ॥ के रि रा ना भ न्य ॥ हे रा नि र त्ते रे वा ॥ म क था क र ह नु सु न ॥ भ नि क था क र ह न ला ग्या ॥ एक दे स मा ॥ ये क म नु ये
ले ॥ ये का मि त मि त ला ई ॥ रा ब्या को र हे छ ॥ मि त च र मा स दा न्या ये र ॥ प्रा क्रा दु ब्ध का कु रा ग रि व यो र हे छ ॥ एक दि न ग

ग म
॥३०॥

उमा वरुणा मित भन्नु हे मित न्यु तयो इति कैले पानि हा माधर जानु भया को देन ॥ अज हा माधर पाउला मुह वस भन्यो र मी
त का कुरा सुनि हवस भनि ॥ मित नित सगै गयो र ॥ प्राकृत धर कान निक मायु गयो र ॥ मित लाई भन्नु ॥ हे मित न्यु मेरा घर
तेहि हो ॥ हे नु हवस भनि देखायो ॥ प्राकृत स्या हिम ले स्या लवा ट ॥ हे रि व स्या कि रहि छ ॥ यो दे वि मित छे उ सुधा उ छ ॥ हे मित
न्यु ॥ त्यो स्या लमा वरुणा ॥ स्या हिम को हो भनि सोझा ॥ मित भन्नु ॥ हे मित न्यु ॥ त्यो स्या हिम भन्या ॥ हा मो क मारि हो भनि क स्या
र ॥ मित लाई भिन्नु कि ल गयो र ॥ मादर भाव गयो ॥ नाना व दार्थ का पंचाम त ॥ बनाये र भोजन गरयो ॥ घां हां पछि ॥ रा त प
यो र ॥ कोठा मा विछ्या उ ना ॥ लाये र मित लाई सुत नु पठा यो र ॥ प्राकृत स्या हिम लाई भन्नु ॥ हे लिला वति त जाये र ॥ मे
रा मित लाई ॥ घां ग मा तेल लाई दिनु पर्छ ॥ भनि प्र हा यो र ॥ स्या हिम भन्ने ॥ हे स्या मि प्र भु ॥ मित लाई क स्या गरि ॥ मै ले तेल
लाई दिन जा ॥ मत सक्रि न भन्दा ॥ सो ग्या भन्नु ॥ हे लिला वति तै ले न जाई हु देन ॥ भनि पोई ले भन्दा ॥ वस म को व च न ल
घरु गर्न न सकि ॥ लिला वति कोठा मा गये र भन्ने ॥ हे पा हु ना न्यु ॥ त मो सु सार गर्न घां जां भनि र ॥ पा हु ना का घां ग मा तेल लाई
दिई ॥ घां हां दे वि ॥ पा हु ना ले मिति ति हो ॥ भनि न जानि क न ॥ दा मि हो भनि ठानि क न ॥ मन मा चि ता ये र भन्नु ॥ हे ली जन ॥ अ
व तै ले मेरा घां ग तेल लाई सकि स ॥ सब न र म प्र संग भोग गरे भन्यो र ॥ लिला वति भन्ने ॥ हे मा हा पु रु ष ॥ ति मि मेरा मित
पर्छ उ ॥ र सो कुरा मा ग्या न गर्नु हवस ॥ मत पा प ला ग्य ॥ मनु ख्ये को जन्म चो रा ति जन्म भै क न ॥ र क वार मनु ख्ये को जन्म हु न्छ
ये सो धर्म सरि न र्क मा ॥ कान हा ल्छो भनि र ॥ मित बहि स र्मा ये र भन्नु ॥ हे मिति ति न्यु ॥ मै ले ति मि लाई ॥ मिति ति हो भनि
जानि न ॥ अ व म लाई ॥ मित न्यु ले सा सि गर्न न ॥ अ व मै ले वा च नु प यो ज न छे न भन्यो र ॥ कुरि लि ये र ग ला से रि म न्यो ॥ सां

यः स
॥३॥

हां देधि ॥ लीलावति मनमाचिता उतुलागि ॥ मेरा कारन माप्रित मय्यो ॥ अथ मैले मेरा स्थापिको ॥ मुख कसो गरि हेरुला भनि
र ॥ लीलावति लेख्य हन्या गरित हिमरि ॥ बां हां पछि ॥ अलि कवेर भयो ॥ पोई चाहि भन्छु ॥ तेल लाउन गथा को तथे रैवेर
भयो ॥ अथ पति प्राप्ता को छैन ॥ क्या भयो भनि ॥ कोठा मा हेर्न जादा ॥ भित पति ॥ स्थापित पति ॥ मया को देधि भन्छु ॥ हरि हरि ॥
क्या मे सो प्राचर्य भयो ॥ अथ कसो गह ॥ सहर का लोग रहले ॥ मलाई क्या भन्न ॥ मलाई वडो सम्वन्ध भनि ॥ मनमा
चितायो ॥ अथ मैले जिनु पति धिक्कार हो ॥ भनि अथ हन्या गरि मय्यो ॥ बां हां देधि ॥ रात विह्यायो ॥ गाउल्या छि म्या ॥
कि भन्छु ॥ आनु ये सद्यः कामानि सहल लई क्या भयो ॥ सदा भन्या सवेरै उठेर ॥ बाहिर जानथ्यो ॥ आज भन्या अरु सम
ढाका उद्यान्या को छैन ॥ क्या भयो भनि ॥ भित्र पसि हेर्दा ॥ तिनै जना मय्यो को देव्यार ॥ महा प्राचर्य मान्या ॥ बां हां देधि ॥ तिनै
जना को गोति धार हेन छु ॥ गाउल्या छि म्या दि ले वो केरा ॥ मसानमा लगेर ॥ तिनै जना लाई पोल्या ॥ अर्की ले छोप्ता का
हुनाले ॥ तेसमसानमा ॥ वास को रह भै जन्म्यो ॥ तेस वास का वोट मा ॥ भुत पि ॥ साय भई जन्म्यो ॥ तेस बां स का वोट
वाट निस्केर ॥ लोग रहल लई दुख दिथ्यो ॥ एक दिन मा प्रजास वै मिलि ॥ राजा छे उ विंति गर्छ ॥ हे माहा राज ॥ तेस
सानमा ॥ बां स को वोट छु ॥ तेस बां स वाट तिन भुत निस्केर ॥ हामिलाई बान भनि ॥ धपाई ल्या उछ भनि ॥ राजा छे उ विं
ति गर्छ ॥ बां हां देधि ॥ राजा आग्या गर्छ ॥ हे लो हो ॥ त्यो बां स को वोट काटि हेर भन्दा ॥ सब लोग रह गथार ॥ बां स को वोट
काटि हेर्दा ॥ एक बां स को तिन बां सार हे छु ॥ त्यो बां स चिरि हेर्दा ॥ बां स पिछे एक एक मन छे निस्केर ॥ दाहिना बाउ ले
ग्या ॥ मा रुमा स्थापित भयो ॥ निस्केर ॥ लोग्या दुई जना ले ॥ एक भन्या मेरि स्थापित ॥ एक भन्या मेरि स्थापित ॥ भनि ॥

रुगरागर्न लाग्या ॥ हे रत्न रेखा ॥ तयो स्वास्मि दाहिन्यातिरवस्याको ॥ हो कि बांउतिरवस्याको हो भनि ॥ श्रीराजा विक्र-
माजित ले सो ज्ञा ॥ रत्न रेखाको कुराद लि भन्छ ॥ हे महाराज ॥ तयो स्वास्मि त दाहिनातिर ॥ वस्याको हो लाभ न्या ॥ रत्न रेखा रि-
सा मेर भन्छ ॥ हे पापिष्ठ कुराद लि ॥ ते ले म्रप न्ये कुरा गरि स भनि रा ॥ कुराद लि कि आका लि दिओर ॥ तयो स्वास्मि ज्ञा-
वा उतिरवस्याको हो भनि ॥ रत्न रेखा ले भनि ॥ बां हों देधि ॥ इति कथा कहि सक्या पछि ॥ चार वहीत गयो ॥ रत्न रेखा विंति ग-
ई ॥ हे महाराज धं ने धं ने मेरो ज्ञा ग्ये ले ॥ तपाई को दर्शन पा जा ॥ अब मेरा मन का न्या पुर्न भयो ॥ ज्ञाई क्षा गरि त यस्या ग-
या थ्या ॥ मन का न्या पुर्न भयो ॥ श्रीसूर्य ले मलाई वर प्रसाद दिओर ॥ तपाई को दर्शन पा जा ॥ अब म तपाई को सु धिन भजा
मलाई तपाई ले दासि तुल्या यावनि ॥ स्त्री तुल्या पनि तपाई को पु सिद्ध भनि रा ॥ श्रीराजा विक्रमाजित का ॥ दुबै पाउ मा ठो-
ग दिई र पाउ मा पति ॥ बां हों देधि ॥ श्रीराजा विक्रमाजित ले ॥ आग्या ग र्द हन ॥ हे रत्न रेखा ॥ अब म जा हों व ले न ॥ आ प्रा दे स मा जा-
हुं भन्या ॥ समस्त धन दो लथ लि येर ॥ रत्न रेखा रानि स मे त लि येर ॥ श्रीराजा विक्रमाजित ॥ आ प्रा दे स मा आ पा रा ॥ पर म आ-
नन्द गरि कन ॥ वस्या भया थ्या ॥ हे भोज देव राजा ॥ ए स्ता प कु मि ॥ श्रीराजा विक्रमाजित का ॥ सिंघासन मा बह्ल हु दे न भनि-
एक पुत्रिका उदि गई ॥ इति म्रम क ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ केरि से क पुत्रिका निस्के र भन्छ ॥ हे भोज देव राजा ॥ मेरा कुरान सुनि ॥ ए स सिं-
घासन मा ॥ ति मि ले व ह्ल हु दे न भनि ॥ कथा कहन लागि ॥ को हि स म मे मा ॥ श्रीराजा विक्रमाजित ले ॥ आ प्रा दे स मा घ र्छ रे-
ग येर ॥ पहिला मा जाई कन ॥ को का यो ल्ख भनि ॥ रानि र चि वा ला गि कन सुनि हि आ ॥ एक दिन मा ॥ ए का घर मा ॥ जो ई पो ई-
व सि कुरा ग दी र ह्या छन ॥ क्या कुरा भन्या ॥ पो ई चा हि भन्छ ॥ हे य म्या वति ॥ आज मे ले के व ल दे व ता ज लो ॥ महा पु रु ष दे व्या थ्या
म पापिष्ठ हु ता ले वे पार का ॥ लो भ ले वे पार गर्न ला ग्या र ॥ ते स्र हा पु रु ष ला ई भे ट न पा ई न ॥ भनि आ प्रा स्था ति ला ई क :

वः स
॥३२॥

हो॥ तोय तां त॥ श्रीराजा विक्रमाजित तले सुन्या॥ प्राश्न्य मानि मनमाचिना उछ॥ ईन हत लेग न्या को कुरा॥ सा यो रहे छ कि
हुठा हो हे न जा॥ भनि हे न गघार॥ जसोति निहल ले भन्या थ्या॥ तले महा पुरुष वसि र ह्या को देव्या॥ राजा ले हे रि र ह्या॥ महा
पुरुष ले देव्या र सुध्या उछ त॥ हे महा पुरुष मनुष्ये ति मि को हो॥ कां हां वा ट प्रायो भनियो ध्या॥ राजा भन्छ त॥ म भन्या विक्र
माजित तं भनिक ह्या॥ कां हां देवि॥ तपः सि भन्छ त॥ हे राजा मछे उ त क्या माइ छ स॥ तेरा मन मा जोई क्षा छ सो मांग॥ मदि नु
भन्या॥ राजा विंति गछ॥ हे भगवा म प्रन्या॥ तपाई को दर्शन गर्न आजां थ्या॥ भनि राजा ले भन्या॥ फेरित वसि भन्छ त॥ हे विक्र
माजित॥ यो कं था॥ वरि॥ लाठि॥ तं लाई भयो॥ एर लाठि को क्या गुन छ भन्या॥ यो कं था को क्या गुन छ भन्या॥ मा कुले न्या वि
ता यो सो सिना पा को वस्तु बहि हुन्छ॥ यो वरि को गुन क्या छ भन्या॥ भुई मा हाति घोरा मानि सै न्या॥ न्या न्या चाहिं छ॥ वसु व
छि ले छेर॥ तेस लाठि ले छु बाई दिया सवै॥ सर्जि उहुन्छ॥ एका को हजार हुन्छ भनि॥ सब विस्तार कहिक न॥ यो वस्तु तोई भ
यो भनि दिये॥ तपसि मंत्र र ध्यान भे न्या का सगया॥ कां हां देवि॥ श्रीराजा विक्रमाजित फर्कि न्या उदा॥ वाट मा माहा दुधि
कं गाल मानि ससित॥ भेट भयो र ते समाति लाई॥ श्रीराजा विक्रमाजित न्या ग्या गछ त॥ हे माहा पुरुष ति मि को
हो कां हां जा न्छो भनियो ध्या॥ तो दलि विंति गछ॥ हे माहा राज म भन्या कुरा ज पुर भन्या को॥ दे सको राजा हो॥ मेरा ना
उ भन्या चन्द्र सिंह हो॥ मेरो राज्ये भन्या चर्का राजा ले कुल कण्ठ गरिलि घोरा॥ मर सो जो गि रैं भये र॥ मागि मागि बाये
रहि नु पयो॥ मेरो रस्तो हवा ल भयो भनि॥ रोई कत माहा दुष्य का कुरा विंति गयो॥ तेका दुष्य का कुरा सुनि॥ श्रीरा
जा विक्रमाजित तले॥ म त मा टि ठाये र॥ न्या ग्या गछ त॥ हे चन्द्र सिंह राजा अवति मिलाई॥ राजा हुन त मो मत
माई क्षा छ कि छे त भनियो ध्या॥ चन्द्र सिंह राजा विंति गछ त॥ मेले राजा हुनु वो न्या ले कां हां पाउ छु॥ म लाई

र मः
॥३२॥

राजाको तुल्य उछ भयो र ॥ श्री राजा विक्रमाजित तज्या गार्ह न ॥ हे चन्द्र सिंह राजा हुनु म भयो ॥ म तुल्य ई दे उला भयो र
 खडा कंथा छरिलि नु ह वस भनि दिधा ॥ यो खडा को गुन क्या छ भयो ॥ यो कंथा लाये र ज्ञा वस्तु ॥ यिना यो सो वस्तु
 वहि हुन्छ ॥ फेरियो धरि को गुन क्या छ भयो ॥ भई माहाति घोरा ले धेर मानि सपनि लेवे र ॥ सो ठाले छुवाई दिधा
 सयै सज्ज उभै उठ्छ ॥ ये कले ध्या हज्जार भै उठ्छ ॥ ये सो सो ठा कंथा धरि ति मिली ई दिन्छ ॥ लिनु ह वस भनि ॥
 श्री राजा विक्रमाजित तले ॥ चन्द्र सिंह राजा लाई दिये र पठाया ॥ बां हं देखि ॥ चन्द्र सिंह राजा ले ॥ ति नै प्रकार को
 यिजलिये र ॥ माहा हर्ष मान लु ॥ सुसि भये र ॥ ति नै प्रकार को परि हे यो र ॥ आका राज्ये उकासि ॥ पर मञ्चान
 दसित लुष भोग्ये गरि ॥ वस्तु भया थ्यो ॥ बां हं देखि ॥ श्री राजा विक्रमाजित तज्या का देसमा ॥ फर्कि ज्ञाये र लुष भोग ग
 रि वस्तु भया थ्यो ॥ ये सो त्यागि श्री राजा विक्रमाजित तका ॥ सिद्धासन मा वस्नु हुदै न ॥ भनि पुत्रिका येक उडि गई ॥ ईति
 नर मक थाहा समा प न म ॥ ७ ॥ फेरि मुर्कति स्के र भुक्छ ॥ हे भोज देव राजा मेरा करन लुनि ॥ सत्य सिद्धासन मा नि
 मिले वस्नु हुदै न ॥ भनिक थाक हुन लागि ॥ कोहि परा पुर्य का समय मा ॥ श्री राजा विक्रमाजित तको र ॥ श्री कर्न राजा को मि
 थारि थियो ॥ श्री राजा विक्रमाजित त सधै ॥ श्री राजा कर्न को दर्शन गर्न जा थ्यो ॥ श्री राजा कर्न ले ॥ सधै सुन को ठोला
 दात गरि ॥ भोजन गथ्यो ॥ ते स ते त रहसित ॥ श्री कर्न राजा ले दान गन्या को ॥ श्री राजा विक्रमाजित ले सधै हे रि ॥ आ प्राय
 र म्ना उथ्यो ॥ बां हं देखि ॥ येक दिन ॥ श्री राजा विक्रमाजित तले मत मा चिता उछ र ॥ मेरा मित न्यु ले ईति सुन का हां पा उछ
 र दान गार्ह न ॥ मे ले थि चार गरि हे नु प यो भयो र ॥ ये वाग र्त लाग्या ॥ बां हं देखि ॥ श्री कर्न ले पनि प्रभति उठे र ॥ मु
 स्मान गरि क न देस को वाहि र ॥ श्री देविको थान रहेछ ॥ त स देविको मुख्या जिनां वाको कराहि मा ॥ तेल त ताई रा

ब. स.
॥३३॥

आकोरहेछ॥ तत्पठाउमा श्रीकर्णराजागया॥ श्रीदेविआग्यागछिन॥ हेकर्णश्रीपुगित्पभरिालोचिनर॥ श्रीकर्णरा
जाविंतिगछिन॥ हेमाताश्रीपुग्याभनि॥ उडोवत्तगरेरनांगोभयोरा॥ तताईराग्याकोकराहिमापसेरा॥ श्रीदेविला
ईकोलाया॥ हेवरमेस्वरि॥ श्रीदेविपाउलाकुहसस॥ भनिविंतिगयोरा॥ श्रीदेविआघेरभोग्यगरिन॥ श्रीदेवि
सनुष्टभयारआग्यागछिन॥ हेकर्णयोसांवर्नलेभनि॥ श्रीदेविलेदिईनर॥ श्रीकर्णराजालेलियो॥ ईतिगयाकोः॥
श्रीराजाविक्रमाजितलेदेव्यार॥ मनमाचितायेरभन्दन॥ मेराभितलेतयेलोगरिल्यायेर॥ सुवर्नदानगदीरह्याछनः
भोलितमपतिजानुपयोभनिकर्किआयो॥ याहांदेधि॥ उक्तेभोलिपल्लमयेरेउठेरसुह्रानगरैरा॥ श्रीराजाविक्रमा
जित॥ श्रीदेविकोथानमागयार॥ श्रीदेविआग्यागछिन॥ हेकर्णश्रीपुगित्पभनिलोचिनर॥ श्रीराजाविक्रमाजित
भन्दन॥ हेमाताश्रीपुग्याभलिकवार॥ पर्वतुहवत्तभन्यो॥ श्रीराजाविक्रमाजितले॥ आमुदेहिमाछुरिलेसंचुरी
गरिठाउठाउचियार॥ हिंगजिराः मरिचजाईफल॥ लवागदालचिनिः नूनलेले॥ सबैमर्मसालाआफ्रादेहिमा
भिजायेरा॥ तेसततायाकोः तेलमावुआर॥ श्रीदेविलाईभोगचढायोरा॥ श्रीदेविसनुष्टभयेरभन्दन॥ हेकर्णश्री
जुदेधिमसंतुष्टभयांभनिर॥ श्रीराजाविक्रमाजितलाई॥ जगायेरसवर्नकोथेलासुकादिईन॥ श्रीदेविआग्या
गछिन॥ हेकर्णश्रीजुदेधिमसंतुष्टभयां॥ भवउग्रान॥ मतेरोभोगलिन्याछेनभनिर॥ श्रीराजाविक्रमाजित
ले॥ सुनकोथेलासमेतलियेरआफ्राघरआया॥ याहांदेधि॥ सदाईगरिकर्तमागयार॥ श्रीदेविआग्याग
छिन॥ हेकर्णश्रीजुदेधितेरोभोगेमलिन॥ हिजापुलितेरोमासुमिठोयियेन॥ आमुततेरोमासुमिठोयिभयो
र॥ मसंतुष्टभजा॥ आमुतंका नडईयेरमाईस॥ भनिश्रीदेविलेआग्यागदी॥ कर्णविंतिगछिन॥ हेवरमेस्वरि

र. स.
॥३३॥

श्रीदेवि॥ मातृ तमप्राप्ताकोछेन भविषिंति गयो॥ माश्रु र्थमात्रिकता॥ श्रीकर्नराजाप्राप्ताद्यैर्भक्तिप्राप्तो॥ र
 त्नापराक्रमि॥ श्रीराजाविक्रमाजितका॥ सिंघासमा॥ हेभोजदेवराजाभिभिले॥ वदुजोग्येछेन भनि॥ एकपु
 त्रिकाउडिगई॥ ॥ इतिदमप्रपुत्रिकायाहासमापतम्॥ १०॥ फेरिषुर्कोपुत्रिकानि केरभने॥ हेभोजदेवराजा॥ मये
 कथाकहन्छु सुत॥ कोहिपरापुर्वसमयमा॥ श्रीराजाविक्रमाजित॥ १॥ मंत्रि॥ १॥ कटवाल॥ १॥ माहान॥ १॥ इतचारजनाले
 मतो गयो॥ हमिचारजनादेसात्तरजाउभन्या॥ चारेजनादेसात्तरगया॥ वां हां देधि॥ मेकदिनश्रवेरभयो रवनमा॥
 वासगया॥ श्रीराजाविक्रमाजितभन्छन्॥ हेमंत्रिमातृहमिबडोभयेहुन्या॥ धात्रमायासगरिउं॥ तत्कारनले॥ हमिपह
 रपहरतनजागुंभनि॥ श्रीराजाविक्रमाजितलेआग्यागदा॥ मंत्रिलेहवममाहाराजभन्यो॥ वां हां देधि॥ रातवयो॥
 पहिलेकोपहर॥ माहानकोपालोजागर्नागयो॥ श्रीराजा मंत्रिकटवालसुत्या॥ वां हां देधि॥ माहानलेश्रवकागरि
 रातकाट॥ भनिमनमाचितायो॥ श्रीराजाविक्रमाजितकावांगमाहेदी॥ समालकोरतरकथियो॥ सों रत्नलि
 योरदवांघो॥ येकपहररायनिगयो॥ कटवालकोपाजाग्योरदुईपहररातगयो॥ तेओपहरमंत्रिकोपालोजा
 ग्यो॥ चौथापहरमा॥ श्रीराजाविक्रमाजितलेजाग्यो॥ श्रीराजालेआप्राप्रांगमाहेदी॥ रत्नचोरियोछ॥ श्रीराजाबहुतसुखी
 मानिकनवत्या॥ वां हां पछि॥ चारेजनागगरागर्नलाग्या॥ राजाभन्याआहंरुगतरागिरियाहुन्छ॥ भनिचुपलागि
 रत्या॥ वां हां देधि॥ हिथ्यारश्रकीराजाकोदेसमापुग्या॥ तत्येसकातराजाकोछोरियेकरहेछ॥ त्योमेजाश्रुतिथिईर
 तमेमेजांछेकुतिचारजनागये॥ श्रीराजाविक्रमाजितआग्यागईन॥ हेराजकन्यामेरायेकसुमालको॥ रत्न
 चोरियो॥ हामिचारकाविचमाःरत्नछ॥ कलेचोयोत्योत्तरहामिचारमा॥ चोरनछुटितीरत्नमाजिदेउ॥ भः

ज्ञानि

न ई

व.स
॥३४॥

रा

निविस्तारगयापछि॥मेजांभच्छिन्न॥हेमहापुरुषउसोभन्या॥मयेककुलसुध्याउछें॥सुनुहहसभनिकथाकह
लागि॥कोहिपेकदेसमा॥राजाकाछोरामंत्रिकाछोरकोवडाप्रितिरहेछर॥इतदुईकोसन्नेगयाकोथियो॥राजकुमा
रभन्छ॥हेमंत्रिकोछोरा॥तेराविवाहसुधिभया॥तेरास्याहिमछेउपठाईदिनु॥मेराविवाहसुधिभया॥मेरास्या
हिमछेउपठाईदेउला॥भनिसन्नेधर्मगयाकोथियो॥यांहांदेखि॥राजाकाछोरकोविवाहसुधिवाटभयो॥म
नेकगिनयाजिन्नमंगलनाचईत्यादिसववाजावजाये॥सिदुरजात्रागरिकन॥डलहिलाईदवाँरमात्याया॥यां
हांदेखि॥राजपन्यापछिडलहिले॥अनेकहिरामोतिमानिकजआकोगहना॥लायेरवेसवेसजरिजगउ
कोपोसाकलाईकन॥राजकुमारकाकोठामासुनुपठायो॥राजिप्रायाकोदेखि॥राजकुमारभन्छ॥हेस्त्रीक
नकावति॥तेरेस्यामिनिश्चयेमहुंभन्या॥तेलेमेरोबचनसुनुपछुभन्या॥कनकावतिविंतिगछे॥हेप्रभु
निमिमेस्यामिनिश्चयेहो॥मेराहृदयजउंभनजियनपाईकोहो॥जेतपाईकोईभाछुसोगर्नहवस॥भनिकन
कनकावतिलेविंतिगरिनर॥कनकावतिकाकुलसुनि॥राजकुमारभन्छ॥हेस्त्रीजनमेलेरमंत्रिकाछोरालेस
न्नेधर्मगयाकोथियो॥कजाकुलभन्यातेराविवाहसुधिभया॥तेरास्याहिमछेउपठाईदिनु॥मेराविवाहसुधि
भयामेरास्याहिमपठाउला॥सन्नेधर्मगयाकोथियो॥नसकारआनुतेलेमंत्रिकाछोरामितसुनुजानुपछु॥ई
तिकुरातेलेमान्यादेखि॥तेमेरित्याहिहोस॥नमान्यामेरित्त्रीहोईनस॥भनिराजकुमारलेभन्या॥यांहांदेखि॥क
नकावतिविंतिगछे॥हेस्यामिप्रभुतपाईकासन्नेराखनामिमेजांभच्छिन्नभनिस॥यांहांदेखि॥राजपन्यापछि
हातमावातिलियेराजादा॥वाटमाचारलेदेख्यो॥परस्त्रीसमानुपयोभनि॥मनमायितायेरभन्छ॥धनं२
भनि

रा.स
॥३४॥

मेले भागे ले के लाया था ॥ राजा का घर माथे नुं जाया ॥ बिक पा लये कि व त्या का रहा छत्र ॥ चोरि सकुछे न ॥ अब ये ल
खा लि को बहुत गहना वस्त्र छ ॥ ये से लाई समायो रगहं ना ॥ भिकि ले जा नु वयो ॥ भनि मन माचि ता योरा ॥ चोर भः
॥ हे स्त्री मेरो जिउ को माया प्रया ॥ तेरा सरिर मा लाया को ॥ गहं ना भिके र म लाई दे ॥ सो गहना म लाई न दिया
तेरो जिउ लिउ ला ॥ भनि बोले भन्दा ॥ कनका वति भन्ने ॥ हे चोर मेरा कुरा सुन ॥ मेरा त्यामिका सत्ये राख नानिः
मि ले ले ॥ मंत्रिका छोरा छे उन्ना था थो ॥ अब मेरा गहना निमिले लि मा न ॥ रति के मा त्रे पा उ ला स ॥ फर्कि आ उ
दालि पा ॥ ये छो दुई गुन गहना मा बुला स ॥ भनिक न का वति ले भन्दा ॥ चोर भन्ने ॥ उ सो भन्दा चांडो फर्कि आ
उ ॥ म बहि य सिर हु ला भन्योरा ॥ राति लाई छोडि दियो ॥ आ कु बहि य सिर हो ॥ बां हां देखि ॥ राति मंत्रिका घर पु ग्या
र हा क पारि ॥ हे मंत्रि पुत्र छोका उधार भनिरा ॥ मंत्रिका छोरा ले छोका उधारि दियोरा ॥ राति लाई डाकि लग्यो ॥ बां हां
देखि ॥ राति भन्दी न ॥ हे मंत्रि पुत्र मेरा त्यामिले ॥ निमिले उ पठाई दिया ॥ अब निमिले म सित संभोग कि दाग
नुरुप स ॥ भनि सनिले भन्दा ॥ मंत्रि पुत्र विंति गर छ ॥ हे माहा राति त पाई ॥ मेरा हा मा ना ज ले छे उ ॥ मे ले राजा
को स न्ये पति दे स्या ॥ त पाई को स ने पति दे स्या ॥ दुई जना को स न्ये देखि म छु मि भन्ना ॥ अब निमिले लाई येक जो
र गहना य हा उ छु ॥ तिन ह व स भनि दियोरा ॥ सि पा हि स धि ह ह स मे र त गरि छ या उ न प ठा यो ॥ पु न्या उ न
जा न्या ह ह ला चोर ले देखे र चोर भा ग्यो ॥ राति पति दर्या र मा गु गिन ॥ बां हां देखि ॥ राजा छे उ राति पु गिन ॥ स ये कुरा
राजा छे उ विंति गरिर ॥ त व मे जो सु ध्या उ छि र ॥ राजा को स न्ये हु ले हो कि ॥ मंत्रि को स न्ये हु ले हो कि ॥ राति को स
ई दि

पः स
॥३५॥

येहुलो होकि॥ योरकोस येहुलो होकि॥ इनचार माक कोस येहुलो हो॥ योकरा म लाई कहनु पछ भनिरा॥ चारै जना
चारै भिरगव्या॥ जों हों देखि॥ पेरि ले राजा भाई सुध्या पार॥ राजा भन्छन॥ हे राजक न्या मेरा मन मात॥ राजा कोस
येहुलो॥ क्या कारन भन्या॥ माफ्रा त्याहि मन्त्र की छे उपठानु क ठिनहुन्छ॥ तस्कारन राजा कोस येहुलो भन्या॥ रा
जा को कसुनि॥ रकातिर भिन्नै राधि॥ केरि मन्त्रि लाई शक्ति सुध्या उछिन॥ हे मन्त्रि ईन चार जना मा॥ क कोस येहु
लो हो भनिसो छिनर॥ मन्त्रि भन्छ॥ हे राजक न्या॥ मेरा मन मात मन्त्रिकोस येहुलो॥ मन्त्रिका कुरा सुनि रकातिर राः
व्या॥ केरि कटवाल कन शक्ति सुध्या इनर॥ कटवाल भन्छ॥ हे माहा राति॥ मेरा न मात रातिको॥ स येहुलो भः
योरा॥ कटवाल लाई से कातिरगव्या॥ जों हों देखि॥ माहान लाई शक्ति सुध्या उछिन॥ हे माहान ईन चार जना मा॥ क कोस
येहुलो भनिसो छिनर॥ माहान विजि गर॥ हे माहा राति॥ मेरा मन मात योरकोस येहुलो॥ क्या कार भन्या॥ मा
फु लेषा माको॥ धन वस्तु छाडि दिमाहा कठिनहुन्छ॥ तस्कारण ले योरकोस येहुलो॥ भनि माहान ले भः
दा॥ माहान को कुरा सुनि॥ राति भन्छिन॥ हे माहान योरा जाको॥ रत्न तैले लि पाको रहेछ॥ यो रत्न मेरा हात
माके भनिरा॥ माहान काये ल भयोरा॥ यो रत्न रातिका हाथि यो॥ जों हों देखि॥ राति ले चारै जना लाई शकोर
श्री गजा विक्रमाजित का हात सों पिदि ईन॥ यो योरो हो भनिक से चाल पाई नर॥ जों हों देखि॥ श्री गजा वि
क्रमाजित हर॥ चारै जना प्राप्ता देस मा॥ कर्कि प्राप्तर परम श्रानुद गरिव स्याथ्या॥ हे भोजन देयरा जा
येला श्री गजा विक्रमाजित का॥ सिधासन माति मिले वस्तु जे मे छे न भनिरा॥ पुत्रिका येक उडि गरि

रामः
॥३५॥

॥ ईति **पञ्चादश** पुत्रिका कथा समाप्तम् ॥ केरिचकी उा बुका नल्लर ॥ हे भो जदेवराज ॥ मेरा कुरा नल
नि ॥ यसमि चासनमा तिमिले बल्लु देन ॥ भनिकया कहन लागि ॥ कोहि बल्लु रसमयमा ॥ भंगेरा भंगेरि दु
ई स्त्री कुरुव मै कन ॥ पाहा प्रि विग रिउत्था कायिया ॥ कोहि मे कदिमा ॥ भंगेरि ले छोरा छोरीया ईत ॥ भंगेरि ले भंगेरि के
उभन्ने ॥ हे स्त्री भिन्नरुतिन चारदिन ॥ कोरा छो रि तिमिले बाल नुपयो ॥ मेरा सरिर मा बल्लु देन ॥ तस्कार रा मलि
कदिन ॥ ह मोर भाग नुपयो भनिरा ॥ येति कुरा सुनि भंगेरा भन्ने ॥ हे स्त्री तिमि हल्लाई पा लु सकन्या छैन ॥ छोरा ॥
छोरि भन्या ठेरे छ ॥ बां हो दे छि ॥ तं लाई सु लाया लु ॥ बां हा बाट छो जित्या उरा ॥ तिमि हल्लाई कुरा उ ॥ तिमि हल्ला
ई सु बां उदा ॥ मे ले नया बा पा को सा तस्कार दिन भन्ने ॥ मवम घाता वा हा र्म न लाग्या ॥ हा मि दुई मै कन छोरा छो रि
या लु भन्ने ॥ भंगेरा का कुरा सुनि ॥ भंगेरि भन्ने ॥ हे स्त्री मि मै ले सक्या हुनि ॥ तिमि लाई भन्दा हुं च निरा ॥ भंगेरा भन्ने
हे स्त्री मै ले भन्या को कुरा सां चा हो ॥ तर मये कै ले तिमि हल्ला सा त जना लाई ॥ कसो तर ह ले पा लौ भन्दा ॥ ई न दुई को
रुगरा मयो ॥ या हा दे छि ॥ भंगेरा रि सा ये र प्रा प्रा घर छो रि भा गि गयो रा ॥ भंगेरि भन्ने हे छोरा छो रि हो ॥ तिमि हल
लाई पा ल नु प ली भनि ॥ ते रा वा बु भा गि गयो ॥ अच तिमि हल्ला लाई आ हा रा बो लु जानु ॥ तिमि हल्ला व मि हुं भ निरा ॥ आ
हा रा बो जन गरी ॥ आ हा रा बो जित्या ई रा ॥ प्रा प्रा छो छोरि लाई बान दिई ॥ ये सा दुष्य का टि दुई तिन मे रा भया म
या प छि ॥ ये कदिन मा ये क बु ठा भंगेरा छे उ ॥ भंगेरि भन्ने ॥ हे बु ला वा बु छोरा छो रि पा ल नु प ली ॥ मे रा लो ग्या ले
ह मि हल्ला लाई छो डेर भा गि गयो ॥ मस्या छि जा त ले कसो ग रि पा ल ॥ मे रा ये सा दुष्य प यो ॥ तस्कार रा ले ॥ मे रा लो

ज्या लाई ॥ मिमिले कहि भेष्टा देखि ॥ मे गरिदि पाभ निर ॥ आ क्रावु ला पावु छे उ ॥ हदै हदै सयल तां न कहि ॥ जां हां देखि ॥ बुढा भं
गेरा भन्नु ॥ हे नानि तं कि कि जानु पर्दे न ॥ मजा येर खे गरि दे उ ला भयो रा ॥ बुढा भं गेरा गयो रा ॥ भं गेरा छे उ पु ग्यो रा ॥ बुढा भं
गेरा भन्नु ॥ हे मु र्ख ते ले छोरा छोरी पा लनु पर्दा भनि ॥ इ छ ले भा गि आ ई स ॥ धि क्कार हो ते रो जन्मा ॥ क्या कार न ले छोरा छोरी
का डि भा गि आ ई स ॥ मव ने रा छोरा छोरी उ द न्या भया पा छि ॥ ते ले पा व ई न स ॥ आ मा चा हिले मा त्रे पा बला ॥ भनि बुढा
॥ ३६ ॥ भं गेरा ले भन्दा ॥ भा गि जा न्या भं गेरा ले यो कुरा सो यो हो ला ॥ भनि मन मा चि ता यो रा ॥ उ स्तो भो लि प र ह त प र ग रि ॥
चा ई छ र ता उ भनि बा ट मा आ उ मा ॥ भं गेरा हिले देखि रा ॥ भं गेरा भन्दा ॥ आ फु न्न पि वा ट ॥ घर ग येर टो का थु नि क न ॥ भं गे
रा भन्ने ॥ हे पा पि छ लो ग्या नि मि नां हां क्या न चा यो ॥ भं गेरा स र्धा भा छा डि ग का थो ॥ म ला ई मा त्रे दु ख दि यो ॥ हे पा पि छ
लो ग्या ॥ ई न छोरा छोरी ला ई मै ले य द्वा दु ख्य गरि पा ल्या थ्यां ॥ मव यो छोरा छोरी नि मि ला ई हदै न भ निर ॥ भं गेरा भन्नु
मेरा छोरा छोरी क्या न पा वैन भ नि ॥ म ग रा ग र्न ला ग्या ॥ जां हां देखि ॥ भं गेरा भन्ने ॥ हे पा पि छ लो ग्या हं मिले ॥ जां हां न ग
स गरि का पु यो न न छ ॥ ये स दे स भा रा जा छ र ॥ त स रा जा क सा भा मा जा येर ॥ नि मो र ये रो न्या ॥ उ नि मा ग्न जा उ भ
निर ॥ भं गेरा ले भन्ने च डि पा ॥ जां हां तं ले जां छे स त हि ना न्नु ॥ हि इ भ न्यो र स जा का सा भा मा ग यो ॥ जां हां देखि ॥ रा जा का
स भा पु ग्न र भं गेरा भन्ने ॥ हे स भा प ति यो च हो ॥ हं मा कु रा लु न्न ह स स ॥ भ नि कु रा क ह न ला रि ॥ हे यो च हो मे रा लो ग्या ॥ रा म
मि त रु ग रा भ यो रा ॥ त पा ई ह ह ले न स्रा को त लो ग रि ॥ हं मो न्या डि नि दि न्न ह स स भ नि ॥ स व य तां त क र ह हि र ॥ ॥ ॥
ग जा भ न्नु रा ॥ हे मा रा न्ना चा य्य प स भं गेरा भं गेरा ॥ म रु भे रो त्या रे कु रा ग ई भ न्दा ॥ तां यो हो मा हा रा न भ न्यो
रा ॥ स भा मा व त्या का मं त्रि यो च ह स ॥ आ च य्य मा नि व त्या ॥ जां हां देखि ॥ स भा प ति ले लु थ्या या ॥ हे भं गेरा भं